हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

कृष्ण पक्ष, रेवती, विक्रम संवत् 2083
• औरंगाबाद • बुधवार • 10 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 188 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

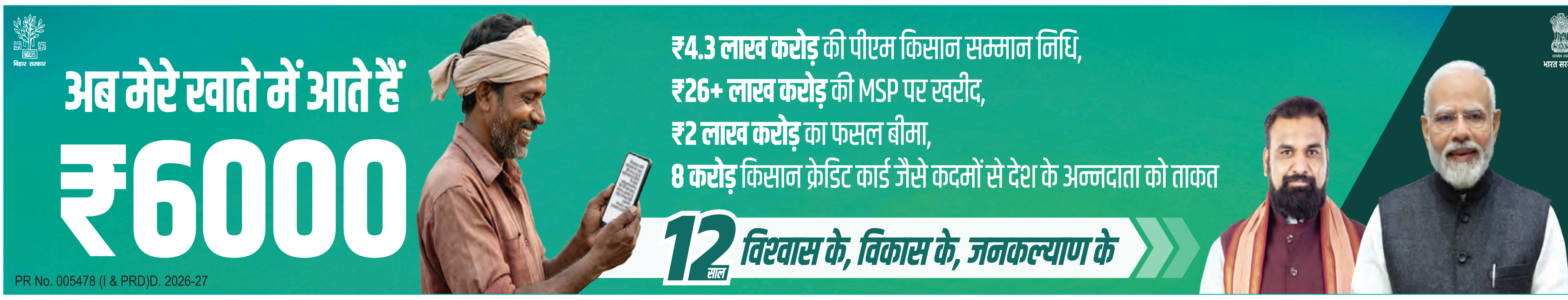

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 14,04,000	₹ 2,60,000

आज का इतिहास

1955 : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने माने भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण का जन्म हुआ था। वह पहले भारतीय थे जो अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन रैंकिंग में विश्व के नंबर एक बने। उनकी उपलब्धियों में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, विश्व भव्य पुरस्कार और विश्व कप शामिल हैं।

2002 : पाकिस्तान ने विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी के -2 का नाम बदलकर 'चोगोरी' अथवा 'शाहगोरी' कर दिया।

न्यूज बाइट्स

छह दिन में 16 राज्यों तक पहुंचा मानसून

नई दिल्ली (ए.) । दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। महज छह दिनों में मानसून देश के 16 राज्यों तक पहुंच चुका है। मंगलवार को मानसून ने पश्चिम बंगाल में भी दस्तक दे दी। मौसम विभाग के अनुसार मानसून फिलहाल मुंबई से करीब 150 किलोमीटर दूर है और अगले 48 घंटों के भीतर महानगर में प्रवेश कर सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले सप्ताह तक मानसून गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के शेष हिस्सों तक भी पहुंच जाएगा। मानसूनी गतिविधियों के कारण कई मैदानी राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को गर्मी से राहत मिलने लगी है। केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री की थी। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था।

बिहार में उद्योग लगवाने के लिए सम्राट चौधरी का बड़ा फैसला

उद्योग लगाने के लिए 30 दिनों में सभी स्वीकृतियां देना अनिवार्य

■ सिंगल विंडो सिस्टम प्रभावी ढंग से लागू किया गया ■ निवेशकों के लिए प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनेगी

- एसआईपीबी सचिवालय को मिली व्यापक शक्तियां, निवेशकों को लालफीताशाही से राहत, सभी विभागों की स्वीकृतियां एक ही मंच से होंगी सुनिश्चित।
- बिहार को देश-दुनिया के निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा निवेश स्थल बनाना राज्य सरकार का संकल्प है।

» बिहार में निवेशकों के लिए उद्योग लगाना आसान हुआ है। उन्हें सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि उद्योगों की स्थापना से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान कर निवेशकों को अनावश्यक विलंब तथा प्रशासनिक जटिलताओं से पूरी तरह मुक्ति दी जाए।

» **सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री**

उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया कि 30 दिनों की समय सीमा केवल प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि कानूनी रूप से बाध्यकारी व्यवस्था होगी। यदि कोई विभाग या अधिकारी निर्धारित अवधि में आवेदन पर निर्णय लेने में विफल रहता है, तो एसआईपीबी सचिवालय निवेशक के पक्ष में स्वतः 'डीम्ड क्लीयरेंस' जारी करेगा। ऐसी स्थिति में संबंधित विभाग के लिए उस आदेश का पालन करना अनिवार्य होगा तथा बाद में उस पर पुनर्विचार नहीं किया जा सकेगा।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों को प्रशासनिक जटिलताओं से राहत देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम, 2016' के तहत एक नई व्यवस्था को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक सभी सरकारी स्वीकृतियां 30 दिनों के भीतर देना अनिवार्य होगा। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित विभाग कोई निर्णय नहीं लेता है, तो निवेशक को स्वतः 'डीम्ड क्लीयरेंस' (स्वतः स्वीकृति) प्रदान कर दी जाएगी। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद निवेशकों को विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सभी आवश्यक अनुमतियों और लाइसेंसों की प्रक्रिया एक ही मंच पर पूरी की जाएगी। नई व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद (एसआईपीबी) सचिवालय को व्यापक प्रशासनिक एवं कानूनी अधिकार प्रदान किए गए हैं। इसे उद्योग स्थापना से संबंधित सभी अनुमतियों के लिए एकल नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार के अनुसार विभिन्न तकनीकी एवं नियामक विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे एसआईपीबी सचिवालय में तैनात किया जाएगा। ये अधिकारी औद्योगिक विकास आयुक्त के नियंत्रण में कार्य करेंगे, जिससे निवेशकों की फाइलों और प्रस्तावों का त्वरित निपटारा संभव हो सकेगा। सरकार सभी प्रकार की औद्योगिक स्वीकृतियों के लिए एकीकृत एवं पारदर्शी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी लागू करने जा रही है। इससे जवाबदेही सुनिश्चित होगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

राज्य सरकार का मानना है कि इस नई व्यवस्था से बिहार में निवेश का माहौल बेहतर होगा, नए उद्योग स्थापित होंगे, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। सरकार का लक्ष्य बिहार को देश और विदेश के निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद तथा आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

अवैध पटाखा गोदाम में भीषण आग, बच्चे समेत आठ की मौत, एक मजदूर गंभीर रूप से झुलसा

- रिहायशी इलाके में संचालित हो रहा था बारूद का गोदाम, मालिक पर कार्रवाई की तैयारी

एजेंसी | जयपुर (राजस्थान)

राजस्थान की राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में मंगलवार सुबह एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लगने से एक बच्चे समेत आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार खोह नागोरियान क्षेत्र के करीब नगर-बी स्थित मकान नंबर-88 में अवैध रूप से पटाखों की पैकिंग और भंडारण का काम किया जा रहा था। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक फैक्ट्री में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग के साथ हुए धमाकों से आसपास के लोग दहशत में आ गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उक्त मकान याकूब पुत्र नजीर खान का है, जिसने इसे नई दिल्ली निवासी फिरोज को किराए पर दे रखा था। आरोप है कि फिरोज यहां अवैध रूप से शादी समारोहों में इस्तेमाल होने वाले पटाखों की पैकिंग का कारोबार संचालित कर रहा था। हादसे के बाद से फैक्ट्री संचालक फिरोज और मकान मालिक याकूब दोनों फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान मोहम्मद अशरफ (40), मोहम्मद रब्बिल (16), अब्दुल वहीद (46), समीर खान (20), बिलाल खान (28), आजीम खान (18) और नासिर खान (25) के रूप में हुई है। सभी मृतक खोह नागोरियान और आसपास के क्षेत्रों के निवासी थे। एक अन्य मृतक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। बताया जा रहा है कि इनमें से तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि अन्य ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

हादसे की सबसे मार्मिक कहानी सगे भाइयों बिलाल खान और आजीम खान की है। आजीम फैक्ट्री में काम करता था, जबकि बड़ा भाई बिलाल उससे मिलने और हालचाल जानने के लिए फैक्ट्री पहुंचा था। दोनों भाई वहां बैठकर बातचीत कर रहे थे कि अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया और दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। उपचार के दौरान दोनों भाइयों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र में लंबे समय से पटाखों की पैकिंग का काम चल रहा था। बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखे जाने के बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

फतुहा में ₹200 करोड़ के निवेश से स्थापित होगी अमूल डेयरी, 200 रोजगार के अवसर होंगे सृजित

निज संवाददाता | पटना

बिहार के डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मेसर्स कायरा डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव मिल्क प्रोडूसर यूनियन लिमिटेड (अमूल डेयरी) द्वारा राज्य में दूध एवं ताजा डेयरी उत्पादों के निर्माण हेतु अत्याधुनिक डेयरी प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जाएगी। लगभग 200 करोड़ के निवेश से विकसित होने वाली यह परियोजना राज्य के डेयरी उद्योग को सुदृढ़ करने के साथ-साथ किसानों की आय वृद्धि, दुग्ध मूल्य श्रृंखला के विस्तार एवं रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस संबंध में बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार की परियोजना समाशोधन समिति की बैठक उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा, कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पात्र आवेदकों को राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि एवं प्लग एंड प्ले शेड्स आवंटित करने के प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गई। इसी क्रम में मेसर्स कायरा डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव मिल्क प्रोडूसर यूनियन लिमिटेड (अमूल डेयरी) को आईए फतुहा, पटना में आधुनिक डेयरी विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की स्वीकृति दी गई। प्रस्तावित इकाई 13 एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी, जहाँ दूध एवं विभिन्न ताजा डेयरी उत्पादों का उत्पादन एवं प्रसंस्करण किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से राज्य में डेयरी प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार होगा तथा लगभग 200 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। साथ ही, यह परियोजना स्थानीय दुग्ध उत्पादकों एवं डेयरी किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने तथा राज्य में दुग्ध आधारित उद्योगों के विकास को गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी।

माननीय उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में इस प्रकार का निवेश राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, किसानों की आय बढ़ाने तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार को कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा, श्री कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार में निवेशकों को विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, पारदर्शी प्रक्रियाएं एवं निवेशक-अनुकूल नीतियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हो रहे निवेश राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति देंगे तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास के नए अवसर सृजित करेंगे।

बिहार में फिर लागू होगी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

पटना (नि.सं.)। बिहार सरकार ने किसानों के हित में बड़ा और दूरगामी फैसला लेते हुए राज्य में एक बार फिर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरीकी अध्यक्षता में सोमवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इसके साथ ही रबी 2026-27 मौसम से वर्तमान में संचालित बिहार राज्य फसल सहायता योजना की जगह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू होगी। बिहार के सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय सुरक्षा और कृषि को जोखिममुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लागू होने से किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों से होने वाली फसल क्षति पर अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध मुआवजा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत बीमित किसानों को फसल नुकसान की स्थिति में कृषि लागत के समतुल्य भुगतान प्राप्त होगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ खेती कर सकेंगे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को अत्यंत कम प्रीमियम देना होगा।

BAYC Institute स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE: DAT Acupressure Therapy, DY Yoga, DAYS Acupressure Yoga, DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th; DEMS Electrohomeopathy Medicine, DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE: MBBA Acupressure & Magnet, BTMS Traditional Medicine, BAYS Acupressure Yoga, BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2; BEMS Electrohomeopathy Medicine, MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE: MD (Acu Yoga), MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजुएट; MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE: BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE: MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त, अध्यक्ष
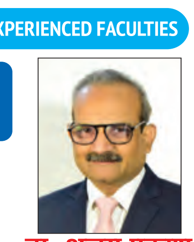
डा. अजय प्रकाश, सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

मिशन 'नीट 2026' : कदाचार-मुक्त परीक्षा के लिए बिहार सरकार अलर्ट, वायु सेना से पहुंचेगा प्रश्नपत्र

21 जून को 34 जिलों के 331 केंद्रों पर होगी परीक्षा, 1.56 लाख अभ्यर्थी होंगे शामिल

निज संवाददाता | पटना

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

पुलिस महानिदेशक ने सभी जिलों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने का निर्देश दिया है। यदि कोई व्यक्ति प्रश्नपत्र लीक होने का झूठा दावा करता है, फर्जी प्रश्नपत्र वायरल करता है या अफवाह फैलाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई के साथ प्रिवेंटिव अरेस्ट भी किया जाएगा। प्रशासन द्वारा अफवाहों का त्वरित खंडन करने के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई है।

परीक्षार्थियों को मिलेगी मुफ्त बस यात्रा

राज्य सरकार ने परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा देने का निर्णय लिया है। रेल पुलिस को ट्रेनों में गश्त बढ़ाने तथा रेलवे स्टेशनों पर परीक्षार्थियों के सुरक्षित आवागमन और अस्थायी ठहराव के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के बाहर अभिभावकों के बैठने के लिए छायादार स्थल बनाए जाएंगे।

नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा को पूरी तरह कदाचार-मुक्त, पारदर्शी और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए बिहार सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और पुलिस महानिदेशक विनय कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में मंगलवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा संचालन के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा पहले ही उच्चस्तरीय समीक्षा कर तैयारियों का जायजा लिया जा चुका है। सरकार का लक्ष्य परीक्षा को बिना किसी त्रुटि और व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न कराना है। इस बार परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और डाक विभाग के समन्वय से प्रश्नपत्रों को विशेष विमानों के जरिए सीधे राज्य स्तरीय हब तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद प्रश्नपत्र महज दो से तीन घंटे के भीतर परीक्षा केंद्रों तक पहुंच जाएंगे। इसे परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। राज्य के 34 जिलों के 35 शहरों में कुल 331 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में कुल 1,56,061 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिनमें 81,165 छात्र एवं 74,896 छात्राएं हैं। सबसे अधिक 95 परीक्षा केंद्र पटना जिले में बनाए गए हैं, जहां 46,029 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इसके अलावा दरभंगा में 8,633, मुजफ्फरपुर में 8,126, गया में 6,894, सीवान में 6,517 तथा पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) में 6,320 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

राज्य के सभी कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण कराया जाएगा। पूर्व में संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े संस्थानों को खुफिया एजेंसियों के इनपुट के आधार पर विशेष निगरानी में रखा जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक दंडाधिकारी और एक पुलिस टीम लीडर की प्रतिनियुक्ति अनिवार्य की गई है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

उद्यम रजिस्ट्रेशन कराकर प्राप्त करें सरकारी योजनाओं का लाभ : महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र

नवादा। जिला उद्योग केंद्र, नवादा के महाप्रबंधक अमित विक्रम भारद्वाज ने बताया कि उद्योग एवं व्यवसाय को सरकारी मान्यता दिलाने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु उद्यम (एमएसएमई) रजिस्ट्रेशन कराना अत्यंत आवश्यक है। उद्यम रजिस्ट्रेशन भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित एक ऑनलाइन प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी भी उद्योग अथवा व्यवसाय को आधिकारिक पहचान प्राप्त होती है। इसके साथ ही उद्यमियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं, सब्सिडी तथा अन्य प्रोत्साहनों का लाभ भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि जिला उद्योग केंद्र कार्यालय में विभाग द्वारा मनोनीत एमएसएमई मित्र उपलब्ध हैं, जो इच्छुक उद्यमियों को निःशुल्क उद्यम रजिस्ट्रेशन कराने में सहायता प्रदान करेंगे।उन्होंने जिले के सभी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों तथा नए व्यवसाय प्रारंभ करने के इच्छुक व्यक्तियों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल नंबर के साथ जिला उद्योग केंद्र, नवादा कार्यालय में उपस्थित होकर अधिक से अधिक संख्या में उद्यम रजिस्ट्रेशन कराएं तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

एनडीए सरकार की नीतियों के खिलाफ राजद का एकदिवसीय धरना

वारिसलीगंज (नवादा)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा आयोजित एकदिवसीय धरना कार्यक्रम के तहत वारिसलीगंज प्रखंड मुख्यालय में राजद कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं राज्य की एनडीए सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। धरना कार्यक्रम में महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, बदहाल शिक्षा व्यवस्था तथा बढ़ते अपराध के मामलों को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। प्रखंड अध्यक्ष मुनेश्वर कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित धरना में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान सरकार जनहित के मुद्दों पर विफल साबित हो रही है। बढ़ती महंगाई से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है, जबकि भ्रष्टाचार और अपराध की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। धरना में पूर्व विधायक प्रदीप कुमार राजद नेता अशोक महतो सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। नेताओं ने सरकार से जन समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए कहा कि यदि आम जनता की समस्याओं की अनदेखी जारी रही तो राजद सड़क से सदन तक संघर्ष तेज करेगा। धरना कार्यक्रम में राजद के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जनहित के मुद्दों पर आवाज बुलंद की।

महंगाई, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी के खिलाफ राजद का धरना प्रदर्शन

कौआकोल। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रखंड इकाईं द्वारा प्रखंड मुख्यालय परिसर में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, ध्वस्त कानून व्यवस्था तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था समेत जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई गई। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता सुधीर कुमार ने की। वहीं प्रदेश महासचिव एवं कार्यक्रम प्रभारी सलमान खुर्शीद की उपस्थिति में आयोजित इस धरना में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है,जबकि शिक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने सरकार से जनसमस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। धरना के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए तथा विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपने की भी बात कही। कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जाम की समस्या से निजात के लिए कौआकोल बाजार में चला बुलडोजर

कौआकोल। बाजार में लगातार लगने वाले जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान जेपी चौक से आश्रम मोड़ तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया। अभियान का नेतृत्व अंचलाधिकारी (सीओ) मनीष कुमार ने किया। उनके साथ पुलिस बल की टीम,बीपीआरओ शमा वानो,थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह तथा अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार भी मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम को बाजार में पहुंचते ही दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रशासन ने बताया कि अतिक्रमित स्थलों को पहले ही चिन्हित कर लिया गया था तथा कई बार माइकिंग के माध्यम से दुकानदारों और लोगों को अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी। बावजूद इसके कई लोगों ने स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया, जिसके बाद प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। जेसीबी के साथ प्रशासनिक टीम को देखकर कई दुकानदार स्वयं ही अपनी दुकानों के बाहर रखे सामान को हटाकर अंदर रखने लगे। वहीं सड़क किनारे अवैध रूप से किए गए कब्जे को हटाते हुए प्रशासन ने बाजार क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में कार्रवाई की। सीओ मनीष कुमार ने कहा कि बाजार में जाम की समस्या का मुख्य कारण सड़क पर किया गया अतिक्रमण है। आम लोगों की सुविधा और सुगम यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को कुचला, मौत

नालंदा। नालंदा में बिहटा-सरमेरा मार्ग पर नगरनौसा थाना क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप सोमवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में 19 साल के बाइक सवार युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान चंडी थाना क्षेत्र के जागो बीघा निवासी इंदु राम के पुत्र संजीव कुमार के रूप में हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के संबंध में मृतक के चाचा ऋतु राम ने बताया कि संजीव नगरनौसा बाजार स्थित एक मिठाई की दुकान में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बाइक से घर (जागो बीघा) से नगरनौसा मिठाई दुकान जा रहा था। इसी बीच नगरनौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक बेलगाम ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि संजीव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आनन-फानन में स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। संजीव की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। संजीव का विवाह एक साल पहले ही 5 मई 2025 को बेना थाना क्षेत्र के सिरनाम गांव निवासी मोहन राम की पुत्री पुनीता कुमारी के साथ हुआ था। अभी उनकी कोई संतान भी नहीं थी। पति की इस असामयिक मौत की खबर से पत्नी पुनीता कुमारी गहरे सदमे में है और बदहवास हो गई है।

रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में सिविल सर्जन का औचक निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- **एक तरफ स्वास्थ्य शिविर की मुस्तैदी, दूसरी तरफ प्रशासनिक अराजकता और एक्सपायरी दवा का हंगामा**
- **मई महीने के वेतन के लिए तरस रहीं जीएनएम, प्रभारी डीएस ने शिकायत लेने से किया इनकार; एक्सपायरी दवा मामले में सीएस ने दिए जांच के आदेश**

रजौली। रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी और प्रशासनिक समन्वय पूरी तरह पटरी से उतर चुका है। इस बात का सनसनीखेज खुलासा तब हुआ जब नवादा के सिविल सर्जन डॉ. बिनोद कुमार चौधरी ने खुद अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने और औचक निरीक्षण करने पहुंचे। सिविल सर्जन के इस औचक दौरे के दौरान अस्पताल के भीतर चल रही भारी अव्यवस्था, प्रशासनिक लापरवाही, कर्मचारियों का उत्पीड़न और मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के कई गंभीर मामले एक साथ खुलकर सामने आए हैं, जिसने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

गर्भवती महिलाओं की जांच और हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान :- अस्पताल पहुंचे सिविल सर्जन डॉ. बिनोद कुमार ने आधिकारिक तौर पर बताया कि वे मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करने आए थे। इस शिविर के दौरान कुल 152 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की गहन जांच की गई, जिसमें से 22 महिलाएं गंभीर रूप से एनिमिक यानी अत्यधिक खून की कमी से ग्रसित पाई गईं। इन महिलाओं को 'हाई रिस्क प्रेग्नेंसी' (एचआरपी) की श्रेणी में रखते हुए उनके विशेष खान-पान, जरूरी दवा और देखभाल के लिए आवश्यक स्वास्थ्य रजिस्टर तैयार कर कड़े निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि प्रसव के दौरान किसी भी आपात स्थिति से बचा जा सके।

एक्सपायरी दवा वितरण और मरीज से अभद्रता पर बढ़ा बवाल :- स्वास्थ्य शिविर की इस मुस्तैदी के समानांतर अस्पताल में तकनीकी और मानवीय लापरवाही का एक बड़ा जिन्न भी बाहर आ गया है। बीते दो जून को एक मरीज को एक्सपायरी (तारीख पार)

निरीक्षण के दौरान जीएनएम से बातचीत करते सीएस

सिरप दिए जाने का मामला क्षेत्र में भारी तूल पकड़ चुका है। आरोप है कि अस्पताल के फार्मासिस्ट द्वारा मरीज को एक्सपायरी दवा थमा दी गई और जब मरीज ने इस पर आपत्ति जताई, तो फार्मासिस्ट ने चालाकी दिखाते हुए पुर्जे पर लिखी दवा के नाम को ही काट दिया और मरीज के साथ बेहद अभद्र व अशिष्ट व्यवहार कर उसे भगा दिया। इस गंभीर लापरवाही और दुर्व्यवहार के संबंध में पूछे जाने पर सिविल सर्जन डॉ. बिनोद कुमार चौधरी ने कहा कि इस पूरे मामले पर राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देशों के आलोक में एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बैठा दी गई है और जांच रिपोर्ट आते ही दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वेतन न मिलने से जीएनएम परेशान, आंतरिक गुटबाजी से चरमराई व्यवस्था :- इस चिकित्सीय लापरवाही के साथ-साथ अस्पताल के आंतरिक प्रशासन में मचे घमासान ने व्यवस्था को पूरी तरह पंगु बना दिया है। अस्पताल में कार्यरत जीएनएम (नर्सों) को मई माह का वेतन अब तक नसीब नहीं हुआ है, जिससे उनके सामने भुखमरी और आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो गई है। कर्मचारियों का सीधा आरोप है कि अस्पताल के अनुभवी लिपिक बिपीन कुमार को साजिश के तहत हटाकर उनके स्थान पर नीलकमल की तैनाती की गई है। नए लिपिक की कथित लचर कार्यशैली के कारण पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे कर्मियों के वेतन भुगतान से लेकर रोजमर्रा के कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा अस्पताल में लंबे समय से स्थायी डिप्टी सुपरिटेंडेंट (डीएस) की पोस्टिंग नहीं है और न ही ड्रेसर, फार्मासिस्ट व वार्ड बॉय जैसे अत्यंत आवश्यक पदों पर पर्याप्त मानव बल उपलब्ध है।

प्रभारी डीएस की संवेदनहीनता और अस्पताल परिसर में भारी हंगामा :- अस्पताल प्रशासन की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा तब देखने को मिली जब इन तमाम प्रताड़नाओं और समस्याओं को लेकर पीड़ित स्वास्थ्य कर्मियों ने वर्तमान प्रभारी डीएस डॉ. दिलीप कुमार को एक लिखित शिकायती पत्र सौंपना चाहा, लेकिन उन्होंने साफ तौर पर इस आवेदन को स्वीकार करने से ही इनकार कर दिया। प्रभारी डीएस के इस अड़ियल और तानाशाही रवैये से तंग आकर अंततः पीड़ित महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने सिविल सर्जन के सामने ही अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा काटा और उन्हें अपनी लिखित शिकायत सौंपी। सिविल सर्जन ने रोती-बिलखती नर्सों और कर्मियों की सभी समस्याओं को बेहद संजीदगी से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि प्रशासनिक कमियों और आंतरिक गुटबाजी को जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा तथा उनके रुके हुए वेतन की निकासी के लिए त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि सिविल सर्जन की इस बड़ी जांच के बाद रजौली अनुमंडलीय अस्पताल की सूरत बदलती है या फिर मरीजों और कर्मचारियों को यूं ही अव्यवस्थाओं के साये में जीने को मजबूर होना पड़ेगा।

732 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयां वितरित

गर्भवती महिलाओं की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गुरुवार को वारिसलीगंज प्रखंड के रेफरल अस्पताल सहित विभिन्न उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 732 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया।

रेफरल अस्पताल में आयोजित शिविर के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरती अर्चना डॉ. राम कुमार एवं डॉ. तराना खातून ने गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अर्चना ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत प्रत्येक माह की 9 तारीख को यह शिविर आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि प्रखंड के 23 उप स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं रेफरल अस्पताल में आयोजित शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं की रक्तचाप, शुगर, सीबीसी सहित विभिन्न आवश्यक जांचें की गईं। जांच के बाद चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श देते हुए आयरन, कैल्शियम एवं अन्य आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10वें वर्षगांठ अवसर पर आयोजित इस विशेष शिविर में उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की भी पहचान की गई। इनमें तीन जुड़वां गर्भधारण के मामले 32 एनीमिया पीड़ित महिलाएं तीन डायबिटीज से प्रभावित महिलाएं तथा रक्तचाप एवं अन्य जोखिम वाले मामलों की विशेष जांच की गई। साथ ही हीमोग्लोबिन, एचआईवी समेत अन्य आवश्यक जांचें भी कराई गईं।

शिविर में शामिल महिलाओं ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उनकी जांच पूरी गंभीरता से की तथा आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराईं।

मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक अजय कुमार, लैब टेक्नीशियन *रंजीत कुमार स्वास्थ्यकर्मी चंदन कुमार सहित एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

भारतीय हैंडबॉल टीम में चयनित हुए नवादा के लाल तौसीफ रसूल

जूनियर एशियन ट्रॉफी में दिखाएंगे दम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जब हौसले बुलंद हों और मेहनत में ईमानदारी हो, तो सफलता की राह में कोई बाधा नहीं बन सकता। इस कथन को नवादा जिले के होनहार हैंडबॉल खिलाड़ी **तौसीफ रसूल* ने सच साबित कर दिखाया है। जिले के पार नवादा स्थित रसूल नगर निवासी तौसीफ रसूल का चयन भारतीय जूनियर हैंडबॉल टीम में हुआ है। वह 10 से 14 जून 2026 तक ढाका, बांग्लादेश में आयोजित होने वाली *जूनियर एशियन ट्रॉफी 2026* में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जिले के वरीय हैंडबॉल कोच एवं शारीरिक शिक्षक *संतोष कुमार वर्मा* ने बताया कि लगभग एक माह पूर्व इस प्रतियोगिता के लिए संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ एवं कोलकाता में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जहां अंतिम चयन प्रक्रिया पूरी की गई। चयन के बाद तौसीफ रसूल भारतीय टीम के साथ ढाका के लिए रवाना हो गए।

यह तौसीफ का दूसरा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। उनके खेल जीवन की शुरुआत नवादा के *हरिश्चंद्र स्टेडियम* से हुई थी। यहां से उन्होंने अपनी प्रतिभा को निखारा और आगे बढ़ते हुए पटना के एकलव्य ट्रेनिंग सेंटर तथा गुजरात स्थित साई इंडिया में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

तौसीफ के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए दो वर्ष पूर्व *भारतीय सेना* ने उन्हें सीधे हवलदार पद पर नियुक्त किया था। वर्तमान में वह भारतीय सेना की हैंडबॉल टीम से खेलते हैं और साथ ही बिहार का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। वह भारतीय हैंडबॉल टीम के सबसे लंबे कद के खिलाड़ियों में शामिल हैं।

बचपन से ही हैंडबॉल को अपना लक्ष्य बनाने वाले तौसीफ ने हरिश्चंद्र स्टेडियम में लगातार पांच वर्षों तक प्रशिक्षण लिया और कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जिले को पदक दिलाया। अब भारतीय टीम का हिस्सा बनकर उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतने की उम्मीद की जा रही है। उनके चयन पर नवादा ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार हैंडबॉल परिवार में खुशी का माहौल है। हैंडबॉल गुरु *के. एम. प्रेमदासा, संतोष कुमार वर्मा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी **संजीव कुमार* सहित नीरज कुमार, कनक कुमार, खुशबू कुमारी, श्याम सुंदर कुमार, अमन कुमार, प्रभात कुमार, विक्रम कुमार, कुंदन कुमार, पूजा कुमारी, सोनू कुमार, सपना कुमारी, ज्योति कुमारी, अनुराधा कुमारी, निधि सिंह और विंध्यवासिनी शर्मा समेत अनेक खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी तथा प्रतियोगिता में पदक जीतकर देश और बिहार का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी हैं।

चिन्हित पत्थर भूखंडों के बंदोबस्त को लेकर जिला पदाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (डीएसआर) में चिन्हित पत्थर भूखंडों के बंदोबस्त से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएसआर के अंतर्गत चिन्हित विभिन्न पत्थर भूखंडों के बंदोबस्त की प्रगति, प्रक्रियागत आवश्यकताओं तथा विभागवार की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि चिन्हित पत्थर भूखंडों के बंदोबस्त की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, निर्धारित मानकों एवं प्रचलित प्रावधानों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से संपादित किया जाए। उन्होंने कहा कि बंदोबस्त प्रक्रिया से जुड़े सभी कार्यों में समन्वित प्रयास सुनिश्चित करते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए।

समीक्षा के क्रम में भूखंडों के बंदोबस्त से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक, तकनीकी एवं राजस्व मामलों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि आवश्यक अभिलेखों, प्रतिवेदनों एवं अन्य औपचारिकताओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि प्रक्रिया में किसी प्रकार का अनावश्यक विलंब न हो।

बैठक में वन विभाग से संबंधित विषयों की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बंदोबस्त प्रक्रिया के दौरान वन एवं पर्यावरण संबंधी सभी प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिन मामलों में वन विभाग की अनुशंसा, प्रतिवेदन अथवा अन्य आवश्यक स्वीकृतियां अपेक्षित हैं, उनमें संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

बैठक में नवादा जिलान्तर्गत लघु खनिज पत्थर के प्रयोजनार्थ डीएसआर में अंचल नवादा सदर, हिसुआ, अकबरपुर एवं गोविन्दपुर अंतर्गत चिन्हित पत्थर भूखंडों की बंदोबस्ती हेतु अग्रेत्तर कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में अपर समाहर्ता डॉ. अनिल कुमार तिवारी, अनुमंडल पदाधिकारी रजौली श्री स्वतंत्र कुमार सुमन, भूमि सुधार उप समाहर्ता श्री गौरव शंकर, प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ. राजकुमार सिन्हा, जिला खनन पदाधिकारी श्री प्रत्यय अमन सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिला आपूर्ति टास्क फोर्स एवं अधिप्राप्ति की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिया आवश्यक निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स एवं अधिप्राप्ति संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राशन कार्ड प्रबंधन, ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था तथा रबी विपणन मौसम 2026-27 के अंतर्गत धान एवं गेहूं अधिप्राप्ति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान ऑनलाइन राशन कार्ड, ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, लाइसेंस अद्यतन, संदिग्ध राशन कार्डों के सत्यापन, पीओएस मशीनों के निरीक्षण, खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की प्रगति तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि ई-केवाईसी, आधार सीडिंग एवं राशन कार्ड सत्यापन से संबंधित सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संदिग्ध राशन कार्डों की गहन जांच कर अपात्र लाभुकों को सूची से हटाने तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने हेतु प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक में एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता एवं सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इसके उपरांत रबी विपणन मौसम 2026-27 के अंतर्गत धान एवं गेहूं अधिप्राप्ति से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही खरीद, पैक्स एवं व्यापार मंडलों के माध्यम से अधिप्राप्ति की स्थिति, किसानों को भुगतान की प्रगति तथा अन्य विपणन गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि अधिप्राप्ति कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने अधिप्राप्त फसलों का भुगतान निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित करने, अधिप्राप्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। साथ ही सरकार द्वारा निर्धारित अधिप्राप्ति लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को समन्वित रूप से कार्य करने पर बल दिया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, एजीएम एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पर्यटन मंत्रालय MINISTRY OF TOURISM

INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT BODHGAYA
(AN AUTONOMOUS BODY UNDER MINISTRY OF TOURISM GOVT OF INDIA & DEPT OF TOURISM GOVT OF BIHAR)

NCHMCT
BIHAR TOURISM

DEGREE & DIPLOMA IN HOTEL MANAGEMENT

3 Years B.Sc. in Hotel Management	1½ Year Diploma in F & B Service	1½ Year Diploma in Food Production
Fee:Rs.3,50,000/- Approx.	Fee:Rs.60,000/- Approx.	Fee:Rs.82,000/- Approx.

DRCC Facility Available (बिहार सरकार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड) for Hotel Management Degree Course
Degree Awarded by JNU,New Delhi
100 % Job Assistance (देश एवं विदेश के विभिन्न पांच सितारा होटलों, एयर लाइन्स, क्रूज लाइन्स सहित सरकारी एवं अर्धसरकारी विभागों में नौकरी की सुविधा)

हेल्पलाइन नंबर : +91-8987276070, +91-9608271879, 0631-2952143
पता - गया - डोभी रोड, बोधगया - 824234
वेबसाइट : www.ihmbodhgaya.com
ई-मेल : ihmbodhgaya@gmail.com
आयु सीमा की कोई बाध्यता नहीं है

संक्षिप्त समाचार

गयाजी के झाड़ू गोदाम में लगी आग, वेल्डिंग की चिंगारी से हादसा, 10 लाख का सामान जला

गया। गया शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित रजिस्ट्री ऑफिस दुर्गाबाड़ी के पास आज देर शाम एक झाड़ू गोदाम में भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब 10 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। यह आग वेल्डिंग के दौरान निकली एक चिंगारी के कारण लगी। गोदाम के ऊपर टीन शेड लगाने का काम चल रहा था, जिसके लिए मिस्त्री वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान वेल्डिंग से निकली चिंगारी नीचे रखे झाड़ुओं पर जा गिरी। झाड़ू अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की भीषणता के कारण वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। दमकल विभाग की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास के अन्य मकानों और दुकानों तक फैलने से रोका। गोदाम के मालिक गोपाल पांडे ने बताया कि उनकी झाड़ू बनाने की फैक्ट्री किसी अन्य स्थान पर है, जबकि इस गोदाम का उपयोग तैयार झाड़ुओं के भंडारण के लिए किया जाता था। उन्होंने बताया कि घटना के समय वह अपनी दुकान पर थे। जब तक उन्हें आग लगने की सूचना मिली और वे मौके पर पहुंचे, तब तक गोदाम में रखा बड़ी मात्रा में झाड़ू जलकर राख हो चुका था। गोपाल पांडे ने बताया की इस हादसे में करीब 8 से 10 लाख रुपये मूल्य के झाड़ुओं का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि यदि निर्माण काम के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, तो शायद यह हादसा टल सकता था। घटना के बाद इलाके में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति का जायजा लिया।

महिला टीचर से रेप, वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग, बोली- शिक्षक ने कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाया

गया। गयाजी में एक महिल टीचर के साथ रेप के बाद ब्लैकमेलिंग और लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला टीचर के साथ टीचर ने पहले राजनीतिक पहचान की बात की। फिर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से MLC बनवाने का सपना दिखाकर अपने जाल में फंसाया। पीड़ित महिला टीचर के मुताबिक, आरोपी टीचर ने कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर पिलाया और रेप की घटना को अंजाम दिया। इसी दौरान आरोपी टीचर ने अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वीडियो को वायरल करने के नाम पर ब्लैकमेल कर 14.81 लाख रुपए की वसूली की। ब्लैकमेलिंग से परेशान महिला टीचर ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर गया के कोतवाली थाने में आरोपी टीचर समेत 3 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों में बक्सर जिले के रहने वाले टीचर प्रकाश, उसके दो सहयोगी गंगाराम और कृष्णा शामिल हैं।

गयाजी में फायर सेफ्टी ऑडिट, 76 होटल, 6 अस्पताल फेल, फायर अफसर बोले- सभी संस्थानों को नोटिस जारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

एक सप्ताह में सुधार नहीं तो सील होंगे

गयाजी। गयाजी में फायर सेफ्टी ऑडिट में जिले के 76 होटल और 6 अस्पताल आग से सुरक्षा व्यवस्था में फेल पाए गए हैं। जिला फायर ऑफिसर अमन कुमार सिन्हा ने मंगलवार को इस संबंध में एक प्रेसवार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये कार्रवाई मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल में हुए अग्निकांड के बाद बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा राज्यभर में तेज किए गए विशेष अभियान का हिस्सा है। राज्य सरकार के निर्देश पर अस्पतालों, होटलों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में यह विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य आग लगने की घटनाओं को रोकना और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। विभाग फायर सेफ्टी से जुड़े न्यूनतम मानकों का पालन कराने के लिए लगातार निरीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है।

73 अस्पताल, 86 होटल, 151 कोचिंग संस्थानों का फायर ऑडिट पूराः जिला फायर ऑफिसर के अनुसार, गया जिले में अब तक 73 अस्पतालों, 86 होटलों और 151 कोचिंग संस्थानों का फायर ऑडिट किया जा चुका है। जांच में पाया गया कि 6 अस्पतालों और 76 होटलों में आवश्यक न्यूनतम अग्नि सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त, 42 अस्पताल और होटल ऐसे भी मिले, जहां फायर सेफ्टी संबंधी मूलभूत आवश्यकताओं की भी अनदेखी की गई है। अमन कुमार सिन्हा ने बताया कि इन सभी संस्थानों को विभाग की ओर से नोटिस जारी कर दिए गए हैं। उन्हें आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। इस अवधि में उन्हें अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास, फायर अलार्म सिस्टम और पानी की पर्याप्त व्यवस्था जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपायों को दुरुस्त करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संस्थान अपनी कमियों को दूर नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा दोबारा निरीक्षण किया जाएगा और

नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों को सील करने के साथ-साथ आवश्यकतानुसार संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

अपार्टमेंट, गैस एजेंसियों, पेट्रोल पंपों, सिनेमा घरों में चलाया जाएगा अभियानः प्रेस वार्ता के दौरान जिला फायर ऑफिसर ने कहा कि वर्तमान में अस्पतालों और होटलों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके बाद अपार्टमेंट, गैस एजेंसियों, पेट्रोल पंपों, सिनेमा घरों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले संस्थानों में भी विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां लोगों की अधिक आवाजाही होती है और जहां आग लगने की संभावना रहती है, वहां विभाग की टीम नियमित रूप से निरीक्षण करेगी। उन्होंने सभी संस्थान संचालकों से अपील करते हुए कहा कि फायर सेफ्टी नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। थोड़ी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए सभी संस्थान समय रहते सुरक्षा मानकों को पूरा करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके और लोगों की जान-माल की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

अंबेडकर मार्केट से बाइक की चोरी वकील से मिलने गया था युवक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित अंबेडकर मार्केट इलाके से एक युवक की बाइक चोरी हो गई है। पीड़ित ने सिविल लाइन थाना में आवेदन देकर चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और बाइक बरामद करने की गुहार लगाई है। हालांकि इस मामले में अब तक पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। चेरकी थाना क्षेत्र के बाघेखाप गांव निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह अपनी हीरो ग्लैमर बाइक से मंगलवार को अंबेडकर मार्केट परिसर पहुंचे थे। वहां उन्हें वकील मदन तिवारी से मुलाकात करनी थी। इसलिए बाइक परिसर में खड़ी कर वकील से मिलने चले गए। जितेंद्र कुमार के अनुसार, वकील से मुलाकात के करीब आधे घण्टे बाद जब वह वापस लौटे, तो जहां बाइक खड़ी की थी, वहां वह नहीं मिली। पहले उन्हें लगा कि शायद किसी अन्य जगह खड़ी कर दी गई हो, लेकिन आसपास काफी देर तक खोजबीन करने के बावजूद बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि अज्ञात चोर उनकी बाइक चुरा ले गए हैं।

सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही पुलिसः पीड़ित ने आवेदन में बताया है कि चोरी हुई बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर BR02AD-5552 है। सभी विवरणों के साथ उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी है। घटना के बाद पीड़ित ने सिविल लाइन थाना पुलिस से मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। इधर, शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके से दिनदहाड़े बाइक चोरी की घटना ने वाहन मालिकों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा सकती है।

युवक पर ताबड़तोड़ 6 राउंड फायरिंग, वारदात के बाद एक बदमाश ने जमीन से उठाए खोखे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गया जिले के बोधगया थाना क्षेत्र के हथियार गांव में मंगलवार को दिनदहाड़े एक युवक पर फायरिंग कर दी गई। घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने युवक को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। बदमाशों ने एक के बाद एक करीब छह राउंड फायरिंग की। हालांकि, इस हमले में युवक बाल-बाल बच गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

चारपहिया गाड़ियां से पहुंचे थे हथियारबंद बदमाशः जानकारी के अनुसार, हथिया गांव निवासी राम पुकार चौधरी के बेटे मुकेश कुमार को निशाना बनाकर इस घटना को अंजाम दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि एक चारपहिया वाहन पर सवार होकर करीब पांच हथियारबंद अपराधी गांव पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बदमाशों ने जैसे ही मुकेश कुमार को देखा, उस पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास मौजूद लोगों

में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने बिना किसी डर के करीब छह गोलियां चलाईं और इसके बाद आराम से वाहन में बैठकर मौके से फरार हो गए।

बाल-बाल बचा युवकः फायरिंग के दौरान मुकेश कुमार को निशाना बनाया गया, लेकिन किस्मत से गोली उन्हें नहीं लगी। घटना के बाद वह सुरक्षित बच गए। हालांकि, लगातार गोलियों की आवाज से गांव में भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि दिनदहाड़े इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

वारदात के बाद खोखे उठाने लगा बदमाशः घटना के बाद सामने आई जानकारी ने लोगों को और हैरान कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, फायरिंग करने के बाद जब बदमाश भागने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनमें से एक व्यक्ति गाड़ी से नीचे उतरा और घटनास्थल पर पड़े गोली के खोखे उठाने लगा। ग्रामीणों का कहना है कि बदमाशों को पुलिस कार्रवाई का भी डर नहीं था और वे सबूत मिटाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, पुलिस ने मौके से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित कर लिया है। फायरिंग की सूचना मिलते ही बोधगया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर अपराधियों की पहचान करने का प्रयास शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। अपराधियों तक पहुंचने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

रंजिश या अन्य कारणों की जांचः पुलिस अभी तक यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि मुकेश कुमार पर हमला किस वजह से किया गया। शुरुआती जांच में आपसी विवाद और पुरानी रंजिश समेत कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। इस घटना के बाद हथियार गांव और आसपास के इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस गश्ती बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

आंगनबाड़ी सेविका से लूट हथियार से वार कर किया जख्मी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा में बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक आंगनबाड़ी सेविका को रोककर हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। घटना करायपरसुराय थाना क्षेत्र में सोमवार की रात मलिकपुर गांव के हेठला खंधा के पास की है। बदमाशों ने कट्टे से वार कर सेविका को गंभीर रूप से घायल कर दिया और कैश व जेवर लेकर फरार हो गए।

हिलसा से लौट रही थीं घरः पीड़िता की पहचान मलिकपुर गांव निवासी अरुण सिंह की पत्नी पुष्पा कुमारी के रूप में हुई है, जो गांव के ही आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 14 में सेविका के पद पर कार्यरत हैं। पीड़िता के बेटे रितेश कुमार ने बताया कि सोमवार की रात करीब 8:30 बजे उनकी मां अपने भतीजे अतुल कुमार के साथ बाइक से हिलसा से वापस घर लौट रही थीं।

बाइक से आए थे तीन बदमाशः रास्ते में हेठला खंधा के पास विपरीत दिशा से आर-15 (R15) बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने पहले उन्हें क्रॉस किया और फिर वापस लौटकर उनकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया। बदमाशों ने हथियार (कट्टा) निकालकर उन्हें डराया-धमकाया और कान की बाली, सोने की चेन, 45 हजार रुपये नकद और दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन छीन लिए। लूटपाट के दौरान बदमाशों ने कट्टे से सेविका पर वार कर दिया, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गईं और खून से लथपथ होकर गिर पड़ीं।

आर्मी डॉक्टर बेटे की 19 जून को है शादीः बेटे रितेश ने बताया कि उनके छोटे भाई भारतीय सेना (आर्मी) में डॉक्टर हैं और आने वाले 19 जून को उनकी शादी होने वाली है। घर में शादी की तैयारियां चल रही हैं और इसी सिलसिले में उनकी मां हिलसा गई हुई थीं। घटना के बाद बदहवास हालत में परिजनों और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई।

पटना में चल रहा है इलाजः घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में घायल सेविका को इलाज के लिए स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में भर्ती कराया। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। फिलहाल पटना के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

करायपरसुराय के थानाध्यक्ष सुशील कुमार पासवान ने बताया कि पीड़िता के परिजनों की ओर से थाने में लिखित आवेदन दे दिया गया है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

आदर्श नगर की सड़क बदहाल, बारिश में जलजमाव-कीचड़ से लोगों का सफर मुश्किल, कहा- समस्या का समाधान नहीं हो रहा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गया शहर में विकास के दावों के बावजूद, नगर निगम के वार्ड संख्या-28 स्थित कटारी हिल आदर्श नगर की सड़क बदहाली का शिकार है। यह सड़क सालों से उपेक्षित है और अब गड्ढों का जाल बन चुकी है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायतें करने और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कटारी हिल आदर्श नगर की मुख्य सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं। सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिससे कई स्थानों पर केवल मिट्टी ही दिखाई देती है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को इस रास्ते से गुजरने में काफी परेशानी होती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई वाहन चालक इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो चुके हैं। रात के समय सड़क पर चलना और भी जोखिम भरा हो जाता है, क्योंकि अंधेरे में गड्ढों का अनुमान लगाना मुश्किल होता है।

बारिश के दिनों में यह समस्या और गंभीरः बारिश के दिनों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर जलजमाव हो जाता है। गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क की समतल सतह और गहरे गड्ढों के बीच का अंतर पता नहीं चल पाता, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। सड़क पर फैले कीचड़ और पानी के कारण लोगों के कपड़े खराब होते हैं और रोजमर्रा के कामों के लिए बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है। मोहल्ले के निवासी सुरेश प्रसाद ने सड़क की बदहाली पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि आदर्श नगर में आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। यह स्थिति शहर में बुनियादी सुविधाओं के दावों की पोल खोलती है और स्थानीय लोगों के लिए दैनिक जीवन को चुनौतीपूर्ण बनाती है।

सड़क अब भी मिट्टी की बनी हुईः उन्होंने बताया कि मोहल्ले की सड़क अब भी मिट्टी की बनी हुई है और समय के साथ इसकी स्थिति और खराब होती चली गई है। सड़क पर बने गड्ढे लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश होने पर भी पानी जमा हो जाता है, जिससे पूरे इलाके में कीचड़ फैल जाता है और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति का असर बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों की दिनचर्या पर भी पड़ रहा है। स्कूली बच्चों को रोजाना कीचड़ और गंदगी के बीच होकर स्कूल जाना पड़ता है, जबकि बुजुर्गों और महिलाओं को फिसलने का डर बना रहता है।

अधिकारी क्षेत्र की समस्याओं को भूल जातेः मोहल्लेवासियों का आरोप है कि चुनाव के समय विकास और सड़क निर्माण के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनप्रतिनिधि और अधिकारी क्षेत्र की समस्याओं को भूल जाते हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क निर्माण और जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले मानसून में स्थिति और भयावह हो सकती है। स्थानीय लोगों ने गया नगर निगम और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क का पक्कीकरण और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि हजारों लोगों को इस परेशानी से राहत मिल सके। इस संबंध में वार्ड पार्षद का कहना है की मोहल्ले वासियों के की ओर से लिखित शिकायत दी गई है और हमें अवगत कराया गया है। हमने नगर आयुक्त को इसकी जानकारी दे चुके हैं, स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में भी इस मुद्दे को उठाया गया है। उम्मीद है कि जल्द ही सड़क का निर्माण कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

प्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

बिक्रमगंज /रोहतास: रोहतास जिले के नटवार थाना की पुलिस ने कांड संख्या 63/ 26 के आलोक में कार्रवाई करते हुए मामले के अप्राथमिकी अभियुक्त मृत्युंजय चौबे उर्फ डोरा चौबे (40 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार अभियुक्त थाना क्षेत्र के ग्राम नटवार खुर्द निवासी कृष्णा चौबे का पुत्र बताया जाता है । पुलिस ने बताया कि उक्त मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी । अनुसंधान के क्रम में अभियुक्त की संलिप्तता सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया । आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।थानाध्यक्ष रंजय कुमार ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है । किसी भी मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले के सभी अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं की हुई प्रसव पूर्व जांच

कटिहार/पूर्णिया। गर्भवती महिलाओं और होने वाले बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य के तहत जिले के सभी अस्पतालों में मंगलवार को गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच किया गया। अभियान के तहत अस्पताल में उपलब्ध सभी गर्भवती महिलाओं की आवश्यक जांच करते हुए संबंधित महिलाओं को उपचार व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। इस अभियान का उद्देश्य मातृ एवं नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करते हुए माँ और बच्चे को सुरक्षित रखना है। इसके तहत प्रसव पूर्व जांच के लिए अस्पताल में उपस्थित गर्भवती महिलाओं का चिकित्सकों द्वारा ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, यूरिन टेस्ट, वजन, गर्भ में बच्चे की बढ़त आदि जांच करते हुए गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक दवाई उपलब्ध कराई जाती है जिसका उपस्थित लाभार्थियों द्वारा लाभ उठाया जाता है। सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और 294 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सभी गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित किया गया है जिससे कि माँ और नवजात शिशु बिल्कुल सुरक्षित रह सकें और मातृ शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित रखा जा सके। सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने कहा कि गर्भावस्था या प्रसव के दौरान मां और शिशु की मृत्यु रोकने, उन्हें समय पर उचित इलाज मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर महीने के 09 और 21 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) चलाया जाता है। कोई भी गर्भवती महिला द्वारा नजदीकी सरकारी अस्पताल में अपना पंजीयन कराते हुए गर्भावस्था के दौरान तीसरे महीने से नोवें महीने तक 04 प्रसव पूर्व जांच करवाते हुए चिकित्सकीय सहायता का लाभ उठा सकती हैं। इसके लिए सभी अस्पतालों में सभी जरूरी जांच तथा दवाई बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है। पंजीयन के बाद गर्भवती महिला का प्रसव पूर्व जांच संबंधित कार्ड बन जाता है, जिसे लेकर संबंधित लाभार्थी किसी भी सरकारी अस्पताल या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर जांच व डिलीवरी करा सकती है। गर्भावस्था के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं को 04 प्रसव पूर्व जांच जरूर सुनिश्चित करवाना चाहिए ताकि माँ और होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य संबंधी सभी जानकारी चिकित्सकों द्वारा लाभार्थियों और उनके परिजनों को उपलब्ध हो सके। इससे प्रसव के बाद माँ और बच्चा दोनों स्वास्थ और तंदुरुस्त रह सकेंगे। सिविल सर्जन डॉ कनौजिया ने बताया कि प्रसव पूर्व जांच के दौरान हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान करते हुए उन्हें अतिरिक्त प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित किया जाता है। इससे प्रसव के दौरान गर्भवती महिला और होने वाला बच्चा बिल्कुल स्वास्थ रह सकता है।

30 ली. देसी शराब के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार, बाइक जप्त

कुरसेला (कटिहार): कुरसेला थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 स्थित गिट्टी प्लांट के समीप मंगलवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 30 लीटर देसी शराब के साथ एक पति-पत्नी को गिरफ्तार किया। इस दौरान शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि जांच अभियान के दौरान बाइक से शराब ले जा रहे मिथलेश महतो एवं उनकी पत्नी आशा देवी, दोनों निवासी बिंटोली, थाना कुरसेला, जिला कटिहार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उनके पास से 30 लीटर देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में कटिहार न्यायालय भेज दिया है।

बिहारशरीफ में लगातार नीचे जा रहा भू-जलस्तर शहर के 25 वार्ड ड्राई जोन में तब्दील

नालंदा। भीषण गर्मी और तपिश के बीच बिहारशरीफ शहर का भू-जलस्तर तेजी से पाताल की ओर खिसक रहा है। शहर में पानी की किल्लत इस कदर बढ़ गई है कि अगर अगले एक महीने के भीतर झमाझम बारिश नहीं हुई, तो शहरवासियों को भयंकर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। पानी का लेयर लगातार नीचे जाने का सीधा और गंभीर असर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पर पड़ा है। हालात ये हैं कि शहरी इलाके के लोगों के कंठ तर करने में लगे 97 पंप हाउस अब हांफने लगे हैं और शहर के 51 में से 25 वार्ड पूरी तरह से ड्राई जोन में तब्दील हो चुके हैं। इन सूखाग्रस्त वार्डों में फिलहाल शहर के बाहरी हिस्सों की बोरिंग से पानी की सप्लाई कर किसी तरह काम चलाया जा रहा है। भू-जलस्तर में भारी गिरावट के कारण शहर में पानी की कुल सप्लाई 50 एमएलडी (मिलियन लीटर पर डे) से घटकर अब मात्र 45 एमएलडी पर आ गई है। पानी का स्तर नीचे जाने से पंपों पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। पानी छोड़ने और ओवरलोडिंग के कारण पिछले महज दो महीनों के भीतर शहर के 50 पंप हाउसों (बोरिंग) के मोटर जल चुके हैं। शहरवासियों की मांग को पूरी करने के लिए दिन के 24 घंटों में से 20-20 घंटे मोटर चलाने पड़ रहे हैं, जिससे तकनीकी खराबी और मोटर जलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हालात की गंभीरता को लेकर बुडको के कार्यपालक अभियंता कुंदन त्रिपाठी ने गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि नगर निगम और बुडको के अधीन कुल 97 पंप हाउस संचालित हैं। जलस्तर नीचे जाने के कारण हर दिन एक-दो बोरिंग के मोटर जल रहे हैं। हाल के तीन दिनों में ही खासगंज, लेबर हाउस और बिहार थाना स्थित बोरिंग के मोटर जल गए। बचाव कार्य के तहत जलापूर्ति सामान्य बनाए रखने के लिए 50 से अधिक पंप हाउसों में 10 फीट तक अतिरिक्त पाइप जोड़कर मोटरों को और नीचे लटकाया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, शहर में 450 से 500 फीट गहराई तक की उच्च क्षमता वाली बोरिंग की गई है, लेकिन पानी नीचे खिसकने से मोटरों को 250 फीट गहराई तक लटकाना पड़ा है। इसका अधिकतम तकनीकी मानक 270 फीट ही है। अगर पानी का स्तर 270 फीट से भी नीचे गया, तो मोटर को और गहराई में ले जाने के बावजूद पर्याप्त पानी ऊपर खींचना संभव नहीं हो पाएगा। एक तरफ पानी का मुख्य स्रोत (भू-जल) दम तोड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी पूरी तरह से ध्वस्त नजर आ रही हैं। जलापूर्ति बाधित होने पर जनता को राहत देने के लिए शहर में बनाए गए कई स्टैंड पोस्ट आज सिर्फ शो-पीस बनकर रह गए हैं, जिनसे पानी की एक बूंद भी नहीं टपकती। कभी शहर की प्यास बुझाने वाले चापाकल तो अब पूरी तरह इतिहास बन चुके हैं। सार्वजनिक स्थलों पर अब हैंडपंप ढूंढने से भी नहीं मिलते। साल 2007 में नगर परिषद से नगर निगम बनने के बाद 2015 तक जलापूर्ति की जिम्मेदारी पीएचईडी के पास थी, तब केवल तीन जलमीनारें थीं जो अब बढ़कर 10 हो गई हैं। वर्तमान में शहर के लगभग 63 हजार घरों में पानी की सप्लाई इन्हीं 97 पम्प हाउसों, 10 जलमीनारों और 2 संप हाउस के भरोसे टिकी है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व की मनाई गई दसवीं वर्षगांठ, 93 माताओं की हुई जांच

13 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन, कुल 206 मरीजों का हुआ ईलाज

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना का दसवीं वर्षगांठ धूमधाम के साथ आयोजित हुआ. इस दौरान अस्पताल परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया.जांच को आई सभी माताओं को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डाक्टर सुमित कुमार ने अपने हाथों से ओआरएस एवं बिस्किट का पैकेट प्रदान करके सम्मानित किया.इस अवसर पर अस्पताल पहुंची 93 प्रेग्नेंट माताओं ने प्रसव पूर्व जांच करवाया. वहीं जनसंख्या स्थिरीकरण कार्यक्रम के तहत 13 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया.

प्रखण्ड स्वास्थ्य प्रबंधक संदीप कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम के दसवीं वर्षगांठ के अवसर पर बैनर पोस्टर से सजाते हुए 93 प्रेग्नेंट माताओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच हुआ. सभी जच्चा बच्चा स्वस्थ्य पाये गये.कुछ माताओं में एनीमिया की शिकायत मिला.जिसके उपचार के लिए विशेष टीम गठित करके सभी गर्भवती माताओं का प्रसव पूर्व हीमोग्लोबिन को कम्प्लीट करने के लिए निर्देशित किया गया.

उच्च तापमान एवं लू से बचाव के लिए सभी मरीजों को ओआरएस प्रदान करते हुए इसे नियमित उपयोग की सलाह प्रदान की गई.ईलाज में सहयोग प्रदान कर रहे डा अरविंद कुमार के नेतृत्व में एनएम मालती कुमारी,प्रभा कुमारी के सहयोग से गर्भवती माताओं का ब्लड शुगर लेवल,वजन,हीमोग्लोबिन,ब्लड प्रेशर,गर्भ में पल रहे बच्चे की स्थिति आदी का जांच किया गया.

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारीने बताया कि कुल 198 मरीजों का ईलाज हुआ.हीमोग्लोबिन एवं कमजोर ब्लड प्रेशर वाले मताओं को आवशयक दवाईयां,आयरन कैल्शियम व विटामिन प्रदान करते हुए सुरक्षित मातृत्व के लिए खान पान एवं रहन सहन का उचित सलाह प्रदान करके बिदा किया गया.

मौके पर प्रखंड आशा प्रबन्धक विकास कुमार, एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी, प्रखंड एमई अभय कुमार जीएनएम रविशंकर कुमार सिंह, लिपिक मुकेश कुमार गुप्ता, ड्रग स्टोर डाटा अपरेटर धीरज कुमार, कर्मी नवीन गौतम, बडा बाबु मनोज कुमार, सुनिता, सुरक्षा कर्मी मुन्ना पाण्डेय, प्रकाश तिवारी, बिनोद यादव समेत अन्य मौजूद रहे.

जनसमस्याओं को लेकर नासरीगंज में राजद का धरना

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नासरीगंज (रोहतास)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नासरीगंज प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लेकर महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

धरना का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष मो. तारिक उर्फ मन्ना खान ने किया, जबकि वरिष्ठ राजद नेता जनार्दन सिंह धरना प्रभारी के रूप में मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, वहीं बेरोजगार युवाओं को रोजगार के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने जनसमस्याओं के समाधान के लिए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की।

धरना के बाद नेताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम में शिव कल्याण भारद्वाज (पूर्व प्रखंड अध्यक्ष), प्रखंड प्रमुख योगेश कुमार, पैक्स अध्यक्ष कृष्णा बिहारी सिंह, मुन्ना अंसारी, राजकीन अंसारी, सरजू चौरसिया, शिवदयाल सिंह सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

नहीं दौडायेंगे अंचलाधिकारी, विधायक ने जनता को दिलाया विश्वास

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजपुर। जन समस्या निदान के लिए क्षेत्रीय विधायक नागेंद्र चंद्रवंशी ने मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीजेपीएस महिला महाविद्यालय परिसर में जनता एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की.इस दौरान मौजूद लोगों द्वारा अपनी निजी एवं जनहीत के मुद्दों को विधायक के समक्ष रखा गया.सबसे अधिक अंचल कार्यालय में जमीन सम्बन्धित मामलों की शिकायत लोगों ने दर्ज कराई.जिस पर फीडबैक प्राप्त करते हुए विधायक ने मौके पर मौजूद प्रखंड प्रतिनिधि सह बीस सूत्री अध्यक्ष नवनीत राय उर्फ मंगरू राय से जानकारी लिया.विधायक ने लोगों को विश्वास दिलाया कि उनकी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए विभाग को लिखा जायेगा. क्षेत्रीय कार्यकर्ता आपकी हर सम्भव मदद करेंगे.अंचलाधिकारी दौड़ाने के बजाय काम करेंगे.

महाविद्यालय कार्य देखने उपरांत विधायक ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन में क्षेत्रीय विधायक का पद अहम होता है.क्षेत्र के स्टूडेंट्स को अच्छी रोजगार परक शिक्षा प्राप्त हो.इसके लिए वे प्रयासरत हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा जदयू एवं गठबंधन के सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री एवं राज्य सरकार के जनहीत के कार्य को जनता के बीच बताते रहें.

मौके पर महाविद्यालय प्रिंसिपल रघुवंश मिश्रा,बडन सिंह, पूर्व प्रमुख अनिल चौधरी,विजय पाण्डेय उर्फ पिंटू बाबा,अनिल राय, संजर खान, मुखिया इन्द्रजीत सिंह, अंजनी तिवारी,मनोज तिवारी, मुखिया प्रतिनिधि राजू सिंह चौधरी,सुनिल चौधरी, झुन्ना सिंह समेत दर्जनों अन्य मौजूद रहे.

करैत सांप के काटने से 8 वर्षीय जुड़वा में एक की दर्दनाक मौत, परिवार में शोक की लहर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

(काराकाट) रोहतास। काराकाट थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात करैत (साइंटिफिक किलर) सांप के काटने से 8 वर्षीय लक्ष्मण चौधरी की मौत हो गई, जिससे परिवार और इलाके में मातम छा गया। घटना काराकाट बाजार के पास सरोज चौधरी के आवास पर हुई। लक्ष्मण चौधरी, सरोज चौधरी के जुड़वा बेटे में से एक छोटा बेटा था और उसका बड़ा भाई राम उससे कुछ ही मिनट बाद जन्मा था। परिवार के अनुसार, सोमवार रात लक्ष्मण खाना खा रहा था तभी उसकी उंगली में कुछ ने काट लिया। उसे और परिवार वालों को लगा कि चूहे ने काटा है, लेकिन तभी एक करइत सांप वहां से दौड़ता हुआ भाग गया। परिजन तुरंत लक्ष्मण को नजदीक के अस्पताल में ले गया वहां स्थिति नहीं संभला उसके बाद गोडारी स्थित सीएचसी काराकाट ले गए, जहाँ पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े पिता दुर्गा चौधरी ने बताया कि वे आज मंगलवार को सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम के लिए आवेदन दे चुके हैं और थाने को लिखित आवेदन दिया गया है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि लक्ष्मण उनका जुड़वा में से एक भतीजा था और परिवार अत्यंत टूट गया है। प्रभारी थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि आवेदन मिल गया है और पोस्टमार्टम के लिए शव सासाराम भेजने की तैयारी कर ली गई है; जल्द ही शव रवाना कर दिया जाएगा। थाना द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है और स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि साँप से बचाव के साधन अपनाएँ तथा रात में विशेष सावधानी बरतें।

महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के खिलाफ काराकाट प्रखंड मुख्यालय पर राजद का धरना प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट /रोहतास। राष्ट्रीय जनता दल के राज्यव्यापी महाजुटान कार्यक्रम के तहत मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय काराकाट (गोड़ारी) परिसर में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार तथा विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद नेता हजारी सिंह ने की। धरना के दौरान वक्ताओं ने राज्य एवं केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई, युवाओं में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आम जनता परेशान है। उन्होंने सरकार से जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से पहल करने तथा आम लोगों को राहत देने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि किसानों, मजदूरों, युवाओं और गरीब वर्ग की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

धरना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने भाग लिया। मौके पर धरना सचिव सूर्यदेव सिंह, जिला पार्षद उमेश कुमार, राजू सिंह, सोनबरसा के मुखिया, पूर्व पैक्स अध्यक्ष हीरालाल यादव, युवा राजद काराकाट प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार, प्रमोद यादव, दीपक कुमार, अजीत कुमार, रमाकांत कुमार, मिंटू कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में राजद नेताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। प्रशासनिक अधिकारी में अनुमंडल पदाधिकारी एसडीएम प्रभात कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह राजस्व अधिकारी (आरओ) ध्रुव कुमार मौजूद रहे। वही नेताओं ने कहा कि यदि जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगी। धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जनहित के मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की। पूरे कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला।

धारूपुर में अपाचे बाइक चोरी, पीड़ित ने थाने में दिया आवेदन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज/रोहतास। जिले के धारूपुर थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। पीड़ित अफताब आलम ने थाना अध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर अपनी बाइक बरामद करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 6 जून 2026 की शाम करीब 7 बजे वह अपने वाहन को खड़ा कर एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापस लौटने पर रात लगभग 8:30 बजे उन्होंने देखा कि उनकी मोटरसाइकिल वहां से गायब थी। काफी खोजबीन और स्थानीय लोगों से पूछताछ के बावजूद बाइक का कोई पता नहीं चल सका।

पीड़ित ने आवेदन में बताया है कि चोरी हुई बाइक टीवीएस अपाचे RTR 160 सीसी है, जिसका रंग काला (ब्लैक) है। उन्होंने वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य आवश्यक विवरण भी पुलिस को उपलब्ध कराए हैं। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर जल्द से जल्द मोटरसाइकिल बरामद करने तथा चोरी में शामिल लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

चित्रकला कॉपी नहीं, एक खोज है: मुकेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज , रोहतास। रंगों से बात करने वाले लोग कम होते हैं। बिक्रमगंज के तेंदूनी डीएवी स्कूल के कला शिक्षक मुकेश कुमार उन्हीं में से एक हैं। उनके लिए कैनवास सिर्फ कपड़ा नहीं, समाज का आईना है। बनारस के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से मास्टर डिग्री करने के बाद फाइन आर्ट की पढ़ाई कर चुके मुकेश कुमार की पहचान दो चीजों से है: धार्मिक चित्रों की बारीकी और लैंडस्केप का विस्तार। मंदिरों की आस्था हो या गंगा किनारे का सन्नाटा, उनका ब्रश हर भाव पकड़ लेता है। स्कूल में बच्चों को स्केच सिखाने के साथ-साथ वे बड़े-बड़े शहरों की दीवारों पर पोस्टर पेंटिंग भी कर चुके हैं। बिहार के राजगीर खेल स्टेडियम में वाराणसी से लेकर पटना तक की कई दीवारें उनके रंगों की गवाह हैं।

इन दिनों उनके बनाए पोर्ट्रेट की खूब चर्चा है। आम लोग हों या कला प्रेमी, उनके पोर्ट्रेट में चेहरे की लकीरों के पीछे छुपी कहानी पढ़ लेते हैं। खुद मुकेश कुमार कहते हैं, "पोर्ट्रेट में शक्ल नहीं, शख्सियत उतारनी पड़ती है।" मुकेश सर कई राज्यस्तरीय प्रदर्शनियों में हिस्सा ले चुके हैं। और जल्द ही झारखंड के रांची और उड़ीसा में उनकी एक प्रदर्शनी लगने वाली है। जिसकी वह तैयारी बड़े जोरों - शोरों से कर रहे हैं। वहां धार्मिक चित्र, लैंडस्केप और पोर्ट्रेट तीनों का संगम दिखेगा।

एक प्रदर्शनी में पूछने पर बोले, "कलाकार कभी संतुष्ट नहीं होता। मैं नए कलाकारों का काम देखता हूँ,वे आज के दौर में बढ़िया काम कर रहे हैं। कला कॉपी नहीं, खोज है।" बिक्रमगंज डीएवी के छात्र कहते हैं कि सर हमें लाइन खींचना नहीं, दुनिया को देखना सिखाते हैं। स्कूल की प्रिंसिपल कु. प्रिया भी उनके कार्यों को लेकर बेहद आशान्वित दिखती हैं।

काराकाट में अतिक्रमण हटाने की तैयारी तेज

प्रशासन ने 24 घंटे में कब्जा हटाने का अल्टीमेटम दिया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट /रोहतास। नगर पंचायत काराकाट गोड़ारी में मुख्य मार्ग पर सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की दिशा में प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। अतिक्रमणकारियों को अंतिम चेतावनी देने के लिए नगर पंचायत प्रशासन ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से पूरे नगर क्षेत्र में मुनादी कराई है। काराकाट के सीओ डॉ. रितेश कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज एसडीएम के आदेशानुसार, सरकारी अमीन द्वारा संबंधित स्थलों की विधिवत मापी कर अतिक्रमित भूमि को चिह्नित कर लिया गया है। इसके बाद संबंधित लोगों को 24 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद प्रशासन द्वारा नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। नगर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के कारण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और आमजन की सुविधाओं में बाधा उत्पन्न हो रही है।सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। नगर पंचायत और प्रखंड प्रशासन का उद्देश्य नगर को व्यवस्थित, स्वच्छ और सुगम बनाना है। मुनादी के जरिए लोगों को यह भी बताया गया कि वे प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लें। नगर पंचायत और प्रखंड प्रशासन द्वारा पूरे अभियान की निगरानी की जा रही है। सीओ ने दोहराया कि सरकारी अमीन द्वारा मापी के बाद अतिक्रमित स्थलों को चिह्नित कर दिया गया है और 24 घंटे के भीतर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय सीमा के बाद विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया जाएगा। सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराना और नगर को व्यवस्थित बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त समाचार

आदर्श विद्यालयों में रिक्त पदों पर शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया शुरू

बेगूसराय । जिले के आदर्श विद्यालयों में चयनित सरस्वती विद्या निकेतन में रिक्त रह गए शिक्षक पदों को भरने के लिए द्वितीय चरण की चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बिहार सरकार के सात निश्चय-03 के तहत संचालित "उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य" योजना के अंतर्गत जिला शिक्षा विभाग ने आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि उप निदेशक (माध्यमिक शिक्षा) के निर्देश पर निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार चयन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। यह प्रक्रिया केवल माध्यमिक स्तर यानी कक्षा 9 एवं 10 में कार्यरत योग्य शिक्षकों के लिए लागू होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक शिक्षक 8 जून से 11 जून तक आवेदन कर सकेंगे। प्राप्त आवेदनों की जांच एवं समीक्षा 12 से 14 जून के बीच की जाएगी। वहीं साक्षात्कार का आयोजन 13 से 15 जून तक होगा। चयनित शिक्षकों की अंतिम सूची 16 जून तक प्रकाशित कर दी जाएगी। डीईओ ने इसको लेकर पत्र जारी कर बताया कि सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालयों) में विषयवार रिक्तियों की विस्तृत जानकारी ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उपलब्ध है। पात्र शिक्षक निर्धारित समयावधि के भीतर आवश्यक अभिलेखों के साथ आवेदन जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया को पूरी तरह समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। साथ ही सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। गौरतलब है कि सात निश्चय-03 के तहत संचालित इस पहल का उद्देश्य आदर्श विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को और मजबूत बनाना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग ने चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का दावा किया है।

छात्र पौधे लगाकर भूले नहीं, उन्हें बचाने-संवारने का संकल्प लें

बेगूसराय । पर्यावरण संरक्षण की चर्चा अक्सर पौधारोपण तक सिमट जाती है, लेकिन असली चुनौती पौधों को जीवित रखने की होती है। इसी सोच को केंद्र में रखकर भारद्वाज गुरुकुल परिसर में सोमवार को आयोजित पर्यावरण संवाद कार्यक्रम में युवाओं को सिर्फ पौधे लगाने नहीं, बल्कि उनकी जिम्मेदारी उठाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में स्नातक सेमेस्टर-5 में इंटर्नशिप कर रहे छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक मॉडल से परिचित कराया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण करने वाले छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पौधे लगाना पहला कदम है, लेकिन नियमित देखभाल ही पर्यावरण संरक्षण की वास्तविक परीक्षा है। छात्रों को अपने लगाए गए पौधों की निगरानी करने और उन्हें विकसित करने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को भारद्वाज गुरुकुल परिसर का भ्रमण कराया गया। यहां उन्हें बताया गया कि सीमित संसाधनों और उपलब्ध भूमि का उपयोग कर किस प्रकार पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी मॉडल विकसित किया जा सकता है। भ्रमण के दौरान जल संरक्षण संरचनाओं, फलदार पौधों, औषधीय वनस्पतियों तथा इमारती लकड़ी वाले वृक्षों के महत्व की जानकारी दी गई। छात्रों को यह भी बताया गया कि पौधारोपण केवल हरियाली बढ़ाने का माध्यम नहीं है। सही प्रजाति और सही स्थान का चयन किया जाए तो यह भविष्य में आर्थिक रूप से भी लाभकारी हो सकता है। विशेषज्ञों ने विभिन्न पौधों की उपयोगिता, उनकी देखभाल और स्थानीय जलवायु के अनुरूप पौधारोपण की तकनीक पर विस्तार से चर्चा की।

डेढ़ साल से कैंसर से जूझ रहे शिक्षक, 5 साल पहले पत्नी की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में एक शिक्षक कैंसर की गंभीर बीमारी से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। शिक्षक पिछले करीब डेढ़ वर्ष से कैंसर से पीड़ित हैं और उनका इलाज चल रहा है। उनकी पत्नी की पांच साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। परिवार में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। केवल उनकी 13 साल की बेटी ही उनके साथ रहकर इलाज और अन्य जिम्मेदारियां संभाल रही है। आर्थिक तंगी के कारण परिवार की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है और दो वक्त की रोटी तक दूसरों की मदद पर निर्भर है। हाल के दिनों में शिक्षक की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उनके छात्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया। इस बीच शिक्षक के शिष्य और समाजसेवी मदद के लिए आगे आए हैं।

समाजसेवी ने की कैंसर से पीड़ित शिक्षक की मदद : समाजसेवी रौशन कुमार राठौर ने अस्पताल पहुंचकर आर्थिक सहयोग किया और अन्य लोगों से भी मदद की अपील की। मामले ने एक बार फिर स्वास्थ्य सुविधाओं और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे गरीब मरीजों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर कर दिया है। पीड़ित शिक्षक की बेटी स्वाति कुमारी ने बताया कि उनके पिता कैंसर के चौथे चरण से पीड़ित हैं और पिछले डेढ़ साल से उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले पटना एम्स में इलाज के दौरान कुछ सुधार हुआ था, लेकिन अचानक तबीयत फिर बिगड़ गई और चलने-फिरने में परेशानी होने लगी। उन्होंने बताया कि मां की मौत पहले ही हो चुकी है और अब परिवार में पिता के अलावा कोई सहारा नहीं है।

बेटी ने की मदद करने की अपील : स्वाति ने कहा कि पिता के छात्र, शिक्षक और दोस्त मदद के लिए आगे आए हैं, जिससे उन्हें हिम्मत मिली है। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि जो भी तन, मन या धन से सहयोग कर सकता है, वह उनके पिता की मदद करें, ताकि उनका बेहतर इलाज हो सके। समाजसेवी रौशन कुमार राठौर ने कहा कि मानवता के नाते जरूरतमंद शिक्षक की सहायता के लिए आगे आना सभी का दायित्व है और समाज के सक्षम लोगों को भी सहयोग करना चाहिए। पीड़ित शिक्षक ने भी इलाज में सहयोग करने वाले अपने छात्रों, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भागलपुर के 10 खिलाड़ी ने जीता मेडल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भभुआ के कैमूर स्थित डी.पी.एस. स्कूल में 5 से 7 जून 2026 तक आयोजित 37वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भागलपुर के एक स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के 12 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें से 10 ने कुल 10 पदक जीतकर विद्यालय, भागलपुर और बिहार का गौरव बढ़ाया। इन पदकों में 2 स्वर्ण, 2 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों ने कोच विद्या रॉय के मार्गदर्शन में यह शानदार प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में निक्की राज (33-35 किग्रा) और सौम्या प्रियदर्शिनी (35-38 किग्रा) शामिल हैं। रजत पदक काल्पनिक (41-44 किग्रा) और आशुतोष पाठक (63-65 किग्रा) ने जीते। कांस्य पदक विजेता प्रियतमा (27-29 किग्रा), दिशा श्री (29-32 किग्रा), परी (38-41 किग्रा), ख्याति सिंह (49-52 किग्रा), ध्रुव राज (47-49 किग्रा) और उत्कृष्ट राज (41-45 किग्रा) रहे। जूनियर बालिका वर्ग में सृष्टि और रचना सिंह ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस शानदार सफलता पर विद्यालय के हेड मास्टर फादर कुरियन, उप-प्राचार्य फादर जोसेफ, ताइक्वांडो संघ भागलपुर के अध्यक्ष तुलसी कुमार और सचिव राकेश साहू ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

सम्राट अशोक भवन आम लोगों के लिए समर्पित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया । अररिया शहर के काली मंदिर चौक स्थित सम्राट अशोक भवन को अब आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। इसे विवाह भवन और मल्टी-पर्पस हॉल के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी चंद्र राज प्रकाश ने यह जानकारी दी। कार्यपालक पदाधिकारी चंद्र राज प्रकाश ने बताया कि यह भवन अब आम जनता के लिए उपलब्ध है। लोग इसे विवाह या अन्य कार्यक्रमों के लिए किफायती दरों पर बुक कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भवन में रंग-पोताई की आवश्यकता है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। यह भवन 2019 में बनकर तैयार हुआ था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से नगर परिषद इसे अपने उपयोग में ले रही थी। सम्राट अशोक भवन का निर्माण मूल रूप से इसी उद्देश्य से किया गया था कि आम लोग इसे कम किराए पर लेकर शादी-विवाह, मुंडन संस्कार, बैठक, शिविर और अन्य सामाजिक आयोजन कर सकें। 31 मई को भास्कर डिजिटल ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद नगर परिषद प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया और भवन को जनता के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया। इस निर्णय से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब उन्हें महंगे होटलों या अन्य स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। कार्यपालक पदाधिकारी ने आश्वासन दिया कि भवन को जल्द से जल्द पूर्ण रूप से उपयोग योग्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर परिषद जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देती है और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। भवन में पर्याप्त जगह होने के कारण बड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकते हैं। स्थानीय लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। सामाजिक कार्यकर्ता नंद मोहन मिश्रा, पूर्व मुख्य पार्षद रितेश राय व वार्ड पार्षद श्याम कुमार मंडल ने बताया, "बहुत समय से इस भवन की मांग चल रही थी। अब गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को शादी-विवाह जैसे आयोजनों में आर्थिक बोझ कम होगा। नगर परिषद प्रशासन से के मुताबिक, भवन की बुकिंग के लिए साधारण प्रक्रिया रखी जाएगी।

शादी समारोह में हथियार लेकर डांस

बेगूसराय । बेगूसराय में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग और हथियार प्रदर्शन का मामला सामने आया है। एक शादी समारोह में दो युवकों की ओर से सरेआम हथियार लहराते हुए डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो फुलवड़िया थाना क्षेत्र के दीनदयाल रोड बरौनी का बताया जा रहा है। पुलिस अब वीडियो के आधार पर आरोपियों की धरपकड़ में जुट गई है। जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला शनिवार की देर रात करीब एक से डेढ़ बजे के बीच का है। दीनदयाल रोड बरौनी में एक शादी समारोह चल रहा था। पिस्टल के साथ डांस कर रहे युवकों का किसी शख्स ने वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। सूत्रों के अनुसार, हथियार लहराने और फायरिंग में कथित तौर पर शामिल युवक मो. सद्दाम, मो. कयूम राजा, मो. रेहान, मो. लुल्हा एवं मो. शहाबुद्दीन आदि बताए जा रहे हैं।

बिहार सरकार

कार्यालय नगर पंचायत, रफीगंज (औरंगाबाद)

टेलीफोन– 6327–299903, ई–मेल : ulb.rafiganj@gmail.com

अल्पकालीन अभिरूचि अभिव्यक्ति आमंत्रण

सूचना सं०– 04/2026–27

प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग पटना का ज्ञापांक–5564, न०वि० एवं आ०वि० दिनांक – 19.05.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष– 2026–27 के लिए नगर पंचायत, रफीगंज के क्षेत्राधीन आकस्मिक/अत्यावश्यक कार्य हेतु राज्य सरकार के वर्तमान अनुसूचित दर (संवेदक लाभ एवं ओभरहेड रहित) पर निर्माण सामाग्रियों/श्रमिकों/मशीनरी इत्यादि के आपूर्ति/सेवा हेतु संवेदकों/आपूर्तिकर्त्ता/सेवा प्रदाताओं से निम्नांकित शर्तों पर अभिरूचि की अभिव्यक्ति (expression of interest) आमंत्रित किया जाता है।

1. संवेदकों/आपूर्तिकर्त्ताओं/सेवा प्रदाताओं का संबंधित जिला में चतुर्थ वर्गीण श्रेणी में निबंधन अनिवार्य होगा।
2. निर्माण सामाग्रियों/श्रमिकों/मशीनरी के आपूर्ति से संबंधित राज्य सरकार/विभागीय नियम/ दिशा–निर्देश लागू होंगे।
3. सभी प्रकार के टैक्स/रॉयल्टी/मालीकाना फीस/जी०एस०टी/इनकम टैक्स/लेवर शेष इत्यादि की कटौती नियमानुकूल की जाएगी।
4. अभिरूचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) के साथ निम्न दस्तावेजों की अभिप्रमाणित प्रति अद्योहस्ताक्षरी के पद नाम से सम्बोधित आवेदन पत्र के साथ बन्द लिफाफा में जमा करना होगा।

(i) वैध निबंधनपत्र।
(ii) पैन कार्ड की प्रति।
(iii) जी०एस०टी० नं० की प्रति
(iv) GST Return 3B latest 3 Month
(v) आधार कार्ड की छायाप्रति।
(vi) वैध आचरण प्रमाण–पत्र
(vii) Whatsapp मोबाईल नं०
(viii) ई–मेल आई०डी०
(xi) पूर्ण स्थाई एवं अस्थाई पता

क्र० सं०	कार्य का नाम	संवेदक द्वारा अभिरूचि (हॉ/नहीं)
1	मजदुर सप्लाई कार्य (श्रम संसाधन विभाग द्वारा दर पर भुगतान)	
2	(A) मशीन सप्लाई कार्य (ट्रैक्टर, जे0सी0बी0, ग्राम कटर, कंक्रीट मिक्सचर मशीन) वर्तमान अनुसूचित दर (B) सामग्रियों की सप्लाई कार्य/असैनिक कार्य (बालू, गिट्टी, सीमेन्ट, ईट, मिट्ट ई0सी0 बैग, बॉस फिल्टर इत्यादि। (वर्तमान अनुसूचित दर)	

नगर कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, रफीगंज।

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR. No. 005278 (B&C) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

संघ शिक्षा वर्ग को संबोधित कर रहे मोहन भागवत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मुंगेर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत चार दिवसीय प्रवास पर रविवार शाम से मुंगेर में हैं। वे पुराणीगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में स्वयंसेवकों को प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सरसंघचालक मोहन भागवत ने कार्यकर्ता विकास के शिक्षार्थी वर्ग प्रथम और बौद्धिक वर्ग को संबोधित किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को संघ की विचारधारा, राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक दायित्वों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक चले बौद्धिक सत्र में संघ के उद्देश्यों और कार्यपद्धति पर विस्तार से चर्चा की गई। भागवत ने बताया कि संघ के स्वयंसेवक समाज में सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करते हैं। आपदा, पर्व-त्योहार और सामाजिक अवसरों पर उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज के सभी वर्गों के बीच समरसता स्थापित करने, भेदभाव समाप्त करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और संगठन की भावना पहुंचाना स्वयंसेवकों का प्रमुख दायित्व है। आज संघ प्रमुख स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का समाधान भी करेंगे। बौद्धिक सत्र के अलावा, घोष प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इसमें स्वयंसेवकों को पथ संचलन के दौरान बजाए जाने वाले वाद्य यंत्रों के महत्व, उनके उपयोग और निर्धारित नियमों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि घोष केवल संगीत का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, एकरूपता और संगठन की पहचान भी है। यह प्रशिक्षण वर्ग 10 जून तक चलेगा। इसमें स्वयंसेवकों को संघ के नियम, कार्यशैली और संगठनात्मक जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बौद्धिक सत्र में संघ प्रमुख ने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित किए जाने वाले विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा भी साझा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने, अनुशासन बनाए रखने, सेवा कार्यों को विस्तार देने और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। सत्र के दौरान संगठनात्मक दक्षता, सेवा भाव और राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। स्वयंसेवकों को यह भी बताया गया कि बदलते सामाजिक परिवेश में संघ की विचारधारा को सकारात्मक रूप से समाज तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संघ प्रमुख की मौजूदगी को देखते हुए प्रशिक्षण शिविर की गोपनीयता बनाए रखने के लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। विद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे स्वयंसेवकों के आवागमन पर भी नियंत्रण रखा गया है। संघ के स्वयंसेवकों के साथ-साथ सुरक्षा बलों द्वारा परिसर और आसपास के क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रत्येक गतिविधि पर विशेष नजर रखी जा रही है ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम सुचारु रूप से संचालित हो सके। इस बीच संघ प्रमुख के मुंगेर आगमन से जुड़ा एक पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। संत डॉ. स्वामी सत्यप्रकाश ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि ऋषिकुंड में आयोजित सत्संग कार्यक्रम के दौरान उन्हें सूचना मिली कि सरसंघचालक उनसे मिलना चाहते हैं। पोस्ट के अनुसार दोनों के बीच लगभग 35 मिनट तक धर्म और अध्यात्म से जुड़े विषयों पर गंभीर चर्चा हुई।

करंट लगने से युवक की मौत

बांका । बांका में बिजली का करंट लगने से युवक की मौत हो गई। घटना रजौन थाना क्षेत्र के परघड़ी गांव की है। मृतक की पहचान राधे मंडल (35) के रूप में हुई है। राधे मंडल अपने घर में बिजली का होल्डर लगाते समय खराब विद्युत तार की चपेट में आ गए। घटना के वक्त घर में कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था, जिससे उन्हें समय पर सहायता नहीं मिल सकी। काफी देर तक करंट लगने के कारण वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। कुछ देर बाद परिजनों की नजर उन पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत रजौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने राधे मंडल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, मायागंज अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। राधे मंडल की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया और ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। बताया जाता है कि राधे मंडल गुजरात में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी असामयिक मौत से परिवार के सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है।

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सं. 02-डीसीई-कॉन-एसडीएएच-26-27; दिनांक 05.06.2026; उप मुख्य अभियंता/निर्माण/पूर्व रेलवे, सियालदह, तीसरी मंजिल, आरएमएस बिल्डिंग, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदा प्रणाली के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा सं.: 02-डीसीई-कॉन-एसडीएएच-26-27, कार्य का नामः कल्याणी एवं रानाघाट के बीच तृतीय लाइन के निर्माण के संबंध में मदनपुर स्टेशन (सहित) से पायराडांगा स्टेशन (सहित) तक पीएफ, एफओबी, पीएफ शेड, रिटेनिंग वॉल, स्टेशन भवनों, निकासी प्रणाली के निर्माण के साथ स्टेशन सर्कुलेटिंग क्षेत्र का उन्नयन तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः रु 41.38 करोड़ (लगभग)। बयाना राशिः रु. 82,78,000। निविदा दस्तावेज की कीमतः शून्य। खुलने की तारीखः 29.06.2026 को 15.00 बजे। समापन अवधिः 24 महीने। निविदा दस्तावेज तथा अन्य विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली ऊपर उल्लेखित वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा कोई मैनुअल प्रस्ताव अगर प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (CON-15/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: एफ-ईएनवी. सेल--ओएफएफ-03-ग्रीन-को, दिनांक 06.06.26; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, जिला मुंगेर, बिहार, पिन-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से भारतीय रेल की पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से खुली ई-निविदाएं (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का नामः पूर्व रेलवे के रेल इंजन कारखाना, जमालपुर की ग्रीन-को रेटिंग का उन्नयन एवं पुनः प्रमाणीकरण। निविदा मूल्यः रु. 7,87,847.85। बोली सुरक्षा/बयाना राशिः रु. 15,800। निविदा दस्तावेज की कीमतः शून्य। समापन अवधिः एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 6 महीने के भीतर सीआईआई-शोराबजी गोदरेज ग्रीन बिजनेस सेंटर से ग्रीन-को रेटिंग प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार हासिल करनी होगी। प्रस्ताव की वैधताः निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन। निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 27.06.2026 को 11.00 बजे। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्ट का स्थान जहां निविदा का परिपूर्ण इत्यादि देखे जा सकते हैं: www.er.indianrailways.gov.in के साथ हायपरलिंक्ड www.ireps.gov.in पर तथा डेपुटी सीएमई (उत्पादन) का कार्यालय, पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर में किसी भी कार्य दिवस। टिप्पणीः अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा दस्तावेज तथा जीसीसी अप्रैल 2022 के साथ अद्यतन संशोधन स्लिप के अनुसार लागू होंगी। (MISC-68 /2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/763, दिनांक 08.06.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3620; कार्य का नामः एसएसई/जी/केडब्ल्यूएई एवं एसएसई/जी/आरपीएच के अधिकार क्षेत्र के अधीन विद्युतीय सबस्टेशनों, स्विच रूमों के साथ सहायक एचटी/एलटी स्विचगियर पैनल, केबलों, ट्रांसफॉर्मर, अर्थिंग एवं अन्य सुरक्षा मदों का विस्तार एवं सुधार। निविदा मूल्यः रु. 87,24,540; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 1,74,500; क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3545-आर1; कार्य का नामः सीनि. डीईएन/1/हावड़ा के अधीन एसएचई, बीबीएई, बीएचआर, एचजीवाई, एसआईयू, बीएएचडब्ल्यू, टीएलपीएच, टीकेपीएच, टीएके, एचपीएल, बीएसयू, जीएनजेपी, मयनापुर, मायापुर, एएमबीजी, जीओजीटी स्टेशनों में गैंग हटों के साथ एसएचई, बीएचआर एवं टीएके स्टेशनों में महिला वस्त्र बदलने के कक्ष के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। निविदा मूल्यः रु. 29,61,786; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 59,200; क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3595-आर; कार्य का नामः हावड़ा मंडल के अधीन एजीएई, डीएचएई, जीजीएलई, एसएएलई, बीएसएई, टीबीएई, केएमएई, जीपीएई, बीजीआरए, डीटीएई, एसएमएई, पीएसएई, पीटीएई, बीजीएई, बीजेडएलई, सीडब्ल्यूएलई, एसडीआई, मोरग्राम, बीएए, टीपीएफ, एनएचटी, एमआरआर, एनजीएफ, जीएमएएन स्टेशनों के प्रतीक्षालय एवं शौचालय परिसर तथा सर्कुलेटिंग क्षेत्र के सुधार के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। निविदा मूल्यः रु. 1,55,15,880; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 3,10,300; क्रमांक 4, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3630; कार्य का नामः हावड़ा मंडल के आरपीएच यार्ड में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। निविदा मूल्यः रु. 1,97,274; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 4,000; क्रमांक 5, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3633; कार्य का नामः अमृत भारत स्टेशन विकास परियोजना के संबंध में हावड़ा मंडल के तहत रेलवे प्लेटफॉर्मों पर (बीएलवाई, एसएचई, सीजीआर, बीडब्ल्यूएन, बीएचपी एवं आरपीएच स्टेशनों में) लिफ्टों का प्रावधान। निविदा मूल्यः रु. 5,54,06,670; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 11,08,100; समापन अवधिः प्रत्येक के लिए 180 दिन। बंद होने की तारीख एवं समयः प्रत्येक के लिए 29.06.2026 को 15.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-137/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार सरकार

जिला खनन कार्यालय, औरंगाबाद।

औरंगाबाद जिला में अन्य राज्यो से प्रवेश करने वाले लघु खनिज लदे वाहनो हेतु महत्वपूर्ण आम सूचना

सर्वसाधारण, वाहन स्वामियों, चालको, परिवहनकर्ताओं एवं खनिज व्यसायियों को सूचित किया जाता है कि खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार, पटना द्वारा निर्गत अधिसूचना के आलोक में दिनांक–10.06.2026 से बिहार राज्य की सीमा में अन्य राज्यों से प्रवेश करने वाले लघु खनिज यथा बालू, पत्थर इत्यादि लदे सभी वाहनों के लिए **Inter State Transit Pass (ISTP)** प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया है।

ISTP हेतु निर्धारित दरें :–

- ₹ 60 प्रति मीट्रीक टन (परिवहन चालान पर खनिज की मात्रा वजन में अंकित रहने पर)
- ₹ 85 प्रति घनमीटर (परिवहन चालान पर खनिज की मात्रा आयतन (Volume) में अंकित रहने पर)

आवश्यक निर्देश :–

- अन्य राज्यों से बिहार राज्य में प्रवेश करने वाले वाहने को **ISTP** पोर्टल पर पंजीकृत कराना अनिवार्य है।
- अपने वाहन का तत्काल पंजीकरण **https://istp.bihar.gov.in** पर करायें।
- पंजीकरण करने पर बने **Login id/Password** का उपयोग कर **Login** करें।
- अन्य राज्यों से आने बाले खनिज के स्त्रोत से परिवहन चालान निर्गत होने के 6 घंटे के अन्दर वाहन पर लदे खनिज की मात्रा के अनुरूप ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य है।
- ट्रांजिट पास के लिए ऑनलाईन भुगतान पोर्टल के माध्यम से ही किया जायेगा।
- **ISTP** चालान की वैधता खनिज परिवहन चालान की वैधता के अनुरूप होगा।
- खनिज परिवहन के दौरान ट्रांजिट पास के साथ–साथ अन्य राज्यों से निर्गत वैध खनिज परिवहन चालान रखना अनिवार्य है।
- खनिज परिवहन के दौरान दोनो (ट्रांजिट पास एवं वैध खनिज परिवहन चालान) रखा जाना अनिवार्य है। जॉच के क्रम में उक्त दोनों चालान में से कोई भी एक चालान नहीं पाये जाने पर बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण निवारण)नियमावली, 2019 यथा संशोधित 2026 के अन्तर्गत दण्ड अधिरोपित किया जायेगा।
- अवैध खनिज परिवहन के लिए जब्त वाहन जुर्माना भुगतान के पश्चात ही विमुक्त हो सकेगा।
- बिहार सरकार द्वारा खनिज परिवहन हेतु जारी सभी नियामों का पालन करें एवं वैध खनिज परिवहन सुनिश्चित करें।

अपील:–

जिला खनन कार्यालय, औरंगाबाद एवं जिला प्रशासन, औरंगाबाद सभी वाहन स्वामियों, चालकों, परिवहनकर्ताओं एवं खनिज व्यवसायियों से अपील करता है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करते हुए वैध खनिज परिवहन सुनिश्चित करें तथा अवैध खनिज परिवहन के रोकथाम में खनन विभाग/जिला प्रशासन का सहयोग करें।

PR- 005410 (Mines) 2026-27

खनिज विकास पदाधिकारी,
औरंगाबाद।

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

रेल ओवरब्रिज धसने को लेकर 3 इंजीनियर सस्पेंड

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर में नवनिर्मित रेल ओवरब्रिज (ROB) के क्षतिग्रस्त होने के मामले में बिहार सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। पथ निर्माण मंत्री ई. शैलेन्द्र कुमार के निर्देश पर तीन अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का खर्च संबंधित अभियंताओं के वेतन से वसूला जाएगा। यह आरओबी इटाढ़ी रेलवे गुमटी के पास स्थित है। आम जनता के लिए आवागमन शुरू होने के मात्र 10 दिन बाद 5 जून को इसके पाया संख्या-5 के समीप स्लैब क्षतिग्रस्त हो गया था। इस घटना के बाद से ही निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे। घटना के बाद प्रशासन ने पुल पर वाहनों की आवाजाही रोक दी थी और तकनीकी जांच शुरू की गई थी। मामले में पहले ही निर्माण एजेंसी (संवेदक) के खिलाफ मुफ्फसिल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। हालांकि, घटना के बाद से ही निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले अभियंताओं की जवाबदेही तय

करने की मांग उठ रही थी। मंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने के बाद इन तीन अभियंताओं को निलंबित किया गया है। पूरे मामले की विस्तृत विभागीय जांच अभी जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद अन्य जिम्मेदार अधिकारियों या कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, निर्माण कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों का अनुपालन, निरीक्षण प्रक्रिया और कार्यस्थल पर की गई निगरानी से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि परिचालन शुरू होने के कुछ ही दिनों के भीतर पुल का स्लैब क्षतिग्रस्त कैसे हो गया। इस सरकारी कार्रवाई के बाद पथ निर्माण विभाग और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम में हलचल तेज हो गई है। विभागीय स्तर पर इसे एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि सार्वजनिक परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इधर, आरओबी बंद रहने से बक्सर शहर और आसपास के इलाकों के लोगों को अब भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को वैकल्पिक मार्गों से आवागमन करना पड़ रहा है, जिससे समय और दूरी दोनों बढ़ गए हैं। अब सबकी नजर विभागीय जांच पर टिकी है। जनता यह जानना चाहती है कि करोड़ों रुपये की लागत से बने इस आरओबी के क्षतिग्रस्त होने के पीछे आखिर जिम्मेदार कौन है और क्या कार्रवाई केवल निलंबन तक सीमित रहेगी या पूरे मामले में व्यापक जवाबदेही भी तय की जाएगी।

शहीद विद्यानंद सिंह की मनी 27वीं पुण्यतिथि

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले भोजपुर के अमर शहीद विद्यानंद सिंह की 27वीं पुण्यतिथि, शहीद विद्यानंद सिंह भवन में शहीद विद्यानंद कारगिल स्मृति व्याख्यान माला एवं श्रद्धांजलि सभा हुआ। कार्यक्रम में सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बिहार रेजिमेंटल सेंटर, दानापुर के कमांडेंट ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा के प्रतिनिधि के रूप में लेफ्टिनेंट सूरज ठाकुर जवानों के साथ उपस्थित रहे। सेना के जवानों ने शहीद की पत्नी वीर नारी पार्वती देवी से शहीद विद्यानंद सिंह के चित्र पर पुष्पचक्र अर्पित कराया। इसके बाद गार्ड ऑफ ऑनर और बिगुल की धुन के साथ अमर शहीद को नमन किया गया। वीर चक्र प्राप्त शहीद गणेश यादव की पत्नी पुष्पा राय, कार्यक्रम के संरक्षक पद्मश्री डॉ. भीम सिंह भवेश, पूर्व पार्षद लालदास राय समेत अनेक गणमान्य लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। महिला कॉलेज की एनसीसी कैडेट्स ने कार्यक्रम के संचालन एवं व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि पिछले 26 वर्षों से आयोजित हो रहा यह कार्यक्रम भोजपुर की वीरता, देशभक्ति और सामाजिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुका है। कार्यक्रम की शुरुआत नंदकिशोर यादव द्वारा प्रस्तुत वीर रस के गीत से हुई, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। संयोजक राजेश दुबे ने कहा कि पिछले 27 वर्षों से यह आयोजन लगातार हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भूमि विवाद में शामिल एक आरोपी गिरफ्तार

आरा| भुमि विवाद मामले में मुफ्फसिल थाना की पुलिस ने कांड के नामजद एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी टाउन थाना क्षेत्र के बिंद टोली मोहल्ला के निवासी राहुल यादव है। इसके पहले इस घटना में पुलिस ने कुल 6 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामापुर सनदिया गांव में लगभग 6 बिगहा जमीन पर कब्जा करने को लेकर 4 जून को दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। पुलिस के बयान पर कुल 263 लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया था। 6 बिगहा जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। मुफ्फसिल थाना के थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि पुलिस घटना में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है। बहुत जल्द ही घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उपकेंद्र जगदीशपुर में ट्रांसफार्मर में आई खराबी

गड़हनी । 132/33 केवीए उपकेंद्र जगदीशपुर स्थित 50 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने के कारण गड़हनी प्रखंड के उपभोक्ताओं को पिछले दो दिनों से रोटेशन प्रणाली के तहत बिजली आपूर्ति की जा रही है। बिजली आपूर्ति प्रभावित होने से क्षेत्र के लोगों को उमस भरी गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 6 जून को तेज आंधी व बारिश होने से ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आ गई थी। तकनीकी खराबी आने के कारण विद्युत विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में निर्धारित समय के अनुसार बिजली दी जा रही है। हालांकि इस व्यवस्था से उपभोक्ताओं को सामान्य आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे घरेलू कार्यों के साथ-साथ छोटे व्यवसायों और किसानों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की किया अपील की । क्षेत्र के उपभोक्ताओं का कहना है कि लगातार बिजली कटौती और कम समय तक आपूर्ति होने से गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक कठिन हो गई है। दिन और रात दोनों समय बिजली की अनियमित उपलब्धता के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।तकनीकी टीम समस्या को दूर करने में जुटी हुई है और जल्द से जल्द सामान्य बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।आज ठीक नहीं हुआ तो एक से दो दिनों में कोई दूसरा व्यकल्पिक व्यस्था की जाएगी।विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उपभोक्ताओं ने शीघ्र नियमित विद्युत आपूर्ति चालू का किया मांग उपभोक्ता सोनू, छोटू कुमार ने बताया कि इस भीषण गर्मी में रात में छोटे बच्चे सो नहीं पा रहे है। लोगो को रात में जगने से तबियत खराब हो रही है। दो दिनों से रात कैसे कट रही है हमलोग जानते है। यदि एक से दो दिनों में ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाएंगे तो दर्जनों लोग हॉस्पिटल में इलाजरत होंगे।इस लिये मांग की है कि ट्रांसफार्मर की खराबी को शीघ्र दूर कर नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों को राहत मिल सके।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

आरा| आरा रेलवे स्टेशन के अप लाइन में दो नंबर प्लेटफार्म पर रविवार देर रात चलती ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गईं। मृतक टाउन थाना क्षेत्र के महाजन टोली नंबर 1 के निवासी एवं एसबीआई के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा के पुत्र अभिषेक मिश्रा थे। घटना के बाद सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस घटना स्थल पर पहुंच इलाज के लिय सदर अस्पताल ला रहे थे उसी क्रम में रास्ते में मौत हो गई। अभिषेक मिश्रा रविवार की रात आरा रेलवे स्टेशन पर आम लाने के लिए गए थे। उनका कोई परिचित भागलपुर से विक्रमशिला सुपरफास्ट ट्रेन से आम भेजा था। विक्रमशिला सुपरफास्ट ट्रेन जैसे ही आरा रेलवे स्टेशन के दो नंबर प्लेटफार्म पर रुकी , अभिषेक मिश्रा ने बताए अनुसार उस बोगी में चढ़कर आम की पेटी उतार रहे थे उसी क्रम में ट्रेन खुल गई। ट्रेन खुलने के बाद अभिषेक मिश्रा जल्दबाजी में ट्रेन से उतर रहे थे उसी क्रम में गिर कर घायल हो गए।

16 तक लगेगा नया 50 एमवीए ट्रांसफॉर्मर, तब होगी बिजली व्यवस्था की स्थिति सामान्य

आरा । जगदीशपुर ग्रिड के 50 एमवीए क्षमता वाले पावर ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी आने के बाद बिजली विभाग ने उसे बदलने की प्रक्रिया तेज कर दी है। विभाग के अनुसार खराब ट्रांसफॉर्मर को हटाकर उसकी जगह नया 50 एमवीए ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएगा। ताकि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य हो सके। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, जगदीशपुर के कार्यपालक अभियंता राकेश चौधरी ने बताया कि 6 जून को आयी तेज आंधी-वर्षा और वज्रपात के दौरान जगदीशपुर ग्रिड के 132/33 केवी सबस्टेशन में 50 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर में आंतरिक तकनीकी खराबी उत्पन्न हो गयी थी। सुरक्षा की दृष्टि से ट्रांसफॉर्मर को तत्काल बंद करना पड़ा। उन्होंने बताया कि उक्त ट्रांसफॉर्मर से जगदीशपुर, बिहिया, पीरो, तरारी, गड़हनी, अगिआंव समेत आसपास के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की जाती है। खराबी की सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग और बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की टीम ने संयुक्त तरीके से स्थिति का आकलन किया। जांच के बाद ट्रांसफॉर्मर बदलने का निर्णय लिया गया। विभाग के अनुसार पुराने ट्रांसफॉर्मर को हटाने और नए ट्रांसफॉर्मर को स्थापित करने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। वर्तमान कार्ययोजना के तहत 16 जून तक नए ट्रांसफॉर्मर को चालू कर बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्रोतों से बिजली आपूर्ति बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि उपभोक्ताओं को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से धैर्य और सहयोग बनाए रखने का अनुरोध करते हुए भरोसा दिया है कि निर्धारित समय के भीतर नया ट्रांसफॉर्मर चालू कर क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह सामान्य कर दिया जाएगा।

भाभी को छोड़ने जा रहे देवर की मौत

भोजपुर। भोजपुर के तीयर थाना क्षेत्र के यादवपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार चचेरे देवर-भाभी को टक्कर मार दी। हादसे में देवर की मौत हो गई। इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हादसे के शिकार युवक की 20 अप्रैल को शादी हुई थी। वहीं, जख्मी उसकी भाभी का इलाज शहर के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। मृतक की पहचान बक्सर जिला के सोनवर्षा थाना क्षेत्र के मनिया डिहरी गांव के रहने वाले विनोद शर्मा के 25 साल के बेटे नीतीश कुमार के रूप में हुई है। वह पंजाब के लुधियाना में स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करता था। वहीं, घायल महिला की पहचान मृतक की भाभी तीयर थाना क्षेत्र के उत्तरदहा गांव की रहने वाली 30 साल की रीमा देवी के रूप में की गई है। इधर, मृतक के ममेरे भाई दीपक शर्मा ने बताया कि नीतीश अपनी चचेरी भाभी रीमा देवी को बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया गांव अपनी फुआ कुसुम देवी के घर से उत्तरदाहा छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान यादवपुर गांव के पास अज्ञात वाहन सवार ने उसके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। रीमा देवी का इलाज शहर के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। दीपक शर्मा ने बताया कि नीतीश को इलाज के लिए सदर अस्पताल से पटना ले जाया जा रहा था। तभी उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन उसके शव को वापस सदर अस्पताल ले आए। नीतीश अपने तीन भाई औ एक बहन में बड़ा था। उसकी शादी इसी साल 20 अप्रैल को हुई थी। उसके परिवार में पत्नी अंजली कुमारी, दो भाई रजनीश, आशीष एवं एक बहन पूजा है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच रहा गया है। इस घटना के बाद मिलने की पत्नी अंजली कुमारी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जन सुनवाई में 29 लोगों के मामले आए

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में डीएम साहिला ने सात निश्चय-03 के अंतर्गत संचालित "सबका सम्मान-जीवन आसान" कार्यक्रम के तहत जन सुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को सीधे डीएम के समक्ष रखा। जन सुनवाई में अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता तथा प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों द्वारा कुल 29 आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें राजस्व विभाग से संबंधित 12, विकास कार्यों से जुड़े 8 तथा अन्य विभागों से संबंधित 9 आवेदन शामिल थे। डीएम ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन का निष्पादन निर्धारित समय सीमा के भीतर पारदर्शी, न्यायसंगत एवं प्रभावी तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा।

रिटायर्ड दरोगा-पूर्व सैनिक के घर लाखों की चोरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला के हवाई अड्डा रोड स्थित मलहचकिया मोहल्ले के वार्ड संख्या-2 का है, जहां चोरों ने एक ही रात दो घरों को निशाना बनाकर पुलिस गश्ती व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरों ने एक रिटायर्ड दरोगा और एक पूर्व सैनिक के घर में घुसकर चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। दोनों घरों से नकदी और लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने की बात सामने आई है। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल है। वहीं स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है। पहली घटना मलहचकिया मोहल्ला निवासी राधेश्याम प्रसाद के घर हुई। राधेश्याम प्रसाद वर्ष 2022 में डुमरांव थाना से सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) के पद से रिटायर हुए थे। बताया जा रहा है कि रात में चोरों ने घर के पीछे लगी लोहे की खिड़की को उखाड़ दिया और अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद पूरे घर को खंगालते हुए चोरों ने ड्रेसिंग टेबल के दराज में रखे 15 हजार रुपये नकद और करीब 35 हजार रुपये कीमत की एक जोड़ी पायल चोरी कर ली। राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि गर्मी अधिक होने के

कारण परिवार के सभी सदस्य मुख्य दरवाजा बंद कर छत पर सोने चले गए थे। इसी दौरान चोर घर के अंदर दाखिल हो गए। उन्होंने बताया कि रात करीब डेढ़ बजे अचानक किसी आवाज से उनकी नींद खुल गई। जब वह नीचे आए तो चोर मौके से भाग चुके थे। राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि समय रहते उनकी नींद खुल गई, जिससे चोर ज्यादा सामान नहीं ले जा सके। उन्होंने कहा कि अगर कुछ देर और हो जाती तो घर में रखे अन्य कीमती सामान भी चोरी हो सकते थे। उन्होंने बताया कि इससे पहले साल 2007 में भी उनके घर में चोरी हो चुकी है। हालांकि हाल ही में बेटी की शादी होने के कारण घर के अधिकतर कीमती गहने उसे दे दिए गए थे, जिससे इस बार बड़ा नुकसान होने से बच गया। इसी मोहल्ले में चोरी की दूसरी बड़ी घटना पूर्व सैनिक रमैया चौधरी के घर हुई। बताया जा रहा है कि रमैया चौधरी इन दिनों पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं और पिछले तीन दिनों से आईसीयू में इलाज चल रहा है। उनकी देखभाल के लिए परिवार के सभी सदस्य पटना में थे और घर बंद पड़ा हुआ था। चोरों ने इसी का फायदा उठाया और बंद घर की खिड़की तोड़कर अंदर घुस गए। घर में प्रवेश करने के बाद चोरों ने कमरे में रखी लोहे की अलमारी तोड़ दी और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। पूर्व सैनिक के बेटे जितेंद्र चौधरी ने बताया कि चोरी गए गहनों की कीमत करीब 10 से 12 लाख रुपये के आसपास है। जितेंद्र चौधरी ने बताया कि सुबह पड़ोसियों ने घर का ताला और दरवाजा टूटा देखा। इसके बाद उन्होंने परिवार को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद वह पटना से बक्सर पहुंचे और मुफस्सिल थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और चोरों की पहचान के लिए सुराग जुटाए जा रहे हैं। एक ही रात दो घरों में चोरी की घटना से स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश है। लोगों का कहना है कि शहर में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस गश्ती व्यवस्था प्रभावी नजर नहीं आ रही है।

राजकीय डिग्री महाविद्यालय, संदेश में शैक्षणिक गतिविधियों की तैयारियों का औचक निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । राजकीय डिग्री महाविद्यालय, संदेश में आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को लेकर महाविद्यालय प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजू मोची एवं बर्सर डॉ. प्रवीण कुमार सिंह ने मंगलवार को महाविद्यालय परिसर का संयुक्त निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अध्ययन-अध्यापन कार्यों के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई तथा आधारभूत सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के बैंकिंग कार्यों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से भारतीय स्टेट बैंक, संदेश शाखा में महाविद्यालय का बैंक खाता भी खोला गया। प्राचार्य डॉ. राजू मोची ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा आगामी 1 जुलाई से राज्य के 211 प्रखंडों में उच्च शिक्षा के विस्तार की योजना के तहत अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रारंभ किया जाना है। इसी के मद्देनजर राजकीय डिग्री महाविद्यालय, संदेश में सभी आवश्यक तैयारियां तेजी से की जा

रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय में आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। बर्सर डॉ. प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी सत्र के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण मिल सके। महाविद्यालय प्रशासन ने क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से उच्च शिक्षा के इस नए अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। निरीक्षण के दौरान एस.बी. कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राधिका रमन सिंह, डॉ. महफूज अशरफ, गोपाल सिंह एवं रोहित कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डुमरांव अस्पताल में नवजातों का वार्ड के बाहर इलाज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर के डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में नवजात शिशुओं का इलाज मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) वार्ड के बाहर पेड़ की छांव में किए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बिजली आपूर्ति ठप होने और भीषण गर्मी के कारण चिकित्सकों को यह कदम उठाना पड़ा। इस घटना ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। शनिवार को आई तेज आंधी और बारिश के कारण अस्पताल के कई वार्डों की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई थी। अस्पताल का चेंजर पहले से ही खराब था, जिसके कारण एमएनसीयू में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। रविवार दोपहर जब गंभीर स्थिति वाले नवजात शिशुओं को एमएनसीयू में भर्ती करने लाया गया, तो वार्ड में बिजली नहीं थी, जिससे डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। बताया गया कि एक नवजात की हालत गंभीर थी और उसे तत्काल विशेष देखभाल की आवश्यकता थी। बिजली न होने के कारण प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. प्रेमा कुमारी और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक कुमार ने तत्परता दिखाते हुए एमएनसीयू वार्ड के बाहर गेट के पास पीपल के पेड़ की छांव में ही नवजात का उपचार शुरू किया। इस त्वरित कार्रवाई से बच्चे की जान बचाई जा सकी। इलाज के बाद एक अन्य बच्चे को बेहतर उपचार के लिए बक्सर रेफर किया गया। यह मामला तब और गंभीर हो गया जब सामने आया कि अस्पताल का चेंजर कई महीनों से खराब पड़ा है। अस्पताल प्रबंधन ने 22 मई को ही सिविल सर्जन कार्यालय

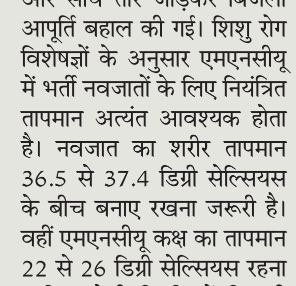

को इसकी लिखित सूचना दे दी थी, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया था। अंततः, हंगामे और अफरा-तफरी के बीच एक मिस्त्री को बुलाकर चेंजर को हटाया गया और सीधे तार जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल की गई। शिशु रोग विशेषज्ञों के अनुसार एमएनसीयू में भर्ती नवजातों के लिए नियंत्रित तापमान अत्यंत आवश्यक होता है। नवजात का शरीर तापमान 36.5 से 37.4 डिग्री सेल्सियस के बीच बनाए रखना जरूरी है। वहीं एमएनसीयू कक्ष का तापमान 22 से 26 डिग्री सेल्सियस रहना चाहिए। ऐसी स्थिति में बिजली गुल होने से नवजातों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। अस्पताल की बदहाल स्थिति भी इस घटना से उजागर हुई है। कई स्थानों पर एमसीबी खराब हैं, भवन जर्जर हो चुका है, छत से पानी टपकता है और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती है। बढ़ते बिजली लोड के कारण लगाया गया विशेष ट्रांसफार्मर भी पर्याप्त साबित नहीं हो रहा है। मामले के सामने आने के बाद सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद चक्रवर्ती ने कहा है कि घटना की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। संबंधित कर्मियों और अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जहां जीवन बचाने के लिए बने वार्ड में ही बिजली व्यवस्था ध्वस्त होने से नवजातों का इलाज खुले में करना पड़ रहा है।

एनडीए पूरी तरह एकजुट : श्रीभगवान सिंह

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बिहार सरकार के योजना एवं विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने अपने बक्सर दौरे के दौरान राजनीतिक मुद्दों से लेकर विकास कार्यों और प्रशासनिक शिकायतों तक कई विषयों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी। विपक्षी एकता और राहुल गांधी, अखिलेश यादव तथा ममता बनर्जी सहित कई दलों के एकजुट होने की चर्चाओं पर मंत्री ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि "नरेंद्र मोदी एनडीए के नेता हैं और वे शेर हैं। शेर को घेरने के लिए चाहे जितनी बिल्लियां इकट्ठा हो जाएं, शेर घिरने वाला नहीं है।" उन्होंने यह भी कहा कि जब तक विपक्ष राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाए रखेगा, तब तक कांग्रेस के लिए राजनीतिक उभार मुश्किल होगा। उन्होंने बिहार विधान परिषद चुनाव, विपक्षी गठबंधन, इटाढ़ी रेलवे ओवरब्रिज विवाद और जिला परिषद सदस्यों की शिकायतों पर अपनी बात रखी। एमएलसी चुनाव

और महागठबंधन की रणनीति पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है और गठबंधन के सभी विधायक मजबूती से साथ खड़े हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता दीपक प्रकाश को एनडीए की ओर से एमएलसी उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके भविष्य के बारे में सबसे बेहतर जानकारी उनके पिता और एनडीए नेता उपेंद्र कुशवाहा ही दे सकते हैं। दूसरी ओर, उद्घाटन से पहले ही क्षतिग्रस्त हुए 26.40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इटाढ़ी रेलवे ओवरब्रिज मामले पर मंत्री ने सख्त रुख दिखाया।उन्होंने बताया कि फिलहाल संवेदक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, लेकिन जांच में यदि अभियंता या विभागीय अधिकारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष सरोज देवी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भी मंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने उप विकास आयुक्त पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार और विकास योजनाओं में उदासीनता का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा गया कि जिला परिषद मद की लगभग 80 करोड़ रुपये की राशि खर्च नहीं हो पा रही है, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मंत्री ने कहा कि इस मामले को लेकर उन्होंने जिलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों से बात की है। उन्होंने बताया कि समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने 15 दिनों का समय मांगा है। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी और शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह,जदयू नेता संजय सिंह राजनेता,श्रीकांत कुशवाहा, सिधेश्वर चौधरी,पिंटू ठाकुर आदि रहे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दी श्रद्धांजलि

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने आदिवासी पुनर्जागरण के महानायक एवं वीर स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन देश की स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए समर्पित रहा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिरसा मुंडा ने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासियों को संगठित कर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में चले महाविद्रोह उलगुलान ने अंग्रेजी शासन की नींव को चुनौती दी और आदिवासी समाज में नई चेतना का संचार किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज बिरसा मुंडा को श्रद्धापूर्वक "धरती आबा" और "भगवान बिरसा" के रूप में स्मरण करता है। उनका दिया गया नारा "अबुआ दिशुम, अबुआ राज" अर्थात "हमारा देश, हमारा राज" स्वतंत्रता और स्वाभिमान का प्रतीक बन गया था। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में समाज को आत्मसम्मान, संगठन और संघर्ष की शक्ति का संदेश दिया। अंग्रेजी शासन ने उनके बढ़ते प्रभाव से घबराकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया और कारावास में रखा, जहां 9 जून 1900 को उनका निधन हो गया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिरसा मुंडा का त्याग, बलिदान और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा तथा सामाजिक न्याय के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से उनके आदर्शों को आत्मसात करने और समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

जन्मदिन पार्टी में हमला और लूटपाट का फरार आरोपी गिरफ्तार, वैशाली के महुआ में मारपीट

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में एक जन्मदिन पार्टी के दौरान हुए हमले और लूटपाट के मामले में फरार आरोपी बिंदा राय को गिरफ्तार कर लिया गया है। हरपुर ओस्टी गांव निवासी बिंदा राय पर मारपीट, लूट और वाहन क्षतिग्रस्त करने का आरोप है। यह घटना 6 जनवरी को हुई थी। मिर्जानगर निवासी कौशल कुमार अमोद राय अपने गांव के शिव मंदिर के पास दोस्तों के साथ जन्मदिन मना रहे थे। इसी दौरान, उनके गांव के प्रेम कुमार, विपिन कुमार (दोनों बिंदा राय के बेटे) और बिंदा राय सहित 8-10 अज्ञात लोग वहां पहुंचे और कौशल कुमार को गालियां देना शुरू कर दिया। जब कौशल ने गाली देने से मना किया, तो प्रेम कुमार ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। कौशल ने भागने की कोशिश की, लेकिन विपिन कुमार, बिंदा राय और अन्य लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से कौशल के साथ मारपीट की, जिससे वे घायल हो गए। इसी दौरान, प्रेम कुमार ने उनकी जेब से 5000 रुपए और एक सोने की चेन छीन ली। कौशल के दोस्तों ने किसी तरह उनकी जान बचाई। हमलावर जाते-जाते धमकी देते हुए फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर पुलिस में शिकायत की गई तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। घायल अवस्था में कौशल को महुआ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया गया। होश आने पर उन्हें पता चला कि हमलावरों ने उनकी स्विफ्ट डिजायर कार के शीशे तोड़ दिए थे और पूरी बॉडी को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

ज्वेलर पर झूठी रंगदारी का आरोप, सोना वापस करने पर ऑनलाइन पेमेंट को बनाया रंगदारी का सबूत

हाजीपुर। वैशाली के महुआ सिंहराय में रंगदारी और झूठे मुकदमे को लेकर विवाद गहरा गया है। एक ज्वेलरी दुकानदार पर आरोप है कि उसने सोने की चेन वापस करने के ऑनलाइन भुगतान को रंगदारी का सबूत बताकर एक व्यक्ति के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, आरोपी व्यक्ति ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। यह मामला तब सामने आया जब सिंहराय निवासी गोपाल साह ने तीन व्यक्तियों - अरुण कुमार सिंह, शशि भूषण कुमार उर्फ अप्पू और मणिभूषण राठौर पर रंगदारी वसूलने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। गोपाल साह के अनुसार, इन लोगों ने उनके मकान के आगे शेड और सड़क बनाने के एवज में पहले 50,000 रुपये वसूले और अब 1 लाख रुपये की और मांग कर रहे हैं। गोपाल साह ने आरोप लगाया कि मणिभूषण राठौर ने 17 अक्टूबर 2025 को उनसे 50,000 रुपये की रंगदारी वसूली थी। यह राशि दो किस्तों में, 30,000 रुपये और 20,000 रुपये, BHIM UPI के माध्यम से ली गई थी। हालांकि, इस मामले में नया मोड़ तब आया जब अरुण कुमार सिंह ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि गोपाल साह एक ज्वेलरी दुकानदार हैं। उनके बेटे ने सात महीने पहले गोपाल साह की दुकान से 1 लाख 15 हजार रुपये की सोने की चेन खरीदी थी, जो कुछ दिनों बाद काली पड़ने लगी। खराब होने के कारण उनके बेटे ने चेन वापस कर दी थी। अरुण कुमार सिंह के मुताबिक, चेन वापस करने पर गोपाल साह ने 65,000 रुपये नगद लौटाए थे। शेष 50,000 रुपये दो बार में (20,000 और 30,000 रुपये) फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन वापस किए गए थे। अरुण कुमार सिंह का आरोप है कि गोपाल साह ने इसी ऑनलाइन भुगतान के सबूत को रंगदारी वसूली का प्रमाण बताकर उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया है। अरुण कुमार सिंह ने आगे बताया कि वे और ग्रामीण एक निजी जमीन पर बन रही सड़क का विरोध कर रहे थे, जिसे दबंगों की मदद से बनवाया जा रहा था। इसी विरोध के चलते गोपाल साह ने उनके ऊपर रंगदारी मांगने का झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया।

जमीनी विवाद में दो भाई घायल, नवादा खुर्द में पिस्टल के बट और लाठी-डंडों से हमला

हाजीपुर। वैशाली के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत नवादा खुर्द में जमीनी विवाद को लेकर दो भाइयों पर हमला किया गया। बदमाशों ने उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल भाइयों में से एक, स्वर्गीय अशर्फी सिंह के पुत्र अंजय कुमार ने बताया कि गांव के विजय कुमार, दीप नारायण और उनके साथियों ने उन पर हमला किया। हमलावरों ने पिस्टल के बट और लाठी-डंडों का इस्तेमाल कर दोनों भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अंजय कुमार के अनुसार, विजय कुमार उन पर घर के पास की एक धुर जमीन अपने नाम लिखवाने का दबाव बना रहा था। जब दोनों भाइयों ने इसका विरोध किया, तो सभी हमलावरों ने मिलकर उन पर मारपीट कर दी। अंजय कुमार और उनके परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है और अवैध कारोबार में भी संलिप्त है। उनका यह भी कहना है कि आरोपी हमेशा 10-15 लोगों के साथ रहता है और बार-बार उन्हें जमीन अपने नाम लिखवाने के लिए धमकाता है। परिजनों के मुताबिक, जमीन न लिखने पर आरोपी मारपीट करता है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए दोनों भाइयों का इलाज सदर अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकान में घुस कर किसान की हत्या, दो बदमाशों ने दागी बुलेट, सीएम नीतीश कुमार ने किया था सम्मानित

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के बोचहा थाना क्षेत्र के सलहां गांव में आज दिनदहाड़े 'किसान हरराम चौधरी उर्फ राजू चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपराधियों ने किराना दुकान में घुसकर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बाइक सवार दो अपराधी राजू चौधरी की किराना दुकान पर पहुंचे। दुकान में घुसते ही उन्होंने राजू चौधरी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग, परिजन और खेतों में काम कर रहे मजदूर घटनास्थल पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल राजू चौधरी को तत्काल इलाज के लिए एसकेएमसीएच ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक राजू चौधरी कृषि क्षेत्र में अपनी विशेष खेती तकनीकों के लिए जाने जाते थे। कृषि विभाग ने उन्हें 'किसान श्री' सम्मान से सम्मानित किया गया था। उन्हें बेहतर कृषि काम के लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों भी सम्मान मिला था। कृषि व्यवसाय के साथ-साथ वे एक किराना दुकान भी चलाते थे। घटना की सूचना मिलते ही बोचहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है।

बढ़ते अपराध और बेरोजगारी के खिलाफ जाले में राजद का धरना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी! राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तथा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आह्वान पर मंगलवार को प्रखंड परिसर में राजद कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया. धरना के माध्यम से बढ़ते अपराध, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, महिलाओं पर अत्याचार और किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध नहीं होने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया.कार्यक्रम की अध्यक्षता सह संचालन प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार पंडित ने की.

सरकार की नीतियों पर साधा निशानाः धरना सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है. युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं, जबकि शिक्षा व्यवस्था भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है. उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध नहीं होने से खेती प्रभावित हो रही है.

नेताओं ने रखी अपनी बातः सभा को पूर्व विधायिका रेखा देवी पूर्व प्रखंड अध्यक्ष ब्रजनंद सहाय प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार पंडित उपेंद्र मुखिया छात्र नेता भाई बिट्टू यादव मेघन गोप सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया. सभी नेताओं ने जनहित के मुद्दों पर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की और कहा कि आम जनता की समस्याओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी.वक्ताओं ने जातीय गणना के आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में बड़ी संख्या में परिवार अभी भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं से लोग वंचित हैं।कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने बढ़ती हत्या, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं को सरकार की विफलता करार दिया।धरना के माध्यम से राजद नेताओं ने सरकार से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करने की मांग की। उन्होंने जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से कार्य करने का आग्रह भी किया।

30 फीट गहरे मैनहोल में फंसे मजदूर, 1 की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

♦ रेस्क्यू टीम ने ऑक्सीजन दिया, ढाई घंटे के बाद दोनों को निकाला, दूसरे का चल रहा इलाज

पटना। पटना में 30 फीट गहरे मैनहोल में साफ-सफाई के दौरान 2 मजदूर फंस गए। इनमें से एक की मौत हो गई है। अंदर गैस का रिसाव हो रहा था, इस कारण दोनों बेहोश हो गए थे। मजदूर ढाई घंटे तक अंदर ही फंसे रहे। उन्हें पहले ऊपर से ऑक्सीजन दिया गया, फिर रस्सी के सहारे उन्हें बाहर निकाला गया। पहले मौके पर डायल-112 की टीम पहुंची, फिर रेस्क्यू के लिए अग्निशमन की टीम भो भी सूचना दी गई। मजदूरों की पहचान रामजान अली (30) और सद्दाम हुसैन (20) के रूप में हुई है। मालदा के रहने वाले सद्दाम की मौत हो गई है, जबकि रामजान का इलाज चल रहा है। घटना श्री कृष्णा पुरी थाना क्षेत्र के AN कॉलेज पानी टंकी की है। ADFO इंद्रजीत कुमार ने बताया रात 12:46 बजे निदेशक सह राज्य अग्निशमन पदाधिकारी सुनील के नंबर पर मैसेज आया था। इसके बाद मेरे नेतृत्व में क्यूआरटी मौके पर पहुंची और दोनों व्यक्तियों को रेस्क्यू कर के बाहर निकाला गया।

इसके बाद दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भेज दिया गया। काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गहराई होने के चलते निकालने में परेशानी हो रही थी। रात का वक्त था। मजदूरों के अंदर फंसे होने की खबर के बाद आसपास के दुकानदार, दूसरे मजदूर और वहां से गुजर रहे राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पहले लोगों को लगा कि कोई मैनहोल में गिर गया है। इसलिए जो भी आता था पहचानने के ख्याल से वहां खड़ा हो जाता था। हालांकि स्थानीय थाने की पुलिस लगातार लोगों को समझा बुझाकर वहां से हटाती रही।

फूट-फूटकर रोने वाले शिवचंद्र का इस्तीफा मंजूर नहीं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार में MLC चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व विधायक शिवचंद्र राम ने सोमवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, RJD ने उनका इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा, 'देर रात उनसे बातचीत हुई है। हम जानते हैं वो पुराने सिपाही हैं। पार्टी ने उनके त्यागपत्र को अस्वीकार्य किया है।' इधर लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शिवचंद्र राम के समर्थन में उतर आए हैं। तेजप्रताप ने कहा कि शिवचंद्र राम जी का पार्टी पद से इस्तीफा देना बेहद दुख की बात है।

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों (एक उपचुनाव) पर होने वाले MLC चुनाव में सोमवार को महागठबंधन की ओर से RJD के सुनील सिंह ने पर्चा भरा। उन्होंने कहा, पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे निभाएंगे। कुछ भी हो जाए पार्टी का झंडा झुकने नहीं दूंगा।

इसके बाद बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और RJD के SC-ST प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवचंद्र राम की नाराजगी सामने आई। उन्होंने SC/ST प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कहा, पार्टी ने मुझे वादा किया था कि MLC बनाएंगे, लेकिन मेरे साथ वादाखिलाफी की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज होगा नया कीर्तिमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

10 जून को स्वतंत्र भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने का गौरव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 10 जून, 2026 को स्वतंत्र भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर सेवा देने का कीर्तिमान स्थापित करने के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत रिकॉर्ड नहीं, बल्कि देश की जनता के विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसमर्थन की ऐतिहासिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार जनादेश प्राप्त कर लोकतांत्रिक इतिहास में एक विशेष स्थान बनाया है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेखः विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने समाज के विभिन्न वर्गों के

लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं ने देश के विकास को नई गति प्रदान की है।

राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बढ़ी भारत की पहचानः डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। उन्होंने अनुच्छेद 370 का निरस्तीकरण, राम मंदिर के निर्माण तथा जी-20 शिखर सम्मेलन 2023 की सफल मेजबानी को महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की विदेश नीति ने भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है।

प्रेरणादायी जीवन यात्रा का उल्लेखः विधानसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी की जीवन यात्रा को करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद तक पहुंचना उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, समर्पण और अथक परिश्रम का उदाहरण है।

दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामनाः डॉ. प्रेम कुमार ने बिहार विधान सभा एवं राज्य की जनता की ओर से प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्र की गरिमा और लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना करते हुए कहा कि वे इसी समर्पण के साथ देश की सेवा करते रहें।

ऑपरेशन मुस्कान की बड़ी सफलताः पटना पुलिस ने 150 खोए और छीने गए मोबाइल लौटाए

करीब 25 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल बरामद, मोबाइल पाकर खिले लोगों के चेहरे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत एक बार फिर उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई है। अभियान के अंतर्गत पुलिस ने खोए हुए और स्नेचिंग की घटनाओं में गायब हुए लगभग 150 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस लगातार खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश में जुटी हुई है। आधुनिक तकनीक और विशेष निगरानी के माध्यम से बरामद किए गए मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

25 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मोबाइल बरामदः एसएसपी ने बताया कि इस अभियान के दौरान बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। पुलिस की तकनीकी टीम लगातार

मोबाइल ट्रैकिंग और साइबर विश्लेषण के माध्यम से ऐसे उपकरणों का पता लगा रही है, जो चोरी, गुम या स्नेचिंग की घटनाओं में गायब हो गए थे। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन आज लोगों के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में उनका खो जाना या चोरी हो जाना लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पटना पुलिस विशेष अभियान चलाकर लोगों की मदद कर रही है।

तकनीकी जांच से मिली सफलताः पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामदगी में तकनीकी जांच और साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर और अन्य डिजिटल माध्यमों की सहायता से उनकी लोकेशन का पता लगाया गया और उन्हें बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद मोबाइलों का सत्यापन करने के बाद उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया।

लोगों ने पुलिस की सराहना कीः मोबाइल वापस मिलने के बाद लाभार्थियों ने पटना पुलिस के प्रयासों की जमकर प्रशंसा की। लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका खोया हुआ मोबाइल वापस मिल सकेगा, लेकिन पुलिस की सक्रियता और समर्पण के कारण यह संभव हो पाया। मोबाइल प्राप्त करने वाले कई लोगों ने कहा कि इस पहल से पुलिस के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने इसे आम जनता के हित में किया गया एक सराहनीय और जनोपयोगी कार्य बताया।

आगे भी जारी रहेगा अभियानः एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा। जिन लोगों के मोबाइल फोन खो गए हैं या चोरी हो गए हैं, उन्हें वापस दिलाने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल संबंधित थाना या साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि पुलिस समय रहते कार्रवाई कर सके।

जनता और पुलिस के बीच बढ़ा विश्वासः ऑपरेशन मुस्कान न केवल लोगों को उनका खोया सामान वापस दिलाने में सफल हो रहा है, बल्कि इससे जनता और पुलिस के बीच विश्वास का रिश्ता भी मजबूत हो रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनसहयोग और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग से भविष्य में भी ऐसे अभियानों को और प्रभावी बनाया जाएगा। पटना पुलिस की इस पहल को आम लोगों के बीच सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है

मोतिहारी समेत 7 जिलों में तेज बारिश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार के कुछ जिलों में मौसम ने करवट ली है। तेज धूप के बाद अचानक आंधी के साथ बारिश हुई है। बेतिया, मोतिहारी, बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया, भागलपुर और मुंगेर में तेज हवा के साथ बारिश हुई है। बेगूसराय में एक ऑटो के ऊपर पोल गिर गया। ड्राइवर बाल-बाल बचा। सीतामढ़ी में सोमवार की रात आंधी-बारिश के बाद पीपल का पेड़ एक कच्चे मकान पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 24 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। अगले 48 घंटे में राज्य में भारी बारिश का अलर्ट है। सोमवार को पटना समेत प्रदेश के 8 जिलों में पारा 41 डिग्री के पार चला गया। 43.4 डिग्री के साथ रोहतास सबसे गर्म जिला रहा। जबकि बक्सर में 42.7 डिग्री और कैमूर में 42.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

पेड़ गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौतः सीतामढ़ी में सोमवार देर रात आंधी बारिश के बाद एक घर पर पीपल का पेड़ गिर गया। घर के मलबे में दबने से एक ही परिवार के पांच लोगों की

मौत हो गई। घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुषी टोला वार्ड संख्या-01 की है। मृतकों की पहचान सिकंदर सहनी की पत्नी पूजा देवी (28), बेटा राजकुमार (7), बेटी शिवानी (5) और एक माह के बेटे लाइगर कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का दो साल का बेटा वीरभर्द कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

अगले कुछ दिनों का मौसमः 10 और 11 जून को अररिया, किशनगंज और सुपौल में भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 60Kmph की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। 12 और 13 जून को उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में आंधी-पानी की गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। वहीं. 13 जून के बाद पूरे बिहार में गरज-चमक के साथ तेज बारिश के आसार हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

देश-विदेश में बसे बिहारियों को जोड़ेगा नया डिजिटल मंच

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी (आईटी) विभाग ने दुनिया भर में बसे बिहारियों को राज्य के विकास से जोड़ने के लिए एक नई पहल शुरू की है। आईटी मंत्री नीतीश मिश्रा ने एक विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया। यह प्लेटफॉर्म देश और विदेश में रहने वाले बिहार मूल के लोगों को बिहार में निवेश, रोजगार, स्टार्टअप, शिक्षा और विकास से जुड़ी जानकारियों से जोड़ेगा।

दुनियाभर के बिहारियों को एक मंच पर लाने की कोशिशः मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, आज लाखों बिहारी देश और विदेश के अलग-अलग हिस्सों में रहकर विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। कई लोग बड़े उद्योगों, तकनीकी कंपनियों, शिक्षा, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार चाहती है कि उनका अनुभव और ज्ञान बिहार के काम आए। इसी उद्देश्य से यह डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है।

बिहार में निवेश के अवसरों की मिलेगी जानकारीः इस प्लेटफॉर्म के जरिए प्रवासी बिहारियों को राज्य में उपलब्ध निवेश और

कारोबार के अवसरों की जानकारी मिलेगी। जो लोग बिहार में उद्योग लगाना चाहते हैं या किसी परियोजना में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें जरूरी जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे बिहार में नए उद्योग लगेंगे, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य के आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों और शहरों में काम कर रहे बिहारी विशेषज्ञ अपने अनुभव और ज्ञान को बिहार के युवाओं के साथ साझा कर सकेंगे। इससे छात्रों, स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं और नए उद्यमियों को काफी फायदा होगा। यह मंच शिक्षा, तकनीक, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने का काम करेगा।

स्टार्टअप और नए उद्यमों को होगा लाभः नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार सरकार स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। नए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिहार के स्टार्टअप्स को देश-विदेश के विशेषज्ञों और निवेशकों से जुड़ने का मौका मिलेगा। इससे नए विचारों को आगे बढ़ाने और व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

इस प्लेटफॉर्म पर बिहार मूल के लोग ऑनलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। पंजीकरण के दौरान वे अपने काम, अनुभव और विशेषज्ञता की जानकारी साझा करेंगे। इसके आधार पर उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार के लोगों ने पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के किरीबुरू-मेघाहातुबुरु क्षेत्र में मंगलवार को धरती आबा बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई। आदिवासी कल्याण केंद्र किरीबुरू-मेघाहातुबुरु-प्रॉस्पेक्टिंग एवं आदिवासी सरना समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर महान जननायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना और प्रार्थना गीतों के साथ हुई। समाज के दियूरी पांडू कोंगाड़ी, जयराम पाट पिंगुआ, धनुर्जय लागुरी, लोदरो स्वासी और बुद्धआ कोंगाड़ी ने सामूहिक रूप से पूजा संपन्न कर समाज की सुख-समृद्धि और एकता की कामना की। पारंपरिक अनुष्ठान के बाद उपस्थित लोगों ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्षों और बलिदान को स्मरण किया। सभा में वक्ताओं ने युवाओं से बिरसा मुंडा के आदर्शों को अपनाने और समाज के विकास, शिक्षा तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मात्र 25 वर्ष की आयु में बिरसा मुंडा ने जो चेतना जगाई, वह आज भी देशभर के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। उनकी पुण्यतिथि केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों और संघर्षों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का दिन भी है।

अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस पर चला विशेष अभियान, सिविल डिफेंस टीम ने लोगों को किया जागरूक

पूर्वी सिंहभूम। अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस के अवसर पर मंगलवार को टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम ने शहर के विभिन्न रेलवे फाटकों और क्रॉसिंगों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा आम लोगों में रेल सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के तहत सिविल डिफेंस टीम ने जुगसलाई और सुंदरनगर रेलवे फाटक समेत कई प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों के बीच हैंडबिल वितरित कर सुरक्षित यात्रा और रेल सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। ऐसी असावधानी कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुछ मिनट बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में न डालें और हमेशा निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करें। चक्रधरपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा एवं संरक्षा अधिकारी गरियान मृणाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाना और लोगों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। अभियान में सहायक प्रशिक्षक कल्याण कुमार साहू, डेमोंस्ट्रेटर गीता कुमारी, डी. आनंद राव, वीरेंद्र कुमार, अनामिका मंडल, विनोद कुमार, रमेश कुमार, संजय कुमार, दीपक कुमार, सरस्वती मुर्मू और अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी स्वयंसेवकों ने लोगों को रेल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने और सुरक्षित व्यवहार अपनाने का संदेश दिया।

खूंटी में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मंगलवार को खूंटी में श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। आदिवासी समन्वय समिति, जल-जंगल-जमीन संस्कृति बचाओ समिति, सरना सोतो संगोम समिति, संयुक्त ग्राम सभा समिति और परम्परागत ग्राम सभा समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, पारंपरिक ग्राम प्रतिनिधियों और बिरसाइत समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ऐतिहासिक कचहरी मैदान स्थित भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इसके बाद आदिवासी परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना संपन्न हुई। उपस्थित लोगों ने धरती आबा को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने और जल, जंगल, जमीन तथा आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया। आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक मार्शल बरला ने अपने संबोधन में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट), संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट), भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची तथा पेसा कानून के महत्व पर चर्चा की। जोनसन होरो ने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं दुर्गावती ओड़ेया ने आदिवासी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि सांस्कृतिक पहचान की रक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मंगन मंजीत तिड़ू, चार्ल्स पाहन, महेंद्र सिंह मुंडा, रिजू महतो, प्रहलाद ठाकुर, जीवन होरो सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पारंपरिक ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में बिरसाइत समाज के लोग उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर जिला कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी, खूंटी ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने की। इस अवसर पर कचहरी परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत और शोषण के खिलाफ संघर्ष कर आदिवासी समाज को नई चेतना दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी अन्याय और शोषण के विरुद्ध बिरसा के उलगुलान की भावना प्रासंगिक है। मौके पर प्रदेश कोऑर्डिनेटर पीटर मुंडू, नईमुद्दीन खान, देवजीत देवघरिया, विलसन तोपनो, रविकांत मिश्रा, गोपाल भगत, प्रनीत तोपनो, गुलाम गौश, जुनैद अहमद, पौल भेंगरा, शशिकांत होरो, सुनीता गोप, जेम्स तोपनो, जुलियूस कंडुलना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिमडेगा के आमों की मिठास पहुंची लंदन, बिरसा हरित ग्राम योजना ने रचा निर्यात का नया इतिहास

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजन को मिली बड़ी सफलता, आम्रपाली आम की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप यूके रवाना

सोन वर्षा वाणी। संवाददाता

रांची/सिमडेगा। झारखंड के सिमडेगा जिले ने कृषि और बागवानी के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए राज्य को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दूरदर्शी सोच और बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन का परिणाम है कि सिमडेगा के उच्च गुणवत्ता वाले आम्रपाली आम की पहली व्यावसायिक खेप यूनाइटेड किंगडम (लंदन) के लिए रवाना की गई है। पहली बार जिले से 1322 किलोग्राम (1.32 टन) आम अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेजे गए हैं। इस उपलब्धि को झारखंड के कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। इससे न केवल स्थानीय किसानों को बेहतर बाजार मिलेगा, बल्कि राज्य के फलों को वैश्विक पहचान भी प्राप्त होगी।

कोरोना संकट में बोया गया बीज आज बना सफलता की मिसाल : इस उपलब्धि की नींव कोरोना महामारी के दौरान रखी गई थी। उस समय ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का संकट गहरा गया था। ऐसे हालात में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में बिरसा हरित ग्राम योजना की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को फलदार पौधों की खेती से जोड़कर स्थायी आजीविका उपलब्ध कराना था। वर्ष 2019-20 से 2024-25 के बीच सिमडेगा जिले के 12 हजार से अधिक किसानों ने लगभग 10,500 एकड़ भूमि पर आम्रपाली, मल्लिका और लंगड़ा किस्म के आमों की बागवानी की। आज उन्हीं किसानों की मेहनत का परिणाम अंतरराष्ट्रीय निर्यात के रूप में सामने आया है।

मार्केट लिंकेज की समस्या का मिला स्थायी समाधान : पिछले वर्ष जिले में आम का बंपर उत्पादन हुआ था, लेकिन पर्याप्त बाजार और खरीदार नहीं मिलने के कारण किसानों को अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ी थी। इस चुनौती को देखते हुए जिला प्रशासन ने इस वर्ष विशेष रणनीति अपनाई।

जिले में लगातार बायर्स-सेलर्स मीट का आयोजन किया गया और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के तकनीकी सहयोग से आमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया। निर्यात के लिए आवश्यक फाइटोसैनिटरी मानकों को पूरा करने हेतु किसानों, विशेषकर महिला किसानों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

महिला किसानों ने निभाई अहम भूमिका : सिमडेगा में महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर उभरी है। जिले में वर्तमान में 7,500 से अधिक सखी मंडल सक्रिय हैं, जिनसे करीब 93 हजार महिलाएं जुड़ी हुई हैं। आम उत्पादन और विपणन की इस प्रक्रिया में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। प्रारंभिक चरण में छह किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लगभग 300 किसानों को इस निर्यात श्रृंखला से जोड़ा गया है। पहली खेप के निर्यात में सिमडेगा सदर प्रखंड की "महिला जागृति फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड" तथा बानो प्रखंड की "बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड" ने प्रमुख भूमिका निभाई।

81 टन आम बेचने का लक्ष्य, यूरोप तक पहुंचेगा स्वाद : जिला प्रशासन ने इस सीजन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 81 टन आम की बिक्री का लक्ष्य निर्धारित किया है। अधिकारियों के अनुसार इसी सप्ताह आम की एक और खेप यूनाइटेड किंगडम भेजी जाएगी, जबकि दूसरी खेप यूरोपीय देशों के लिए रवाना की जाएगी। घरेलू बाजार में भी किसानों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए रिलायंस मार्ट के साथ सफल व्यावसायिक संपर्क स्थापित किया गया है। इससे किसानों को सीधे बड़े खरीदारों तक पहुंच मिल सकेगी।

रागी और इमली के निर्यात की भी तैयारी: सिमडेगा प्रशासन अब कृषि उत्पादों के निर्यात को और व्यापक बनाने की दिशा में काम कर रहा है। आने वाले समय में जिले से रागी और इमली जैसे उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। यदि यह प्रयास सफल रहता है तो सिमडेगा कृषि निर्यात के क्षेत्र में देश के प्रमुख जिलों में शामिल हो सकता है।

2.15 लाख ग्रामीण परिवारों को मिला स्थायी रोजगार : सिमडेगा की इस सफलता के पीछे बिरसा हरित ग्राम योजना का राज्यव्यापी प्रभाव भी है। योजना के तहत अब तक पूरे झारखंड में 1.86 लाख एकड़ भूमि पर बागवानी आधारित वृक्षारोपण किया जा चुका है। इस पहल से राज्य के लगभग 2.15 लाख ग्रामीण परिवारों को स्थायी रोजगार और आजीविका का अवसर मिला है। योजना के अंतर्गत लगाए गए पौधों में से लगभग 52 हजार एकड़ क्षेत्र अब पूरी तरह फल उत्पादन के लिए तैयार हो चुका है।

50 हजार मीट्रिक टन फल उत्पादन का अनुमान : राज्य सरकार और प्रशासन का अनुमान है कि इस वर्ष फल उत्पादन के लिए तैयार क्षेत्रों से न्यूनतम 50 हजार मीट्रिक टन फल प्राप्त होंगे। यह उत्पादन झारखंड को फल उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी गति से बागवानी और निर्यात गतिविधियों का विस्तार होता रहा तो आने वाले वर्षों में झारखंड देश के प्रमुख फल निर्यातक राज्यों में शामिल हो सकता है।

झारखंड बन रहा है कृषि निर्यात का नया केंद्र : सिमडेगा से लंदन के लिए रवाना हुई आम की पहली खेप केवल एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, किसानों की आय वृद्धि और आत्मनिर्भर झारखंड के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिरसा हरित ग्राम योजना ने यह साबित कर दिया है कि सही नीति, मजबूत बाजार व्यवस्था और किसानों की मेहनत के बल पर झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा सकता है। आने वाले समय में यह मॉडल राज्य के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर जिप सदस्य ने किया प्रदर्शन

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जिला परिषद सदस्य संख्या-9 पूर्णिमा मलिक ने मंगलवार को अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। उन्होंने परसुडीह, हरहरगुट्टू और करनडीह इलाके में सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप करने की अपील की। पूर्णिमा मलिक ने कहा कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण जगह-जगह कचरा जमा हो रहा है। साथ ही नालों की नियमित सफाई नहीं होने से कई स्थानों पर जलजमाव और गंदे पानी के बहाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने मांग की कि बागबेड़ा की तरह परसुडीह, हरहरगुट्टू और करनडीह में भी जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के माध्यम से नियमित सफाई व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए जुगसलाई नगर परिषद से विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की भी मांग की। उन्होंने शीतला चौक से व्यंगबिल तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि लगभग तीन वर्ष पूर्व इस सड़क का शिलान्यास किया गया था, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बरसात शुरू होने से पहले सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पूर्णिमा मलिक ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं को लगातार प्रशासन के समक्ष रखा जा रहा है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो स्थानीय लोगों के सहयोग से व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुईयाडीह बिरसा मुंडा चौक स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मंगलवार को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता दुलाल भुईयां सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां के साथ निमाई मंडल, कुंज बिभार, मन्नू मंडल, कमल राम यादव, बाबू दुर्गे, गौरी साहू, विशाल नायक भुईयां, सदानन्द टोप्पो, सुखरा भुईयां, सुबल प्रमाणिक सहित अनेक लोग और उनके शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने धरती आबा के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में दुलाल भुईयां ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया और समाज को आत्मसम्मान तथा अधिकारों के लिए लड़ने की सीख दी। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन त्याग, संघर्ष और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। आज की युवा पीढ़ी को उनके विचारों और संघर्षों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती आबा ने शोषण और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाकर समाज को एक नई दिशा दी थी।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(लापता लड़की समसी खातुन, उम्र–करीब 16 वर्ष)

विशुनपुरा थाना सनहा सं0–14/26 दिनांक–03.06.2026 में लापता लड़की समसी खातुन उम्र करीब–16 वर्ष, पिता –इरफान अंसारी, ग्राम–पतिहारी, पोस्ट– पिपरी कला, थाना– बिशुनपुरा, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाली है। थाना से प्राप्त आवेदन में उल्लेख किया गया है कि लापता लड़की समसी खातुन दिनांक–02.06.2026 की रात्री करीब–01:00 बजे अचानक बिना कुछ बताये अपने घर से कहीं चली गई है, तथा अबतक घर वापस नहीं आयी है।

उक्त लापता लड़की का काफी खोजबीन किया गया, परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता लड़की कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

लापता का विवरण/हुलिया :–
नाम–समसी खातुन, उम्र–करीब 16 वर्ष, चेहरा–गोरा,
लम्बाई–04 फीट 09 इंच, पहनावा– हरा रंग की कुर्ती
जींस एवं हवाई चप्पल पहनी हुई है।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 381931 Police(26-27)#D

झारखंड में 13 से 15 जून के बीच दस्तक देगा मानसून

एजेंसी। रांची

झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन का इंतजार कर रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग ने राज्य में मानसून के 13 से 15 जून के बीच पहुंचने की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अनुकूल परिस्थितियां बनी रहीं तो अगले कुछ दिनों में झारखंड में इसकी एंट्री हो जाएगी। अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले चार से पांच दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून झारखंड के अलावा मध्यवर्ती अरब सागर के कुछ हिस्सों, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के शेष क्षेत्रों तथा दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अन्य भागों में भी आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग लगातार इसकी प्रगति पर नजर बनाए हुए है। उधर, मानसून के आगमन से पहले राज्य के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और उमस लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। राजधानी रांची सहित कई जिलों में मंगलवार को सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर देखने को मिला। वातावरण में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण लोगों को दिनभर उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रांची में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम आर्द्रता 72 प्रतिशत दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक आर्द्रता के कारण शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूख पाता, उमस बढ़ जाती है तो वास्तविक तापमान से अधिक गर्मी महसूस होती है। यही वजह है कि अपेक्षाकृत कम तापमान के बावजूद लोगों को काफी असहजता का अनुभव हो रहा है। राज्य में मंगलवार को सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तापमान के ये आंकड़े बताते हैं कि झारखंड के कई इलाके अभी भी भीषण गर्मी की चपेट में हैं।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि, कहा- उनके आदर्श सदैव करते रहेंगे मार्गदर्शन

एजेंसी। रांची

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने रांची स्थित लोक भवन तथा बिरसा चौक पहुंचकर बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके संघर्ष, त्याग तथा जनजातीय समाज के उत्थान में दिए गए योगदान को स्मरण किया। लोक भवन में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के उत्थान, स्वाभिमान और राष्ट्रहित के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए आदिवासी समाज को अपने अधिकारों और अस्मिता की रक्षा के लिए संगठित किया। उनका अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष आज भी समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। इसके बाद राज्यपाल बिरसा चौक पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण की अद्वितीय गाथा है। उन्होंने जनजातीय समाज में आत्मसम्मान, स्वाभिमान और जागरूकता का संचार करते हुए राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना की मिसाल प्रस्तुत की। राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवनकाल में जिस साहस और दृढ़ता के साथ अन्याय तथा शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई, वह भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उनके नेतृत्व में चले आंदोलनों ने न केवल आदिवासी समाज को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को भी मजबूत किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श, विचार और जीवन-मूल्य आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को समाज के वंचित, कमजोर और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। साथ ही राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यह संदेश देता है कि समाज और देश के प्रति समर्पण, आत्मसम्मान तथा न्याय के लिए संघर्ष ही सच्ची राष्ट्रसेवा का मार्ग है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेना भी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यालय : जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा (झारखण्ड)

निविदा आमंत्रण सूचना

जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा द्वारा गढ़वा जिले में **5 HP Solar PV Water Pumping (Solar Lift Irrigation)** सिस्टमकी आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग एवं 5 वर्ष के रख–रखाव हेतु इच्छुक एवं योग्य फर्म/एजेंसी/संस्था से तकनीकी एवं वित्तीय निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

अनुमानित लागत : 119.99560 लाख
निविदा शुल्क :5000/–
निविदा का प्रकार : खुली निविदा
कार्य अवधि : 12 माह
ईएमडी : 3,00,000/–
चयन प्रक्रिया : QCBS (गुणवत्ता सह लागत आधारित चयन प्रणाली)

- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 24/06/2026 (11:00 पूर्वाह्न)
- निविदा खोलने की तिथि : 24/06/2026 (11:30 पूर्वाह्न)
- निविदा उपलब्धता :
  जिला कृषि कार्यालय, गढ़वा एवं वेबसाईट atmagarhwa.org.in and garhwa.nic.in

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय निविदा दस्तावेज में वर्णित हैं।
विभाग को किसी भी अथवा सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

जिला कृषि पदाधिकारी,
गढ़वा

PR 381944 Agriculture(26-27)D

कार्यालय : जिला उद्यान पदाधिकारी, गढ़वा (झारखण्ड)

निविदा आमंत्रण सूचना

जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा द्वारा इच्छुक एवं योग्य फर्म/एजेंसी/संस्था से हाईटेक सरकारी नर्सरी के विकास एवं प्रबंधन हेतु सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम :
हाईटेक सरकारी नर्सरी का विकास एवं प्रबंधन, गढ़वा जिला।
अनुमानित लागत : 46.50 लाख
निविदा शुल्क : 2000/–
निविदा का प्रकार : खुली निविदा
कार्य अवधि : 12 माह
ईएमडी : 1,00,000/–
चयन प्रक्रिया : QCBS (गुणवत्ता सह लागत आधारित चयन प्रणाली)

- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 24/06/2026 (11:00 पूर्वाह्न)
- निविदा खोलने की तिथि : 24/06/2026 (11:30 पूर्वाह्न)
- निविदा उपलब्धता :
  जिला कृषि कार्यालय, गढ़वा एवं वेबसाईट atmagarhwa.org.in and garhwa.nic.in

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय निविदा दस्तावेज में वर्णित हैं।
विभाग को किसी भी अथवा सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
गढ़वा

PR 381947 Agriculture (26-27)_D

संक्षिप्त समाचार

इंदिरापुरम के न्यायखंड-1 में सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात

साहिबाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम के न्यायखंड-1 में जल्द ही लोगों को जल्द ही

सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। सीवर की मेनलाइन डालने का कार्य पूरा हो गया था। सोमवार को सीवर की मेनलाइन को गलियों की लाइन से जोड़ने का कार्य शुरू हो गया। इसके बाद अब सोसायटी की सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। सीवर की मेन लाइन से इंटरनल लाइन से जोड़ने के बाद लोगों को सीवर चोक से होने वाले ओवरफ्लो की समस्या से निजात मिलेगी। बता दें कि न्यायखंड-1 में काफी समय से लोग सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से बेहाल हैं। दैनिक जागरण में लोगों की इस समस्या को लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। इसके बाद से कार्य में तेजी आई है। इससे लोगों को जलभराव की समस्या दूर होगी। यहां अभी नाले का निर्माण कार्य भी चल रहा है। इसमें निकासी की व्यवस्था ठीक न होने से सड़क पर जलभराव हो रहा है। सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर नाले में जा रहा है। नाला चोक होने के कारण ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। एक ओर की सड़क करीब पांच महीने से निर्माण कार्य के कारण बंद है। वहीं दूसरी ओर की सड़क पर जलभराव रहता है। ऐसे में लोगों का राह गुजरना भी मुश्किल हो गया है। जलभराव के बीच आवागमन में परेशानी हो रही है। सुबह शाम जाम की स्थिति बन जाती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि 10 दिन में काम पूरा कर लिया जाएगा।

पेंशन के लिए पिता की हत्या, सात साल पुराने केस में बेटा-बेटी को मौत की सजा

हैदराबाद, एजेंसी। एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को 2019 में सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी की हत्या के मामले में उनके बेटे और बेटी को मौत की सजा सुनाई, जबकि पत्नी

को आजीवन कारावास की सजा दी गई। 70 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या परिवार के सदस्यों ने उनकी पेंशन का लाभ लेने के लिए की थी। उन्होंने उनके भोजन में धतूरा पाउडर मिलाया और बाद में शव के टुकड़े काटकर उन्हें घर के अंदर बाल्टियों में भरकर रख दिया, क्योंकि वे उनका अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे थे। मलकाजगिरि स्थित मुख्य जिला न्यायाधीश ने अभियुक्तों को आइपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दोषी करार दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, रेलवे कर्मचारी 2000 तक मालगाड़ी चालक के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने चिकित्सा कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। तीनों दोषियों ने उनकी पेंशन और घर पर कब्जा करने के लिए उनकी हत्या की साजिश रची थी, ताकि वे मौज-मस्ती के लिए इसका इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने 15 अगस्त, 2019 को बुजुर्ग व्यक्ति को भोजन के साथ धतूरा पाउडर खिला दिया, जिससे एक दिन बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और सुबूत मिटाने के लिए उन्हें अपने घर में छह बाल्टियों में भरकर रख दिया। हालांकि, घर से दुर्गंध आने पर कुछ स्थानीय निवासियों ने 18 अगस्त को संदेह के आधार पर घर में प्रवेश किया और मानव अवशेष पाए। उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। तीनों को 21 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

छत्तीसगढ़ में कंगना रनौत: सीएम साय के साथ देखी 'भारत भाग्य विधाता', नर्सों की वीरता को सलाम

रायपुर, एजेंसी। भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग के लिए रायपुर पहुंचीं. शहर के जोरा स्थित मॉल में आयोजित स्क्रीनिंग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित मंत्री और विधायक भी विशेष स्क्रीनिंग शामिल हुए. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कंगना के अभिनय की सराहना की और कहा कि यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों के साहस और समर्पण की गाथा है. वहीं एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की और उन्हें वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक बताया.

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' स्क्रीनिंग

भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्पेशल स्क्रीनिंग सीएम विष्णु देव साय के साथ देखी. इस दौरान कंगना रनौत और मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की. रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है और वे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बनकर उभर रहे हैं. कंगना ने कहा कि पूरी दुनिया नेतृत्व के लिए उनकी ओर देख रही है और भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित होते हुए देखना गर्व की बात है.

10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने के अवसर पर कंगना रनौत ने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देशभर में जो सम्मान

और लोकप्रियता मिल रही है, वह उनकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता का परिणाम है, दुनिया उन्हें वैश्विक मार्गदर्शन के प्रतीक के रूप में देख रही है.

अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर कंगना रनौत ने लोगों से इसे देखने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि सेवा, समर्पण और साहस की प्रेरणादायक कहानी है, जिसे हर भारतीय को देखना चाहिए.

भारतीय अस्पतालों में नर्सों की वर्दी पर ब्रिटिश प्रभाव और उसे भारतीय स्वरूप देने के सवाल पर कंगना ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन नर्सों के लिए सबसे बेहतर वही होगा जो वे स्वयं पसंद करें. उन्होंने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने का अधिकार और समझ सबसे अधिक नर्सों के पास ही है. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कंगना रनौत का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए छत्तीसगढ़ को चुना, यह राज्य के लिए गौरव की बात है. मुख्यमंत्री ने कहा कि कंगना ने फिल्म में नर्स की भूमिका को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया है. मुख्यमंत्री साय ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों द्वारा दिखाई गई बहादुरी और सेवा भावना पर आधारित है. आतंकियों के हमले के बीच नर्सों ने जिस साहस के साथ घायलों की सेवा की, उसी प्रेरक कहानी को फिल्म के माध्यम से दर्शाया गया है. रायपुर में फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग केवल एक सिनेमाई आयोजन नहीं रही, बल्कि 26/11 के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दिखाई गई।

398 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन में 14 गिरफ्तार

गुजरात में साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़

उदयपुर, एजेंसी। गुजरात में पुलिस ने आपरेशन म्यूल हंट 2.0 के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि 13 म्यूल अकाउंट्स (फर्जी बैंक खातों) के जरिये 398.43 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन से संबंधित 228 अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पाटन जिले से 14 लोगों को गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई राज्य सरकार द्वारा आनलाइन धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और साइबर अपराधियों के वित्तीय नेटवर्क को नष्ट करने के अभियान के तहत की गई।

पुलिस ने बताया कि केंद्र सरकार के समन्वय पोर्टल और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीसीआरपी) पर उपलब्ध डाटा के विश्लेषण से पता चला है कि पाटन जिले के हारिज नागरिक सहकारी बैंक में खोले गए कुछ चालू खातों (करेंट अकाउंट) से संदिग्ध लेनदेन हुए हैं।

जांचकर्ताओं ने पाया कि साइबर अपराधियों ने कमीशन का लालच देकर बैंक खाते खुलवाते थे। खाताधारकों ने कथित तौर पर एटीएम कार्ड, चेक बुक, सिम कार्ड, मोबाइल नंबर और इंटरनेट बैंकिंग संबंधी क्रेडेंशियल साइबर जालसाजों को दे दिए। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधों से प्राप्त धनराशि को देशभर में ट्रांसफर करने के लिए किया गया।

एनसीसीआरपी पोर्टल पर विभिन्न राज्यों से दर्ज की गई 228 साइबर धोखाधड़ी शिकायतों से जुड़े 13 फर्जी बैंक खातों में 398.43 करोड़ रुपये के लेनदेन पाए गए। पाटन साइबर अपराध पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत 13 खाताधारकों और सात बिचौलियों सहित 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 14 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि छह अन्य फरार हैं।

मानेसर में कैसे होगी सफाई, 578 में से 210 सफाईकर्मी गैर हाजिर; एजेंसी को नोटिस जारी

मानेसर, एजेंसी। मानेसर नगर निगम सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार चर्चित रहा है। सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटालों के आरोपों के बीच नया मामला सामने आया है। नगर निगम द्वारा कराए जा रहे रोड स्वीपिंग के कार्य में 578 कर्मचारियों में 210 सफाईकर्मी ड्यूटी से गैर हाजिर मिले हैं। इसको लेकर नगर निगम के स्वच्छता अधिकारी द्वारा एजेंसी को नोटिस दिया गया है। नगर निगम द्वारा रोड स्वीपिंग का कार्य छह महीने के पेस्टटेक कंप्लीट सोलुशन नामक एजेंसी को सौंपा है। इसके लिए नगर निगम करीब साढ़े पांच करोड़ रुपये खर्च करेगा। एजेंसी के ऊपर लगातार कम सफाईकर्मी लगाने का आरोप लगाया जा रहा है। इसको देखते हुए नगर निगम की

सेनिटेशन शाखा द्वारा सफाईकर्मियों की चेकिंग की गई थी। इसमें केवल 368 सफाईकर्मी कार्य करते मिले। ऐसे में सफाई व्यवस्था पर सवालिया निशान उठ रहा है। नगर निगम क्षेत्र में एजेंसियों द्वारा सफाई के नाम पर खेलती रही हैं। लगातार आरोप लगते रहे हैं। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह फैल हो रही है। क्षेत्र में सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी कूड़ा काबू नहीं हो पाया है। लिगेसी वेस्ट के निपटान को लेकर भी नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। रोड स्वीपिंग और डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी कूड़ा फैला रहता है। नगर निगम क्षेत्र में रोजाना कूड़ा भी जलाया जा रहा है। इसको लेकर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कूड़े को जलाने वालों पर नगर निगम और हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कार्रवाई की जाती है।

नोएडा में मानसून से पहले चोक नालों से बढ़ा जलभराव का खतरा, निवासियों की बढ़ी चिंता

नोएडा, एजेंसी। मानसून की पहली वर्षा अभी तक नहीं आई है, लेकिन नोएडा के कई सेक्टरों में जलभराव का खतरा स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शहर के अधिकांश सिंचाई नाले गाद, प्लास्टिक और घरेलू कचरे से भरे पड़े हैं। लगभग 50 वर्ष पुराने नोएडा में जल निकासी की रीढ़ माने जाने वाले ये नाले अब खुद परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं।

सेक्टर-11 से लेकर सेक्टर-115 तक कई स्थानों पर नालों की सफाई अधूरी है, जबकि मानसून कभी भी दस्तक दे सकता है, लेकिन विभाग अभी तक मानसून के लिए तैयार नहीं है।

सेक्टर-11 के धवलगिरि क्षेत्र के पीछे स्थित नाले हों या सेक्टर-12 के जेड ब्लाक और सेक्टर-22 के अंदरूनी हिस्सों से गुजरनेवाले नाले, अधिकांश जगहों पर हालात चिंताजनक हैं। कहीं नालों में कूड़े के ढेर जमा हैं तो कहीं जल निकासी का रास्ता पूरी तरह संकरा हो चुका है। सेक्टर 27, 73, 74, 76 में भी नाले कूड़े के ढेर से भरे हुए हैं, जबकि सेक्टर-83 में नाले की कम चौड़ाई और

गंदगी स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ा रही है। वहीं, सेक्टर 115 के नाले के भी हालात अच्छे नहीं हैं। सेक्टर 47 की नालियां भी चाक हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी सफाई अभियान देर से शुरू हुआ। कई जगहों पर नालों से निकाली गई गाद और कचरा किनारे छोड़ दिया गया है। बारिश होने पर यही कचरा दोबारा नालों में पहुंच जाता है और सफाई अभियान महज कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है।

चोक नाले केवल जलभराव की वजह नहीं हैं, बल्कि ये बदबू, मच्छरों और चूहों के सुरक्षित ठिकाने भी बन चुके हैं।

वाह रे वाह ! नगर निगम... ट्यूबवेल लगाया, पर प्यासे लोगों को पानी नहीं मिल पाया

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में इस समय पेयजल संकट है। कई सेक्टर व कॉलोनियां ऐसी हैं, जहां तीन से चार दिन में पानी आ रही है। एनआईटी की डबुआ कॉलोनी के कई क्षेत्रों में भी काफी पेयजल संकट बना हुआ है। लोगों ने नगर निगम में शिकायत की है, मगर समाधान नहीं किया गया है। रति राम मार्ग पर स्थित मानस भारती पब्लिक स्कूल के नजदीक लगभग डेढ़ महीना पहले एक ट्यूबवेल लगा दिया गया, जिसे अब तक चालू नहीं किया गया है।

पता चला है कि इसमें कुछ कमी रह गई है जिसे पूरा नहीं किया जा रहा है। इस गर्मी में पानी की गंभीर समस्या से स्थानीय निवासी को जूझना पड़ रहा है।

कॉलोनी वासियों की शिकायत है कि पानी उपलब्ध कराने के मामले में नगर निगम गंभीर नहीं है। लोगों को मजबूरी में दूर दराज के क्षेत्रों में जाकर पानी का इंतजाम करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर निगम अधिकारियों के कार्यालय जाकर शिकायत दर्ज कराई है। पेयजल आपूर्ति बेहतर करने की मांग की है।

फिलहाल शहर में पेजयल किल्लत है। मांग 450 एमएलडी तो आपूर्ति 330 एमएलडी प्रतिदिन हो पा रही है। मांग व आपूर्ति में अधिक अंतर होने की वजह से शहर की काफी आबादी टैंकरों के पानी पर निर्भर है। नगर निगम द्वारा टैंकर मुहैया नहीं कराए जाते। लोगों को अपने स्तर पर इंतजाम करना होता है। सबसे अधिक दिक्कत बल्लभगढ़ व एनआईटी में है।

हम पानी के लिए भटकने को मजबूर हो गए हैं। नया ट्यूबवेल लगने के बाद भी घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। जब भी पानी देने की मांग की जाती है तो कोई सुनवाई नहीं करता है। इस गर्मी में जल संकट से परेशान दर्जनों किराएदार शाम को नौकरी से आने के बाद देर रात तक पानी के लिए भटकते नजर आते हैं। कई महीने से पानी नहीं मिलने के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी परेशान हैं। कई गलियों के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। लोग मजबूरी में आसपास के क्षेत्र में जाकर पानी भर रहे हैं। - दशरथ गुप्ता ट्यूबवेल को चेक करवा लेते हैं। कोई समस्या होगी तो उसका समाधान कराया जाएगा। पेयजल आपूर्ति के मामले में लोगों को राहत दी जाएगी। 330 एमएलडी हो रही है सप्लाई 40 से अधिक कालोनियों में हैं पेयजल संकट 10 रेनीवेल और लगाए जा रहे हैं नदी किनारे।

5300 भारतीय सिम कार्ड से कंबोडिया का गिरोह कर रहा था साइबर ठगी, अब ईडी कसेगी शिकंजा

जयपुर, एजेंसी। ईडी ने देश में 5,300 सिम कार्ड की खरीद से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। इसका उपयोग कंबोडिया में एक मलेशियाई नागरिक के नेतृत्व वाले गिरोह द्वारा पूरे भारत में साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए किया गया था। जांच एजेंसी ने पांच जून को लुधियाना के अलावा राजस्थान के किशनगढ़, नागौर और जोधपुर में सात परिसर की तलाशी ली थी। इसी के आधार पर 30 घरेलू बैंक खातों की पहचान हुई। जो इस धोखाधड़ी नेटवर्क का हिस्सा हैं। लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया यह मामला जोधपुर पुलिस की उस प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें कुछ पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल्स) विक्रेताओं के खिलाफ भारतीय सिम को धोखाधड़ी से सक्रिय करने और उन्हें एक मलेशियाई नागरिक को सौंपने का आरोप लगाया गया था। ईडी के अनुसार कंबोडिया के ठगी गिरोहों से जुड़े कई साइबर अपराध के मामले सामने आए हैं। इनमें डिजिटल अरेस्ट भी शामिल है। इन मामलों में भारतीयों को साइबर अपराध के जरिये

फंसाया गया है। ईडी ने बताया कि उसने 2.3 लाख नंबरों (सिम कार्ड) का विश्लेषण किया। इसमें पता चला कि उनमें से लगभग 36 हजार कंबोडिया में सक्रिय थे, जिनमें से लगभग 5,300 का इस्तेमाल वॉट्सएप काल कर पूरे भारत में सैकड़ों करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी करने में किया गया। एजेंसी के अनुसार, तलाशी के दौरान सामने आया कि राहुल कुमार झा, मोहम्मद शरीफ और संदीप भट्ट ने प्रकाश भील, रामअवतार राठी, हरीश मालाकार और हेमंत पनवार नामक अन्य सिम विक्रेताओं के साथ मिलकर मलेशियाई नागरिक को सैकड़ों सिम कार्ड की आपूर्ति की।

राजस्थान राज्यसभा चुनाव: सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर ने भरा नामांकन

जयपुर, एजेंसी। देश के कई राज्यों में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया के बीच भाजपा ने राजस्थान में भी अपनी तैयारियों को तेज कर दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर ने सोमवार को राजस्थान से की दो सीटों के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले सतीश पूनिया ने जयपुर स्थित प्रसिद्ध श्री गोविंद देव जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर पिंक सिटी के मुख्य देवता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने इस अवसर की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंद देव जी महाराज के दर्शन कर उन्होंने सफलता के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में अपनी जीत को लेकर भरोसा जताया है। राज्यसभा डॉ. अल्का सिंह गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपने नॉमिनेशन पेपर फाइल किए। इससे पहले दोनों उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन फाइल करने से पहले भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की।

भाजपा ने दो सीटें जीतने का किया दावा

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है। राजस्थान विधानसभा में पार्टियों की मौजूदा संख्या के आधार पर भाजपा का दो सीटें जीतना लगभग तय है, जबकि कांग्रेस को तीसरी सीट मिलने की उम्मीद है। राजस्थान की तीन सीटों के लिए वोटिंग 18 जून को होगी। राजनीतिक सलाहकारों का मानना ??है कि पूनिया (एक प्रमुख जाट नेता) और गुर्जर (एक अच्छी पकड़ वाले गुर्जर चेहरे) को चुनना राजस्थान में चुनावी रूप से अहम दो समूहों के बीच समर्थन मजबूत करने की एक सोची-समझी कोशिश है। जाट और गुर्जर समुदाय कई विधानसभा क्षेत्रों में असर रखते हैं और भाजपा का यह कदम इन समूहों के कांग्रेस के मजबूत नेताओं का मुक़ाबला करने के लिए है। यह सामाजिक संतुलन पार्टी की 2028 के राज्य चुनावों की तैयारियों से भी जुड़ा है। विधानसभा में भाजपा के पास मजबूत बहुमत है। उम्मीद है कि सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर दोनों ही आने वाले राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल करेंगे जाट और गुर्जर समुदाय कई विधानसभा क्षेत्रों में असर रखते हैं। मुकाबला करने के लिए है।

सीएम भजन लाल शर्मा ने दी शुभकामनाएं

सीएम भजन लाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भाजपा राज्यसभा प्रत्याशी सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर के नामांकन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दोनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

संपादकीय

पूरी दिल्ली में होना चाहिए अवैध और जर्जर इमारतों का सर्वे

सवाल है कि इमारत जर्जर हो गई थी, तो संबंधित विभाग ने समय रहते इसे खाली क्यों नहीं कराया। अगर यह प्राथमिक कदम उठा लिया गया होता, तो एक बड़ा हादसा टल सकता था।दिल्ली में साकेत के पास एक इलाके में शनिवार को पांच मंजिला इमारत ढह जाने से पांच विद्यार्थियों सहित छह लोगों की मौत की खबर ने फिर यही साबित किया है कि सरकारी तंत्र के भीतर किस हद तक लापरवाही और गैरजिम्मेदारी का आलम पसरा हुआ है। इस घटना में कई लोग घायल भी हो गए। बचाव अभियान में चौदह लोगों को बाहर निकाला गया।इस हादसे से सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि जब यह हादसा हुआ, उस समय इमारत की ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य किसकी अनुमति से हो रहा था। नियमों का उल्लंघन कर इसकी मंजूरी किस स्तर पर दी गई? हालांकि नगर निगम के दो अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया है। इतने बड़े हादसे पर यह कार्रवाई बहुत छोटी है।कायदे से उन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए, जिन पर उस भवन के निर्माण और नक्शे की मंजूरी देने का जिम्मा था। मजिस्ट्रेट के स्तर पर जांच के बाद संबंधित अधिकारियों को छानबीन के घेरे में लाया जाना चाहिए।मगर वास्तव में यह प्रशासन और नगर निकाय की लापरवाही का एक और ज्वलंत उदाहरण है। सवाल है कि इमारत जर्जर हो गई थी, तो संबंधित विभाग ने समय रहते इसे खाली क्यों नहीं कराया। अगर यह प्राथमिक कदम उठा लिया गया होता, तो एक बड़ा हादसा टल सकता था।कोई भी इमारत एक दिन में अचानक नहीं गिरती। उसमें संरचनात्मक कमजोरी धीरे-धीरे सामने आ रही होती है। साकेत में जो इमारत ढह गई, समय रहते उसके मालिक और नगर निगम के अभियंताओं ने सजगता क्यों नहीं बरती और निर्माण मानकों का उल्लंघन क्यों होने दिया गया। उस इमारत में अवैध निर्माण किए जाते रहे और अधिकारी आंखें मूंदे रहे, तो दरअसल यह आपराधिक लापरवाही है।साकेत में हुई घटना पूरी दिल्ली के लिए सबक होनी चाहिए। यहां कई व्यावसायिक और रिहाइशी इमारतें हैं जो भवन निर्माण की कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। पिछले दो-तीन दशकों में राजधानी में भवनों के निर्माण का जिस तरह व्यावसायीकरण हुआ है, उसके नतीजे सामने आने लगे हैं। जर्जर होती कोई इमारत कब ढह जाए, कहा नहीं जा सकता। अवैध और जर्जर इमारतों का पूरी दिल्ली में सर्वे और निरीक्षण होना चाहिए, ताकि समय रहते नागरिकों की जान बच सके।

लोग अपराध कर क्यों रहे हैं, इस मनोविज्ञान को समझना भी जरूरी

देश में यह एक नई तस्वीर बन रही है कि आर्थिक असुरक्षा और बदहाली की स्थिति लोगों के मनोविज्ञान पर गहरा और घातक असर डाल रही है।सवाल है कि क्या केवल सख्ती के दावे और हिदायतों के दम पर राज्य में अपराध और आपराधिक मानसिकता वाले लोगों पर काबू पाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में हाल में हत्या की कई घटनाओं से साफ है कि अपराध पर काबू करने के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत क्या है। ऐसा लगता है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य की सरकार और पुलिस बेफिक्र हैं और दूसरी ओर अपराधियों का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। यह बेवजह नहीं है कि हत्या की लगातार कई वारदातों के बाद विपक्षी दलों की ओर से सरकार को कठघरे में खड़ा किया जाने लगा है।दरअसल, बीते कुछ दिनों के भीतर उत्तर प्रदेश में एशियाई खेलों के लिए चुने गए एक पैरा-एथलीट और एक राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी महिला खिलाड़ी सहित हत्या की अन्य घटनाओं के बाद सरकार इस बात के लिए आलोचना के कठघरे में है कि क्या राज्य की कानून-व्यवस्था ठप हो चुकी है।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हाल में पिछले कुछ समय से लगातार बड़ी आपराधिक घटनाओं की वजह से खुद मुख्यमंत्री योगी के भीतर काफी नाराजगी देखी गई और उन्होंने ज्यादा अपराध दर वाले जिलों के पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी।सवाल है कि क्या केवल सख्ती के दावे और हिदायतों के दम पर राज्य में अपराध और आपराधिक मानसिकता वाले लोगों पर काबू पाया जा सकता है। अगर ऐसा संभव हो पाता, तो आज राज्य सरकार जघन्य अपराधों में तेज बढ़ोतरी के लिए खुद को आलोचना के घेरे में खड़ा नहीं पाती।

सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए।

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

(योगेश कुमार गोयल)

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है। यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है। तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है। इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

(ललित गर्ग)

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है। भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6117

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6116

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 6117

संकेतः बाएं से दाएं
1. हिंदी महासागर में स्थित इस दे ने 17 अक्टूबर 2009 को पानी के अंदर दुनिया की पहली कैबिनेट बैठक कर सभी राष्ट्रों को ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से आगाह करने की कोशिश की (4)
4. ये प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा दशरथ की पिता थे (2)
6. मणि, रत्न, अदद, संख्या (2)
7. नया जमाना, जागरण प्रकाशन का एक अखबार (5)
9. पुत्र, बेटा, सूरज (अंग्रेजी)(2)
10. एक राजनीतिक दल (2)
11. अक्टूबर 1988 का संक्षिप्त नाम (2)
12. घड़ा, गगरा (2)
14. पैरवी करना, वकील होने का भाव (4)
16. गाय का मल यह कहलाता है (3)
17. रमण कराना, अनुरक्त कराना या बनाना (3)
19. हस्तगत करना, ग्रहण करना (2)
20. मैथलीशरण गुप्त की एक प्रसिद्ध कृति (3)
22. यह फिलीपींस देश की राजधानी है (3)
23. दिल्ली की यह इमारत भारत के पांचवे मुगल बादशाह शाहजहां ने बनवाई थी (4)

ऊपर से नीचे
1. पंजाब की सतलुत नदी और असम की ब्रह्मपुत्र नदी इसी झील से निकलती है (6)
2. वे दिन जिनमें विवाह आदि के मुहुर्त निकाले जाते है, तल्लीनता (3)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. भारत केपूर्व टेस्ट क्रिकेटर (6)
6. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म गुड्डी थी (2)
8. मुस्लिम संप्रदाय का एक प्रमुख त्यौहार (2)
11. विस्मरण करना, विस्मृत करना (3)
13. रिक्त स्थान की पूर्ति करना, उड़लेना (3)
15. जयशंकर प्रसाद का प्रबंध काव्य (4)
15. मरीज, बीमार, जिसे रोग लगा हो (2)
18. परिवार हीनता, वेयक्तिकता, निर्जनता (3)
21. पेंदा, नीचे की सतह (2)

वर्ग पहेली 6116 का हल

ह	र	गो	विं	द	खु	रा	ना
रि		ल	ट		दा	ग	ना
द्वा	रा		र	जा	ई		ना
र	ज	त		या		रो	
	स्था	प	ना		दा	गी	
सु	न	ना		भा	ला		अ
जा			बा	व	न	ग	जा
ता	श	कं	द			ज	न

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन आर्थिक रूप से काफी सुखद संकेत दे रहा है। बृहस्पतिदेव और शुक्रदेव का मिला-जुला प्रभाव आपके घर या प्रॉपर्टी से जुड़े रुके हुए कामों में गति लाएगा। बस एक सलाह है शाम के वक्त भावनाओं में बहकर फालतू खर्च करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आज मंगलदेव की ऊर्जा आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट में लीडर के रूप में आगे रखेगी।

वृष
आज टैक्स, पुराने कर्ज या साझा पैसों के मामलों को निपटा लें, तो मन बहुत हल्का हो जाएगा। आपको आर्थिक बोझ कम करने के नए रास्ते मिलेंगे। करियर में आज आपको गहराई से सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। किसी रिसर्च या स्ट्रेटेजिक काम में आज आपकी भूमिका अहम होगी। ऑफिस में काम की पारदर्शिता बनाए रखें।

मिथुन
आज अपनी शिक्षा या नई स्किल सीखने पर थोड़ा ध्यान दें, यह आने वाले कल के लिए सबसे बड़ा निवेश है। धीरे-धीरे ही सही, पर आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। करियर में आज आपको ट्रेनिंग लेने का मौका मिल सकता है, इसे हाथ से न जाने दें।

तुला
आज आर्थिक तरक्की लेकर आ रहा है। आप अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए थोड़ा खर्च कर सकते हैं, पर बहुत ज्यादा आत्मविश्वास से आज बचें। करियर में काम का तालमेल आज बहुत अच्छा रहेगा। अगर आप ऑफिस में लीडरशिप की भूमिका में हैं, तो आज का दिन शानदार रहेगा।

वृश्चिक
पैसों के मामले में आज थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। सट्टेबाजी या जोखिम भरे निवेश से आज बिल्कुल दूर रहें। आज ऑफिस में कोई भी बड़ा विवाद खड़ा करने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना ही सबसे बेहतर है। आज चुपचाप मेहनत करना आपको दिखावे से ज्यादा पहचान दिलाएगा। प्लानिंग और तैयारी पर आज आपका ज्यादा जोर रहना चाहिए।

धनु
आज थोड़ा रुककर चलना ही बुद्धिमानी है, क्योंकि हड़बड़ी में लिए गए फैसले आज काम के नहीं होंगे। शुक्रदेव का प्रभाव शाम से आपके लिए कामकाज में कुछ नए और सुनहरे मौके ला सकता है, पर किसी भी कागजी काम को ध्यान से पढ़ना न भूलें। आज अगर आप अपनी कार्यशैली में थोड़ी लचीलापन लाएंगे, तो आपको सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

कर्क
आज का दिन एग्रीमेंट या पार्टनरशिप के मामलों में बहुत सोच-समझकर चलने वाला है। अपनी बात को जितना सरल और स्पष्ट रखेंगे, उतना ही बेहतर परिणाम आपको मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपके सहकर्मियों और क्लाइंट्स के साथ मजबूत रिश्ते बहुत काम आएंगे। आपकी सूझबूझ ऑफिस की उलझनों को सुलझाने में आज बहुत मददगार साबित होगी।

सिंह
आज अपने आर्थिक लक्ष्यों को लेकर काफी केंद्रित रहने वाले हैं। कमाई के नए साधन बढ़ाने की इच्छा आज आपको खूब प्रेरित करेगी, बस इस जल्दीबाजी में कोई गलत निवेश करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आज काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है। लेकिन आपके नए और अनोखे आइडियाज आज बॉस को काफी प्रभावित करेंगे।

कन्या
आज अनुशासन और सीख को अपने जीवन में उतारें। आपकी रचनात्मकता और पढ़ाई से जुड़े कार्यों में धन लाभ के योग बना रहा है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी कलात्मक भूमिका और काम करने का अलग अंदाज सबको पसंद आएगा। अपनी मेहनत और काबलियत पर पूरा भरोसा रखें। धैर्य और निरंतरता ही आज आपके करियर के बड़े सपनों को हकीकत में बदलने की असली चाबी है।

मकर
आज का दिन सामाजिक मेलजोल और नेटवर्किंग से मुनाफा लाने वाला है। धीरे-धीरे आपकी आय के नए स्रोत बनेंगे। करियर में आज आप अपनी टीम के साथ मिलकर जो भी काम करेंगे, उसमें सफलता के योग बन रहे हैं। ऑफिस में आपकी ऑर्गनाइजेशन स्किल्स की आज जमकर तारीफ होगी। हालात के हिसाब से खुद को थोड़ा फ्लेक्सिबल रखेंगे।

कुंभ
करियर में आज तरक्की का नया दौर शुरू हो रहा है। शुक्रदेव आज आपके करियर क्षेत्र को प्रभावित कर रहे हैं, बस भावनाओं में आकर किसी को पैसा उधार देने से बचें। करियर में आपकी पहचान बढ़ेगी और बड़े लोग आपके काम को नोटिस करेंगे। अपनी प्रोफेशनल छवि बनाए रखें और छोटे-मोटे फायदे के बजाय अपने बड़े लक्ष्यों पर नजर रखें। आज की आपकी कार्यकुशलता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

मीन
आज आपकी बुद्धिमानी और निर्णय लेने की क्षमता तेज रहेगी। आप अपनी कमाई के नए और बेहतरीन तरीके ढूंढ पाएंगे। करियर में आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेंगी। इंटरव्यू हो या क्लाइंट के साथ मीटिंग, आज आप अपनी बातों से सबको प्रभावित कर लेंगे। आज का दिन नए लोगों से जुड़ने के लिए बहुत ही शानदार है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

फुटबॉल विश्व कप से निकल सकते हैं नए सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर वर्ल्ड कप नए स्टार्स को जन्म देता है। कुछ को लोग जानते हैं, कुछ को नहीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 11 जून से शुरू होने वाला है, ऐसे में उन 10 खिलाड़ियों पर नजर डालना दिलचस्प होगा जिनके करियर, मार्केट वैल्यू और ग्लोबल पहचान में अगले कुछ महीनों में सबसे ज्यादा बदलाव आ सकता है।

लैमिन यमल (स्पेन, उम्र 18)- फुटबॉल के सबसे होनहार टैलेंट्स में से एक। एक शानदार वर्ल्ड कप उन्हें 'बैलन डी 'ओर' की चर्चा में तेजी से आगे ला सकता है। इतने कम उम्र के खिलाड़ी के लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है।

एंड्रिक (ब्राजील, उम्र 19) - ब्राजील का नया वंडरकिड (अद्भुत प्रतिभा वाला युवा)। वर्ल्ड कप उन्हें दक्षिण अमेरिका से बाहर भी घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनने का मौका देता है।

अर्दा गुलेर (तुर्की, उम्र 21) - तुर्की की क्रिएटिव जान और शायद 2000 के दशक की शुरुआत वाली पीढ़ी के बाद से उनका सबसे बड़ा टैलेंट।

केनन यिल्डिज़ (तुर्की, उम्र 21)-यूरोप के सबसे तेजी से उभरते युवा अटैकर्स में से एक और ऐसा खिलाड़ी जो सबसे बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने की काबिलियत रखता है।

वॉरेन जायर-एमरी (फ्रांस, उम्र 20)- फ्रांस का अगला मिडफ़ील्ड लीडर, जो ऐसे टूर्नामेंट में आ रहा है जहां जगह बनाने के लिए मुकाबला पहले से कहीं ज़्यादा कड़ा है।

बेंजामिन सेस्को (स्लोवेनिया, उम्र 23) - एक जबरदस्त स्ट्राइकर जो एक देश की उम्मीदें लेकर चल रहा है और कुछ बड़ी टीमों को चौंका सकता है।

मोहम्मद अमौरा (अल्जीरिया, उम्र 26) - अफ्रीका के सबसे खतरनाक फॉरवर्ड्स में से एक और असल में बड़े मंच पर छाने का दम रखने वाला खिलाड़ी।

फ्रेंको मास्टंटुओनो (अर्जेंटीना, उम्र 18)- टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक और अर्जेंटीना का अगला बड़ा टैलेंट माना जाता है।

डेसिरे डौए (फ्रांस, उम्र 21) - एक ऐसा खिलाड़ी जिसे कई स्काउट्स पहले से ही यूरोप के बेहतरीन युवा टैलेंट्स में गिनते हैं।

सैंटियागो जिमेनेज (मेक्सिको, उम्र 25) - मेजबान देश की टीम की कमान संभाल रहे हैं, और उनके पास मैक्सिकन फुटबॉल का चेहरा बनने का मौका है। वर्ल्ड कप में कुछ ही हफ्तों में फुटबॉल खिलाड़ियों का करियर बदलने की क्षमता होती है। फीफा 2026 वह मौका हो सकता है जब ये खिलाड़ी शानदार टैलेंट से ग्लोबल स्टार बन जाएं।

होवलैंड और फॉक्स डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के शानदार खिलाड़ियों की सूची में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीपी वर्ल्ड टूर और पीजीए टूर के विजेता विक्टर होवलैंड और रयान फॉक्स 15-18 अक्टूबर, 2026 को दिल्ली में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के दूसरे एडिशन के लिए शानदार खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होने जा रहे हैं। दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी एक बार फिर दिल्ली गोल्फ क्लब में 4,000,000 डॉलर के इस बहुप्रतीक्षित इवेंट में खेलेंगे - होवलैंड और फॉक्स, यूरोपियन राइडर कप के तीन स्टार खिलाड़ियों - मौजूदा चैंपियन टॉमी फ्लीटवुड, लगातार दो बार मास्टर्स जीतने वाले रोरी मैकलराय और मेजर चैंपियन जस्टिन रोज - के साथ शामिल होंगे। होवलैंड डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में दूसरी बार हिस्सा ले रहे हैं; पिछले साल अक्टूबर में अपने डेब्यू पर वे संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे थे। नॉर्वे के 28 वर्षीय खिलाड़ी डीपी वर्ल्ड टूर और पीजीए टूर दोनों पर जीत हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे। तीन बार राइडर कप खेल चुके होवलैंड, 2023 में रोम और पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क में यूरोप की ऐतिहासिक लगातार जीत का हिस्सा थे। डीपी वर्ल्ड टूर के चार बार के विजेता फॉक्स इस साल दिल्ली गोल्फ़ क्लब में खेलकर भारत में अपना प्रोफेशनल डेब्यू करेंगे।

इंडिया-श्रीलंका-ए ट्राई सीरीज का पहला मुकाबला

शुरुआती झटकों के बाद गायकवाड़ का शतक, भारत ए ने बनाए थे 278

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका में खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ए ने कप्तान तिलक वर्मा के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित करते हुए 50 ओवर में 277/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी (14) तथा प्रभसिमरन सिंह (2) जल्दी पवेलियन लौट गए।

गायकवाड़ ने खेली कप्तानी अंदाज वाली शतकीय पारी - मुश्किल परिस्थितियों में ऋतुराज गायकवाड़ ने जिम्मेदारी संभाली और शानदार 101 रन की पारी खेली। उन्होंने 114 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 3 छक्के लगाए। गायकवाड़ ने पहले प्रियांश आर्या और फिर कप्तान तिलक वर्मा के साथ अहम साझेदारियां कर भारत ए को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। यह गायकवाड़ के लिस्ट-ए करियर का 21वां शतक रहा, जिसने चयनकर्ताओं का ध्यान एक बार फिर उनकी ओर खींच दिया।

तिलक वर्मा के साथ 150 रन की साझेदारी - 69 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद तिलक वर्मा और गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 150 रन जोड़कर श्रीलंकाई गेंदबाजों को लंबे समय तक विकेट से दूर रखा। तिलक वर्मा ने 97 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 1 छक्का शामिल था। दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारत ए की रन गति कुछ धीमी पड़ गई, लेकिन निचले क्रम ने शानदार फिनिश दिया।

बडोनी-शेडगे ने आखिरी ओवरों में मचाया धमाल - अंतिम ओवरों में आयुष बडोनी और सूर्यांश शेडगे ने आक्रामक बल्लेबाजी कर स्कोर को 277 तक पहुंचाया। बडोनी ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि शेडगे ने सिर्फ 14 गेंदों में 26 रन ठोक दिए। 49वें ओवर में शेडगे ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाकर मैच का रुख भारत ए की ओर पूरी तरह मोड़ दिया।

श्रीलंका ए की सतर्क शुरुआत - 278 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ए की टीम ने संभलकर शुरुआत की। अनुभवी निरोशन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने 35 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 190 रन बना लिए। भारत ए की ओर से अंशुल कंबोज और अर्शद खान नई गेंद से गेंदबाजी की शुरुआत कर चुके हैं।

वैभव 12 रन ही बना सके

वैभव 14 रन बनाकर हुए आउट, 3 चौके लगाए - आईपीएल के बाद आज वैभव सूर्यवंशी पहली बार मैदान में उतरे। इंडिया-ए ट्राई सीरीज का पहला मुकाबला आज खेला खेला जा रहा है। वैभव श्रीलंका के खिलाफ रिकॉर्ड बनाने के लिए उतरे थे, पर 14 रन बनाकर वे आउट हो गए। उन्होंने 3 चौके लगाए हैं।

मो. शिराज ने उनका विकेट लिया। दूसरे ओवर में वैभव ने 2 चौके लगाए। उन्होंने मोहम्मद शिराज की पहली और तीसरी बॉल को बाउंड्री के बाहर पहुंचा दिया। मैच श्रीलंका के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में चल रहा है। वन-डे ट्राई सीरीज की तीसरी टीम अफगानिस्तान-ए है।

प्रियांश आर्य अजीब तरह से रन आउट हुए, थर्ड अंपायर ने भी नहीं दिया ध्यान

मंगलवार को श्रीलंका ए और इंडिया ए के बीच ट्राई-नेशन सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में एक बहुत ही अजीब रन-आउट देखने को मिला। वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह के जल्दी आउट होने के बाद भारतीय पारी को संभालने की जिम्मेदारी प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने निभाई। हालांकि प्रियांश एक चौंकाने वाले रन-आउट का शिकार हुए और उनकी पारी समय से पहले ही खत्म हो गई। फैंस इस बात से हैरान थे कि थर्ड अंपायर ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि प्रियांश का बल्ला विकेट-कीपर के पैर से रुक गया था। यह घटना पारी के 13वें ओवर में हुई। ऋतुराज ने गेंद को लॉन्ग-ऑफ की तरफ खेला और प्रियांश को दो रन लेने के लिए बुलाया। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश ने पहले तो हामी भरी, लेकिन बाद में हिचकिचाने लगे। आखिर में प्रियांश और ऋतुराज दोनों पिच के एक ही छोर पर पहुंच गए। हालांकि ऋतुराज अपने साथी से पहले क्रीज तक पहुंचे जिससे वह आउट से बच गए। प्रियांश समय रहते अपनी क्रीज तक नहीं पहुंच पाए क्योंकि स्ट्राइकर एंड तक पहुंचने की होड़ में ऋतुराज से आगे निकलने की कोशिश करते समय उनका बल्ला विकेट-कीपर निरोशन डिकवेला के पैर के नीचे फंस गया था। सोशल मीडिया पर कुछ फैंस ने इस आउट होने के तरीके पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि अगर प्रियांश का बल्ला विकेट-कीपर के पैर के नीचे न फसा होता, तो वे ऋतुराज से पहले क्रीज तक पहुंच जाते।

सिराज: टी-20 सीरीज से बाहर

● आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था चयन ● BCCI ने प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया कि सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दोनों टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के साथ चर्चा के बाद लिया गया है। मोहम्मद सिराज को लंबे अंतरराष्ट्रीय सीजन को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त रिकवरी का समय देने के लिए आराम दिया गया है। बीसीसीआई ने इसे एहतियाती कदम बताया है ताकि वह आने वाले मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रह सकें। मोहम्मद सिराज पिछले कुछ समय से भारतीय टीम के अहम तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपनी रफ्तार, स्विंग और आक्रामक गेंदबाजी से टीम के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में योगदान दिया है। हालांकि, लगातार क्रिकेट खेलने के कारण खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करना टीम मैनेजमेंट की प्राथमिकता बनी हुई है। मोहम्मद सिराज की जगह टीम में शामिल किए गए प्रसिद्ध कृष्णा लंबे समय से भारतीय टीम के साथ जुड़े रहे हैं। उनकी तेज गेंदबाजी और उछाल भरी पिचों पर प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका दिया है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अब प्रसिद्ध कृष्णा टीम का हिस्सा होंगे। भारतीय टीम का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को मौका देने के साथ-साथ आगामी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए मजबूत संयोजन तैयार करना होगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ T20- सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप कप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

पंड्या की वापसी का रास्ता साफ

BCCI की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान सीरीज में खेलना तय

नई दिल्ली। टीम इंडिया और उसके फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने आगामी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में कुछ मुकाबलों से बाहर रहने के बाद हार्दिक पंड्या ने फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अब वह 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौती के लिए तैयार हैं। 32 साल के हार्दिक पंड्या की आईपीएल में पीठ में ऐंठन (back spasms) के कारण मुंबई इंडियंस के लिए कई मैच नहीं खेल पाए थे। वह दो जून 2026 से बेंगलुरु में छ्श्श्व में हैं।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्र के हवाले से लिखा, CoE में आने से पहले हार्दिक विदेश में छुट्टियां मना रहे थे। अगले पांच दिनों में उन्होंने कई मैच सिमुलेशन किए और 10 ओवर (पूरा कोटा) गेंदबाजी भी की। सूत्र ने बताया, हार्दिक पंड्या को कोई परेशानी नहीं हुई और जानकारी के मुताबिक सीओई में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच ने अलग-अलग पैमानों पर उनके फिटनेस डेटा को मंजूरी दे दी है।

सोमवार आठ जून 2026 को भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच सितांशु कोटक ने कहा था कि भले ही उनके पास हार्दिक पंड्या की फिटनेस के बारे में कोई ताजा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें लगता है कि यह ऑलराउंडर ठीक है।

हार्दिक पंड्या भारत के व्हाइट-बॉल सेटअप का एक अहम हिस्सा हैं, क्योंकि वह अपनी तेज गेंदबाजी और डेथ ओवरों में जोरदार हिटिंग से टीम को संतुलन देते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि हार्दिक पंड्या ट्रेनिंग सेशन में 10 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

हालांकि, यह साफ नहीं है कि हार्दिक पंड्या लाइट्स में ट्रेनिंग सेशन के लिए चंडीगढ़ में टीम के साथ जुड़ेंगे या सीधे धर्मशाला में मिलेंगे, जैसा कि मूल योजना थी। इस बीच, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी अपनी हैमस्ट्रिंग की तकलीफ की जांच के लिए CoE में हैं।

FIFA World Cup

22 संस्करण में केवल 6 मेजबानों ने जीते हैं फुटबॉल वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप वर्ल्ड कप का पहली बार आयोजन 1930 में हुआ था और अब तक के 22 संस्करण हुए हैं और सिर्फ छह देशों ने अपनी मेजबानी में यह खिताब जीता है। इसमें मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना भी शामिल है। अपनी मेजबानी में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप उरुग्वे ने जीता था।

उसने फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर 1930 का वर्ल्ड कप जीता था।1934 में अगले वर्ल्ड कप में भी मेजबान ने ही खिताब जीता। इटली ने जीत दर्ज की थी। इसे आज भी इतिहास का टूर्नामेंट का सबसे भ्रष्ट संस्करण माना जाता है। उस समय के इतालवी प्रधानमंत्री बेनिटो मुसोलिनी ने इसमें खुलकर दखल दिया था। इसके बाद1966 तक किसी मेजबान देश ने वर्ल्ड कप नहीं जीता। 1966 इंग्लैंड ने अपनी मेजबनी में आज तक अपना एकमात्र खिताब जीता। 1970 के दशक में दो मेजबान देशों ने अपनी सरजमीं पर टूर्नामेंट जीता।

चार दशक का सूखा अब खत्म हो सकता है- 1974 में पश्चिम जर्मनी और 1978 में अर्जेंटीना ने खिताब जीता। 1998 में फ्रांस अपने देश में वर्ल्ड कप जीतने वाला आखिरी देश बना। लगभग चार दशक का सूखा अब खत्म हो सकता है। 2026 और 2030 के वर्ल्ड कप को 9 देश मिलकर मेजबानी करेंगे। ऐसे में मेजबान देश के टूर्नामेंट जीतने की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि, एक बात का ध्यान रखना होगा कि कोई देश अब सह-मेजबान के तौर पर टूर्नामेंट जीत सकता है।

अपनी मेजबानी में फुटबॉल विश्व कप जीतने वाले देश

- **उरुग्वे (1930):** मोंटेवीडियो के एस्टाडियो सेंटेनारियो में फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर पहला विश्व कप जीता।
- **इटली (1934):** रोम में चेकोस्लोवाकिया को हराकर अपना पहला खिताब जीता।
- **इंग्लैंड (1966):** वेम्बली स्टेडियम में फाइनल में पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद आज तक का अपना एकमात्र विश्व कप जीता।
- **पश्चिम जर्मनी (1974):** म्यूनिख फाइनल में नीदरलैंड को हराकर अपना दूसरा खिताब हासिल किया।
- **अर्जेंटीना (1978):** ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में एक्सट्रा टाइम में नीदरलैंड को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता।
- **फ्रांस (1998):** सेंट-डेनिस में स्टेड डी फ्रांस में फाइनल में ब्राजील को हराकर खिताब जीती।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज़ बाइट्स

सनातन धर्म को बढ़ावा देने वाले युवक 'देव रत्न' से सम्मानित

देव (औरंगाबाद) (नि. सं.)। सूर्य नगरी देव में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में काली स्थान शिवालय समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित एक सम्मान समारोह में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और धार्मिक आयोजनों को सफल बनाने वाले युवाओं को 'देव रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन काली स्थान परिसर में किया गया, जहां सम्मानित युवाओं को मां काली का प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देव क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों के प्रति युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है, जिससे सनातन संस्कृति और परंपराओं को नई ऊर्जा मिली है। बताया गया कि पिछले वर्ष सूर्य महोत्सव स्थल पर युवाओं के सहयोग से सत्यचंडी महायज्ञ का सफल आयोजन किया गया था। वहीं इस वर्ष रानी तालाब परिसर में मां काली स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर सनातन समाज की एकजुटता का परिचय दिया गया। हाल ही में आयोजित अखंड कीर्तन कार्यक्रम को सफल बनाने में भी स्थानीय युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद में खरीफ फसल के मौसम को देखते हुए किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को सदर प्रखंड के ई-किसान भवन सभागार में प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख ज्ञानती देवी ने की। इस दौरान उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और किसानों को होने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी रमन सिन्हा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी निकिता कुमारी, कृषि समन्वयक, उर्वरक निरीक्षक तथा प्रखंड के सभी लाइसेंसधारी उर्वरक विक्रेता मौजूद रहे। प्रखंड प्रमुख ने विक्रेताओं को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और उन्हें निर्धारित दर पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।

---

18 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा, कदाचार रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम

आज होगी बिहार गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग के अधिनायक लिपिक पद की परीक्षा, तैयारियां पूरी

- प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल तैनात रहेंगे।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा आयोजित बिहार गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग के अधिनायक लिपिक पद की परीक्षा बुधवार को जिले के 18 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। दो दिन पूर्व जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश पर अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित योजना भवन सभागार में समीक्षा एवं ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में परीक्षा संचालन से जुड़े सभी अधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं दंडाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर समाहर्ता ने बताया कि परीक्षा का आयोजन एक ही पाली में किया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। उनके साथ पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहेंगे। सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम-से-कम दो घंटे पहले अपने-अपने केंद्रों पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय पूर्वाह्न 10 बजे से आधा घंटा पहले, यानी सुबह 9:30 बजे तक ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद आने वाले किसी भी अभ्यर्थी को किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए अभ्यर्थियों की सघन जांच (फ्रिस्किंग) की व्यवस्था भी की गई है। अभ्यर्थी केवल प्रवेश पत्र और वैध फोटो पहचान पत्र के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर सकेंगे। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए अलग कक्ष अथवा घेरायुक्त स्थान की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया है कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। परीक्षा को पूरी तरह कदाचारमुक्त बनाने के लिए स्टैटिक दंडाधिकारी, जोनल दंडाधिकारी और उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार पाए जाने पर संबंधित अभ्यर्थी या व्यक्ति के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी और लाइव स्ट्रीमिंग से होगी निगरानी

परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने से लेकर समाप्ति तक संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। प्रश्नपत्रों से संबंधित गोपनीय सामग्री के सील खोलने और पुनः पैकिंग की प्रक्रिया भी कैमरे में रिकॉर्ड की जाएगी। इसके अलावा जिला आपदा प्रबंधन शाखा, औरंगाबाद में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यहां से सभी परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार, नियंत्रण कक्ष और परीक्षा कक्षों में लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि इससे परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी। जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने का निर्देश दिया है।

ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा, 26 हजार से अधिक प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत जिले में पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा की गई। बैठक में औरंगाबाद की जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तिखार अहमद तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज शामिल हुए। समीक्षा के दौरान "ज्ञान भारतम् मिशन" के तहत चल रहे सर्वेक्षण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मिशन का उद्देश्य 75 वर्ष या उससे अधिक पुराने हस्तलिखित दस्तावेजों का संरक्षण और डिजिटाइजेशन करना है। इसमें कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा, धातु तथा अन्य पारंपरिक माध्यमों पर लिखी गई पांडुलिपियां शामिल हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, ऐतिहासिक अभिलेखों एवं दुर्लभ ग्रंथों को संरक्षित कर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है, ताकि उनमें निहित ज्ञान का शोध, अनुवाद और प्रकाशन के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसार किया जा सके। बैठक में बताया गया कि औरंगाबाद जिले में अब तक लगभग 26,158 हस्तलिखित दस्तावेजों की पहचान की जा चुकी है। इस उपलब्धि के साथ औरंगाबाद राज्यस्तरीय सर्वेक्षण में छठे स्थान पर पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसे जिले में ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। सर्वेक्षण के बाद विशेषज्ञों की टीम संबंधित स्थलों का भौतिक सत्यापन करेगी तथा पांडुलिपियों के संरक्षण, उपचार और डिजिटाइजेशन के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। इससे इन दुर्लभ धरोहरों को क्षरण और नष्ट होने से बचाया जा सकेगा।

सहयोग शिविर में आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री सचिव

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पंचायत स्तर पर आयोजित किए जा रहे "सहयोग शिविर" के प्रभावी संचालन एवं प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जिलों के जिला पदाधिकारियों के साथ शिविरों की प्रगति और शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की गई। औरंगाबाद से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, अपर समाहर्ता लोक शिकायत जयप्रकाश नारायण, अपर समाहर्ता विशेष शाखा मोहम्मद सादुल हसन खां, अपर समाहर्ता आपदा उपेंद्र पंडित, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, सिविल सर्जन, सदर डीसीएलआर श्वेतांक लाल, वरीय उपसमाहर्ता रितेश कुमार यादव, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश, डीआरडीए निदेशक अनुपम कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर "सहयोग शिविर" आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को स्थानीय स्तर पर ही विभिन्न प्रशासनिक सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिविरों में प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा करने को कहा गया, जिनका निस्तारण 10 दिन अथवा 20 दिन के भीतर नहीं हो पाया हो। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि सभी मामलों का अधिकतम 30 दिनों के भीतर शत-प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित 30 दिनों की अवधि के भीतर किसी मामले का निष्पादन नहीं होता है, तो संबंधित पदाधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने बताया कि प्रत्येक सहयोग शिविर के लिए वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सहयोगी अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। शिविरों के सफल संचालन की जिम्मेदारी संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को सौंपी गई है। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत सरकार भवन अथवा उसके समीप उपयुक्त सार्वजनिक स्थल पर शिविर आयोजित किए जाएं तथा निर्धारित रोस्टर के अनुसार तिथि एवं स्थान का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। शिविर स्थल पर आवश्यक मानव संसाधन, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का शत-प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदकों को उनके आवेदन की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी जाए। विशेष रूप से राजस्व एवं न्यायालय से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर बल दिया गया।

देव क्षेत्र में विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह का जनसंपर्क

गांव-गांव जाकर सुनी जनता की समस्याएं विकास योजनाओं की दी गयी जानकारी

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

बारह साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम के तहत औरंगाबाद सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने मंगलवार को देव प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी साझा की। विधायक ने देव प्रखंड की बेढनी पंचायत के गोपालपुर, बनिया और एरकी सहित केताकी पश्चिमी पंचायत के गोजराया, खेमचंद बीघा, तेजुबिघा, फुलवरिया, केताकी तथा केताकी बाजार गांवों का भ्रमण किया। इसके अलावा पूर्वी केताकी पंचायत के चेता बीघा, नकटी, खुशहालपुर और पड़रिया समेत कई गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान विधायक ने विशेष रूप से महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने सिंचाई व्यवस्था, सड़क विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा शिक्षा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा और शीघ्र समाधान की मांग की।

इस अवसर पर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि देश में आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विकास की धारा को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र के लोगों ने भी विधायक का स्वागत करते हुए विभिन्न स्थानीय समस्याओं के समाधान की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक ने भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा।

---

625 बोतल देशी शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए उत्पाद विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत औरंगाबाद जिले में बड़ी कार्रवाई की गई है। अंबा थाना क्षेत्र स्थित एरका चेकपोस्ट के समीप उत्पाद विभाग की टीम ने 25 पेटी देशी शराब से लदी एक रेनॉल्ट टवेरा कार को जब्त करते हुए तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब की खेप झारखंड से लाई जा रही थी। यह कार्रवाई उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर उत्पाद निरीक्षक अभिषेक कुमार और एसआई रहमत कुमार के नेतृत्व में की गई। सोमवार की रात एरका चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन जांच के दौरान एनएच-139 से गुजर रही एक संदिग्ध रेनॉल्ट टवेरा कार को रोककर तलाशी ली गई। जांच में वाहन से 300 एमएल की 625 बोतल देशी शराब बरामद हुई, जो 25 पेटियों में पैक थी। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान देव थाना क्षेत्र के करमडीह गांव निवासी गोविंद कुमार तथा उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कंधई थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुपुर गांव निवासी बिपुल यादव और गंगहटी गांव निवासी सतीश सिंह के रूप में हुई है। उत्पाद विभाग की पूछताछ में शराब तस्करी से जुड़े कई बिंदुओं पर जानकारी जुटाई जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

निज संवाददाता | बारुण (औरंगाबाद)

बारुण थाना क्षेत्र के कोसडीहरा गांव निवासी 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान मीतू पासवान के पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने गांव के ही चार युवकों पर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना को भेज दिया है। परिजनों के अनुसार 29 मई को गांव के ही रहने वाले नीतीश कुमार, रुपेश कुमार, पीरु कुमार और अभिषेक कुमार किसी जरूरी काम का बहाना बनाकर प्रिंस कुमार को अपने साथ झारखंड के हरिहरगंज ले गए थे। मृतक की बहन शिवानी कुमारी का आरोप है कि वहां उसके भाई के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। उन्होंने बताया कि उसी दिन दोपहर में परिवार को फोन कर सूचना दी गई कि प्रिंस गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना मिलने पर जब परिजन औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचे तो प्रिंस गंभीर अवस्था में भर्ती मिला, जबकि उसके साथ गए सभी युवक अस्पताल से फरार हो चुके थे। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया। वहां भी हालत में सुधार नहीं होने पर बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के बीएचयू अस्पताल भेजा गया।

कई दिनों तक जीवन और मौत से जूझने के बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की बहन द्वारा बारुण थाना में दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि चारों युवकों ने साजिश के तहत उसके भाई के साथ मारपीट की। आवेदन में यह भी कहा गया है कि घटना का विरोध करने पर एक आरोपी की मां ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। बारुण थाना की प्रभारी थानाध्यक्ष रिंकू कुमारी ने बताया कि घटना का मुख्य स्थल झारखंड के पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में बताया जा रहा है। इसी कारण बारुण थाना में जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना को भेज दिया गया है।

डीएम द्वारा एलपीजी के सेल्स मैनेजर के साथ समीक्षा बैठक

घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर सख्ती, व्यावसायिक उपयोग रोकने के निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में एलपीजी गैस कंपनियों के सेल्स मैनेजरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता, आपूर्ति, वितरण व्यवस्था तथा पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शनों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और उनके व्यावसायिक उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को नियमित जांच एवं निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक कार्यों में नहीं होने दिया जाए तथा ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। समीक्षा में बताया गया कि औरंगाबाद जिले में वर्तमान में कुल 37 गैस एजेंसियां संचालित हैं। इनके माध्यम से 4 लाख 94 हजार 52 घरेलू गैस कनेक्शन तथा 971 व्यावसायिक गैस कनेक्शन उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा गैस आपूर्ति की जा रही है।

इसके अलावा जिले में 115 पेट्रोल पंप संचालित हैं तथा पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है। गैस वितरण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में प्रतिदिन औसतन 6,903 सिलेंडरों की मांग के मुकाबले 6,741 सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में 22,938 रिफिल बुकिंग लंबित हैं तथा बैकलॉग अवधि 3.4 दिन है। जिले में फिलहाल 11,709 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। गैस आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए जिला स्तर पर 24×7 नियंत्रण कक्ष भी संचालित किया जा रहा है। बैठक में पीएनजी कनेक्शनों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि 8 जून 2026 तक जिले में कुल 1,778 घरेलू पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं। पिछली समीक्षा बैठक, जो 18 मार्च 2026 को हुई थी, उस समय यह संख्या 1,427 थी। इस प्रकार समीक्षा अवधि में 351 नए कनेक्शन जोड़े गए हैं। केवल 8 जून को ही आठ नए कनेक्शन चालू किए गए। अधिकारियों ने बताया कि जिले में पीएनजी कनेक्शन के लिए अब तक 4,123 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है।

सीएम सम्राट चौधरी से मिले पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, एनएच-139 फोरलेनिंग और बटाने जलाशय परियोजना पर हुई चर्चा

निज संवाददाता | पटना

औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने पटना स्थित लोक सेवक भवन में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र तथा जिले के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-139 (एनएच-139) के फोरलेन निर्माण और बिहार-झारखंड की अंतरराज्यीय बटाने जलाशय सिंचाई परियोजना को प्रमुखता से उठाया गया। पूर्व सांसद ने मुख्यमंत्री को बताया कि पटना-अरवल-औरंगाबाद-हरिहरगंज (झारखंड सीमा) से पड़वा मोड़ (पलामू) तक जाने वाले एनएच-139 के चौड़ीकरण (फोरलेनिंग) की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एनएचएआई के अधिकारियों से हुई बातचीत में यह जानकारी मिली कि बिहार सरकार की ओर से केवल लागत और दूरी संबंधी विवरण भेजा गया है, जबकि विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट की आवश्यकता है। सुशील कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि पथ निर्माण विभाग के माध्यम से आवश्यक तकनीकी रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजी जाए, ताकि परियोजना को शीघ्र स्वीकृति मिल सके। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ तथा उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों को राजधानी पटना और उत्तर बिहार से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने सचिव लौकेश कुमार सिंह को निर्देश दिया कि एनएचएआई से समन्वय स्थापित कर आवश्यक रिपोर्ट तैयार कर जल्द भेजी जाए। पूर्व सांसद ने मुख्यमंत्री का ध्यान बटाने जलाशय सिंचाई परियोजना की ओर भी आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि यह परियोजना लगभग 14 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई से जुड़ी है, लेकिन वर्षों से अधूरी पड़ी है। डैम और बैराज का निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद नहरों की बदहाल स्थिति और अन्य तकनीकी कारणों से किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना की बायीं नहर अत्यंत जर्जर अवस्था में है, जबकि दायीं नहर का निर्माण अब तक अधूरा है।

महंगाई-बेरोजगारी : 11 प्रखंडों में राजद का धरना-प्रदर्शन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को औरंगाबाद जिले के सभी 11 प्रखंडों में एक साथ धरना-प्रदर्शन कर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बदहाल शिक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिले के औरंगाबाद सदर, दाउदनगर, रफीगंज, कुटुंबा, ओबरा, गोह, हसपुरा, नबीनगर, मदनपुर सहित विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों पर धरना देकर कार्यकर्ताओं ने जनसमस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान सरकार विरोधी नारे लगाए गए और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। सदर प्रखंड कार्यालय परिसर के समीप आयोजित धरना की अध्यक्षता प्रखंड राजद अध्यक्ष सुशील कुमार ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजद जिला प्रवक्ता डॉ. रमेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यकाल में छात्र, युवा, किसान और आम नागरिक विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं को युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बताया। सदर प्रखंड उपप्रमुख सह राजद नेता ओम प्रकाश यादव उर्फ बादशाह यादव ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है।

बटाने नदी पुल निर्माण की समीक्षा, 15 जून से शुरू होगा डायवर्सन निर्माण कार्य

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बटाने नदी पर स्थित पुल के डायवर्सन एवं नए पुल निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से प्रारंभ कराने तथा आवागमन को सुचारु बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान एनएच-139 के सहायक अभियंता ने बताया कि डायवर्सन निर्माण से संबंधित निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने जानकारी दी कि 13 जून 2026 को तकनीकी निविदा (टेक्निकल बीड) और 14 जून 2026 को वित्तीय निविदा (फाइनेंशियल बीड) खोली जाएगी। इसके बाद सभी औपचारिकताएं पूरी कर 15 जून 2026 से डायवर्सन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि पुल निर्माण के लिए पथ निर्माण विभाग (आरसीडी) से आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और विभागीय स्तर पर निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि पुल मार्ग से भारी वाहनों का नियमित परिचालन होता है, इसलिए निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जाएंगे। पुल निर्माण की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने तकनीकी पहलुओं की भी जानकारी ली। इस पर सहायक अभियंता ने बताया कि पुल के ऊपरी हिस्से का निर्माण प्रस्तावित है तथा विभागीय स्तर पर स्थल निरीक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है।

सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | फेसर (औरंगाबाद)

जिले के फेसर रोड स्थित बेला गांव के समीप मंगलवार की दोपहर एक तेज रफ्तार बाइक और ई-रिक्शा (टोटो) के बीच हुई जोरदार टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। घायलों की पहचान बेला गांव निवासी अनिल पासवान के पुत्र रिकी कुमार तथा संतोष कुमार के पुत्र पंकज कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों युवक बाइक से कोचिंग करने के लिए औरंगाबाद शहर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनके आगे चल रहे एक टोटो चालक ने अचानक वाहन मोड़ दिया, जिससे बाइक चालक संतुलन नहीं बना सका और बाइक सीधे ई-रिक्शा से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके सिर, हाथ तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और तत्काल राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सड़क से उठाकर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया।